



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

22/2/79  
No. 8  
1165 GI

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७]  
No. 7]

नई विल्सी, शनिवार, फरवरी 17, 1979/माघ 28, 1900  
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 17, 1979/MAGHA 28, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के लिए रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यभेद प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और प्रधिसूचनाएं

### Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

#### भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई विल्सी, 22 दिसम्बर, 1978

का०शा० ५५२.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए सामारण निर्वाचन के लिए 142-तुमसर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मलेवार राधेश्याम उरकूड़ाजी, मु० ४ पो० हनुमान नगर, तुमसर, ता० बिला मंडारा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तक तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोग समयों निर्वाचन व्यव्यों का कोई भी लेका दावित करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण घटका स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापैकियत नहीं है;

यतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मलेवार राधेश्याम उरकूड़ाजी को संसद के किसी भी संवन के या किसी राज्य की विधान-सभा घटका विधान परिषद् के सदस्य बनने जाने ग्रोर होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि० स०/142/78(35)]

#### ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 22nd December, 1978

S.O. 552.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Malewar Radheyshyam Urkudaji, At & Post-Hanuman Nagar, Tumsar, Tq. & District Bhandara (Maharashtra), a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 142-Tumsar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Malewar Radheyshyam Urkudaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/142/78(35)]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1978

का०आ० 553.—यत्, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचित के लिए 68-दिलोलाली (आ०जा०) निर्बाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गायकवाड़ सुरेश कार्णना०, ए० प०० विलास, तःस्थ, नासिक, जिला नासिक, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोत्सव निर्बाचित व्यायों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस प्रगतकाली के लिए कोई कारण अवधारण स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एन्डड्वारा उक्त श्री गायकवाड़ सुरेश कार्णनाय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अवधारण विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० महा०वि०स०/68/78(45)]

New Delhi, the 30th December, 1978

S.O. 553.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gaikwad Suresh Kashinath, At & Post Vilholi, Taluka Nasik, District Nasik a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 68-Deolali (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gaikwad Suresh Kashinath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/68/78(45)]

का०आ० 554.—यत्, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचित के लिए 5-राजापुर निर्बाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रायारे अनन्त रामचन्द्र, 15-पौरी, बड़ोदा बैंक कालानी, ब्राह्मण बाड़ा, विलोपाले (पुर्व), बम्बई लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोत्सव अपने निर्बाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवधारण स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त उम्मीदवार की धारा 10-के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एन्ड द्वारा उक्त श्री ग्रायारे अनन्त रामचन्द्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अवधारण विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० महा०वि०स०/5/78(46)]

S.O. 554.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ayare Anant Ramchandra, 15-Sheshee, Bank of Baroda Colony, Brahmanwada, Vileparle (East), Bombay a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 5-Rajapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ayare Anant Ramchandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/5/78(46)]

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1979

का०आ० 555.—यत्, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचित के लिए 95-जलगांव निर्बाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चौधरी इकनाथ बाड़ू, 293-जोशोपेठ, जलगांव (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोत्सव अपने निर्बाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवधारण स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापौरित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एन्ड द्वारा उक्त श्री चौधरी इकनाथ बाड़ू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अवधारण विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० महा०वि०स०/95/78(47)]

New Delhi, the 2nd January, 1979

S.O. 555.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chaudhari Eknath Bhadu, 293-Joshi Peth, Jalgaon Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 95-Jalgaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chaudhari Eknath Bhadu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/95/78(47)]

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1979

का०आ० 556.—यत्, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचित के लिए 20-उमराबाड़ी निर्बाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मधुकर हरिहराल दुराके, 475-माझवराम रोड के स्ट्रीट,

मूनिसिपल सीमेंट चावल नं० 1; प्रथम मंजिल, कमरा नं० 36, बम्बई-400009. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोग का निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री मधुकर हरिभाऊ बुरफे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०म०/20/78(48)]

New Delhi, the 3rd January, 1979

**S.O. 556.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madhukar Haribhau Durafe, 475-Madhavrao Rokde Street, Municipal Cement Chawl, No. 1, 1st floor, Room No. 36, Bombay-400009 a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 20-Umarkhadi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Madhukar Haribhau Durafe to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/20/78(48)]

नई विल्सनी, 5 जनवरी, 1979

**का०आ० 557.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 115-मंगलवारीर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मिश्रा श्रीनारायण बालाराम, भ० १०० मंगलवारीर, बाड़ नं० १६, जिला अकोला, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोग का निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री मिश्रा श्रीनारायण बालाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[मं० महा०-वि०म०/115/78(79)]

New Delhi, the 5th January, 1979

**S.O. 557.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mishra Shrinarayan Balaram, A.P. Mangrulpir, Ward No. 16, District-Akola, Maharashtra, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative

Assembly held in February, 1978 from 115-Mangrulpir constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mishra Shrinarayan Balaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/115/78 (49)]

**का०आ० 558.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 111-अकोला निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री उत्कृष्ण भधुकर राव नारायणराय, निवासी शिवाजी नगर, जिला अकोला (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951, तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोग का निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवंद्वारा उक्त श्री उत्कृष्ण भधुकर राव नारायणराय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा, अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०म०/111/78(50)]

**S.O. 558.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Utkhade Madukarrao Narayanrao r/o Shivaji Naga, District-Akola (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 111-Akola constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Utkhade Madhukarrao Narayanrao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/111/78(50)]

नई विल्सनी, 6 जनवरी 1979

**का०आ० 559.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-वैम्बुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भवरलाल जीजाजी चवाण, 28/200, ठक्कर आप्पा कालोनी, ए००० ज०० बारवे मार्ग, वैम्बुर, अस्प०-400071. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोग की निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये आधारेवम पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं हैं;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भवरलाल जीजाजी चवाण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०/वि० सं०/47/78(51)]

New Delhi, the 6th January, 1979

**S.O. 559.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhavralal Gigaji Chavan, 28/200, Thakkar Pappa Colony, S. G. Barve Marg, Chembur, Bombay-400071 a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 47-Chembur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhavralal Gigaji Chavan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/47/78(51)]

नई विल्सनी, 8 जनवरी, 1979

**का० घा० 560.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 117-कारंजा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रणो अभिमान बलीराम, मु० मांगलबाई, प०० धनज, दु०, ता० मुतिजापुर, जिला अकोला, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं है;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रणो अभिमान बलीराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०/वि० सं०/117/78(52)]

New Delhi, the 8th January, 1979

**S.O. 560.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Praghane Abhiman Baliram, at Nagal Wadi P. O. Dhanaj Bk., Tq. Murtijapur, District Akola (Maharashtra), a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 117-Karanja constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Praghane Abhiman Baliram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/117/78(52)]

नई विल्सनी, 9 जनवरी, 1979

**का० घा० 561.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 90-चालीसगांव (ग्र० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती जीजी बाई शामराव चवाण, मार्फत शर्मा बालाजी चवाण, समीप राजकमल सिनेमा टाकीज, चितोड़ रोड, धुले चितोड़ सोशलिटी, सुकाम व डाक तहसील व जिला धुले (महाराष्ट्र) सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्र नहीं हैं;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती जीजीबाई शामराव चवाण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०/वि० सं०/90/78(53)]

New Delhi, the 9th January, 1979

**S.O. 561.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Jijibai Shamrao Chavan, C/o. Sharma Balaji Chavan, Near Rajkamal Cinema Talkies, Chitod Road, Dhule, Maharashtra a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 90-Chalisgaon constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Jijibai Shamrao Chavan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT/LA/90/78(53)]

नई विल्सनी, 10 जनवरी, 1979

**का० घा० 562.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 55-उल्लास नगर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री द्व॒रीराम रामबन्द वधवा, वी० के० न० 1537/एस० उल्लासनगर-4, जिला यातों (महाराष्ट्र) सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म, यहां, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है;

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरीराम रामचन्द्र विधायक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/55/78(58)]

New Delhi, the 10th January, 1979

**S.O. 562.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hariram Ramchand Wadhawa, B. K. No. 1537/S, Ulhasnagar-4, District Thane, Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 55-Ulhasnagar constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hariram Ramchand Wadhawa to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT/LA/55/78(58)]

नई विहारी, 12 जनवरी, 1979

**का० आ० 563.**—यहां, निर्वाचन आयोग का समाधान ही गया है कि फरवरी, 1978 में युए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 114-वाराणीम (आ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अवध नारायण महतो, ग्राम-पो० नोमपुर, जिला बेगूसराय (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिष्ठित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म, यहां, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अन्यायेवन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग के आगे यह भी समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है;

अतः, यहां, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री वाराणी रामचन्द्र फकीरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/114/78(59)]

New Delhi, the 12th January, 1979

**S.O. 563.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dabhade Rambhau Fakira, AP-Rithad, Taluka-Washim, District-Akola (Maharashtra), a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 114-Washim (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dabhade Rambhau Fakira to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/114/78(59)]

**का० आ० 564.**—यहां, 'निर्वाचन आयोग का समाधान ही गया है कि जून, 1977 में युए विचार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 106-बरानी सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अवध नारायण महतो, ग्राम-पो० नोमपुर, जिला बेगूसराय (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिष्ठित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा बाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म, यहां, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रीष्म, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान ही गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकित्य नहीं है;

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अवध नारायण महतो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/106/77(1)]

**S.O. 564.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Awadh Narain Mahto, Village and Post Office—Nonepur, District Begusarai (Bihar), a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 106-Barauni Assembly Constituency, held in June, 1977 has failed to lodge his account of election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after the notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Awadh Narain Mahto to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from date of this order.

[No. BR-LA/106/77(1)]

नई फिल्मी, 18 जनवरी, 1979

का० आ० 565.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए लोक सभा मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 151-जगदालपुर निर्वाचन थेन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भजेन्द्रनाथ, ग्राम कस्तुरी, नगरनार, जगदालपुर जिला बस्तर, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी सेक्षा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अर्थवा स्पष्टीकरण नहीं किया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भजेन्द्रनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आयोग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

आवेदन से,

[सं० म० प्र० वि० स०/151/77(1)]

New Delhi, the 18th January, 1979

**S.O. 565.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhajendranath, Vill. Kasturi, P. O. Nagarnar, Jagdalpur, Distt. Bastar (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 151-Jagdalpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhajendranath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By Order,

[No. MP-LA/151/77(1)]

का० आ० 566.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए लोक सभा मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 151-जगदालपुर निर्वाचन थेन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निधिराम, ग्राम पो० किंजोली, जिला बस्तर, (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी सेक्षा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अर्थवा स्पष्टीकरण नहीं किया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री निधिराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

किसी राज्य की विधान सभा अर्थवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र० वि० स०/151/77 (2)]

**S.O. 566.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nidhi Ram, Vill. & P. O. Kinjoli, Distt. Bastar, Madhya Pradesh a contesting candidate or general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June 1977 from 151-Jagdalpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nidhi Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/151/77(2)]

का० आ० 567.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए लोक सभा/मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 151-जगदालपुर निर्वाचन थेन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चुम्मनधर, मुरलीधर, विजय वार्ड, जगदालपुर, (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी सेक्षा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और अस : उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अर्थवा स्पष्टीकरण नहीं किया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री चुम्मनधर मुरलीधर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

आवेदन से,

[सं० म० प्र० वि० स०/151/77(3)]

**S.O. 567.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chumandhar Murlidhar, Vijay Ward, Jagdalpur, District Bastar (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 151-Jagdalpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the

Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chumandhar Murlidhar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By order,

[No. MP-LA/151/77/(3)]

का० आ० 568.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-नवापुर (भ० ज० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चौरे धर्मा गंगाराम, मुकाम भोरेपाड़ा, डाक० ब्रह्महेन्द्रपाल, तालुका मकरी, जिला धुने (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रौर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री चौरे धर्मा गंगाराम को संमय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[स० महा०-वि०स०/81/78(66)]

S.O. 568.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chaure Dharma Gangaram At Bhortepada, Post Bramhenwel, Taluka Sakri, District Dhule, Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 81-Nawapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chaure Dharma Gangaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/81/78(66)]

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1979

का० आ० 569.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 101-बालाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती पंचित अंजनाबाई सोनू, मुकाम व डाक० जेलवाड, तालुका भूसावल, जिला जलगांव (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अस्थावेदन पर विचार करने के पश्चात, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित वर्ष नहीं हैं ;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्रीमती पंचित अंजनाबाई सोनू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[स० महा०-वि०स०/101/78(67)]

New Delhi, the 20th January, 1979

S.O. 569.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Pandit Anjanabai Sonu, At & Post Shelvad, Taluka Bhusawal, District Jalgaon, Maharashtra, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 101-Edlabad constituency, has failed to lodge an account of her election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Pandit Anjanabai Sonu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT/LA/101/78(67)]

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1979

का० आ० 570.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 19-बालान्दुर सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ए० बालासुब्रामण्यम, 23, बेरीमामैन स्ट्रीट, भारतीयुरम, क्रोमेपेट, मद्रास-600044 (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ग्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रौर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित वर्ष नहीं हैं ;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री ए० बालासुब्रामण्यम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[स० त० न०-वि०स०/19/77(6)]

New Delhi, the 23rd January, 1979

S.O. 570.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. Balasubramaniam, 23, Beriamman Street, Bharathinuram, Chromenet, Madras-600044 (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 19-Alandur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. Balasubramaniam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/19/77(6)]

का० जा० 571.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 21 तिरुप्पोल्लर (धा० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से धनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० जी० कनियाप्पन, 3, मरियाम्मनकोट्टील स्ट्रीट, 260, ग्राम-सभामनजेरी, उप-तालुक-उत्तरामेरुर, जिला-विधानसभा-टट्टु (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सदृशीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाकिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पूर्ण सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 10-के धनूसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० जी० कनियाप्पन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भाद्रेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाखणि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०ना०वि०स०/21/77(7)]

**S.O. 571.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. G. Kanniaappan, 3, Mariammankoil Street, 260, Sathananjeri Village, Ultramerur Sub-Taluk, Chengalpattu District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for the general Election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 21-Tirupporur constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. G. Kanniaappan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/21/77(7)]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1979

का० जा० 572.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग राजस्थान सरकार के परामर्श से श्री एच० सी० पांडे, प्रबन्ध निवेशक, राजस्थान भूमि विकास निगम, जयपुर को उनके कायेभार गहण करने की तारीख से घग्गरे मारियों तक राजस्थान राज्य के मुख्य निर्वाचन आफिसर के रूप में एतद्वारा नाम निर्देशित करता है।

तारीख 8 अगस्त, 1978 की आयोग की मध्यसूचना सं० 154/राज०/78 एतद्वारा रह की जाती है।

[सं० 154/राज०/78]

New Delhi, the 24th January, 1979

**S.O. 572.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Rajasthan hereby nominates Shri H. C. Pandc, Managing Director, Rajasthan Land Development Corporation, Jaipur as the Chief Electoral Officer for the State of Rajasthan with effect from the date he takes over charge and until further orders.

Commission's notification No. 154/RJ/78 dated 8 August, 1978 is hereby cancelled.

[No. 154/RJ/78]

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1979

का० जा० 573.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से श्री क० धा० अमैया के स्थान पर श्री धा० सम्पत्त कुमारन, सरकार के विषेष सचिव, मंत्रिमंडल कार्य तथा वैयक्तिक और प्रशासनिक मुश्तार विभाग (ए० धा० डिविजन) को तारीख 15-1-1979 से घग्गरे आदेशों तक कर्नाटक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं० 154/कर्मटक/79]

श्री० नागसुब्रामण्यन, सचिव

New Delhi, the 25th January, 1978

**S.O. 573.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka hereby nominates Shri R. Sampath Kumar, Special Secretary to Government, Department of Cabinet Affairs and Personnel and Administrative Reforms (A. R. Division) as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from 15 January, 1979 and until further orders vice Shri K.R. Chamaiah.

[No. 154/Karnataka/79]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

New Delhi, the 25th January, 1979

#### ERRATA

**S.O. 574.**—In the English version of the Election Commission's Notification No. 282/1/AP/78 dated 30 December, 1978, published in the extraordinary issue of the Gazette of India, Part II-Section 3(ii) dated 9 January, 1979 as S.O. 21(E)—

- (i) Against item (2) for "Bheemunipatnand" read "Bheemunipatnam"; and
- (ii) against item (11) for "61-Thiruntala-Palchigundlapalle", read "Thirumala-Pachigundlapalle".

[No. 282/1/AP/78/4558.]

K. GANESAN, Under Secy. (Legal)

## गृह मंत्रालय

प्राप्ति

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1979

का० ना० 575.—मंत्र राज्य थेव शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) की धारा 27 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अनुसरण में, राष्ट्रपति यह अवधारित करते हैं कि भ्रमेल, 1979 के प्रथम दिन को या उसके पश्चात प्रारम्भ होने वाले हर एक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, गोवा, दमण और दीव के प्रशासक के पद से संबंधित निम्नलिखित मर्दों पर अध्य, प्रशासक की उपलब्धियों और भन्नों से भिन्न, की राशि 4.30 लाख रुपए से अधिक न होनी, अर्थात् :—

- (1) प्रशासक का कर्मचारीवृन्द और धरेल साज-मामान,
- (2) प्रशासक की योटर और अन्य गाड़ियाँ;
- (3) प्रशासक के नियम स्थान का मूल नियम और उसका अनुरक्षण,
- (4) प्रशासक का निपिक्षिय कर्मचारिकृत्व :

परत्तु यदि किसी विनीय वर्ष में अध्य, प्रशासक के कार्यालय के कर्मचारिकृत्व की उपलब्धियों में ऐसी वृद्धि, जो वृद्धि वेतन वृद्धियों के प्रोत्तु भूत के कारण हुई है या गोवा, दमण द्वारा समय-समय पर मंजर किए गए भन्नों में वृद्धि, के परिणामस्वरूप उक्त राशि 4.30 लाख रुपये में अधिक हो जाता है, तो तब राशि उम्मीद वृद्धि के परिणाम तक बढ़ाई हुई राशि जायेगी ।

[मा० य०-11012/12/78-प०टी०ग०]

मी० प्र० मेहता, अव० भवित्व

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## ORDER

New Delhi, the 2nd February 1979

**S.O. 575.**—In pursuance of clause (a) of sub-section (3) of section 27 of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 248, dated the 25th November, 1971, the President hereby determines that for each of the financial years commencing on and after the 1st day of April, 1979, the expenditure on the following items relating to the office of the Administrator of Goa, Daman and Diu, other than the Administrator's emoluments and allowances, shall be a sum not exceeding Rs. 4.30 lakhs, namely :—

- (i) staff and house-hold of the Administrator;
- (ii) motor and other vehicles of the Administrator;
- (iii) original works and maintenance of the residence of the Administrator; and
- (iv) secretarial staff of the Administrator;

Provided that, if, in any financial year, the expenditure exceeds the said sum of Rs. 4.30 lakhs consequent on increase in the emoluments of the staff of the office of the Administrator, such increase being occasioned by accrual of increments or increase in the allowances sanctioned by the Government from time to time, the said sum shall be deemed to be raised to the extent of such increase.

[No. U-11012/12/78-UTI]

P. S. MEHTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1979

का० ना० 576.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के अनुसार

(2) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, अधिप्रमाणन (आवेदन और अन्य लिखते) नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अधिप्रमाणन (आवेदन और अन्य लिखते) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. उक्त नियमों की अनुसूची में, "कार्मिक विभाग" शीर्षक और उसके नीचे की प्रक्रियों के पश्चात निम्नलिखित शीर्षक और प्रक्रियाएँ संतुष्टिपूर्ण भी जाएंगी, अर्थात् :—

1

2

"संस्कृति विभाग

भारतीय पुरातात्त्व सर्वेक्षण

निदेशक (प्रशासन)।"

[मा० 28/8/78-पम्लिक]

पी० क० कथपालिया, संयुक्त समिक्षा

## ORDER

New Delhi, the 5th February, 1979

**S.O. 576.**—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958 namely :—

1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruments) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the said rules, after the heading "DEPARTMENT OF PERSONNEL" and the entries thereunder, the following heading and entries shall be inserted, namely :—

1

2

"DEPARTMENT OF CULTURE

Director (Administration).

Archaeological Survey  
of India.)

[No. 23/8/78-Public]

P. K. KATHPALIA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1979

**का० ना० 577.**—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 68 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 68 और धारा 69 के प्रयोजनों के लिए, सेना आ० एसा आक्रिया, जो कानून या उससे ऊपर की रेंक का है और जिसने कम से कम तीन अर्ध की कमीशन भेवा पूरी कर ली है, ऐसा प्रत्यक्ष घारण करता है जो पुलिस उपाधि/अधिकृत के पद से नीचे का न हो।

[मा० 10/1/69-सी० एस श्री/स्त्री एस एफ/कार्मिक-2]

सन्य देव गुप्ता, अव० भवित्व

New Delhi, the 7th February, 1979

**S.O. 577.**—In exercise of the powers conferred by the Explanation to section 68 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby declares that for the purposes of sections 68 and 69 of the said Act an officer of the Army who has held the rank of captain or above and has completed not less than three years of commissioned service, holds a post not lower than that of a Deputy Superintendent of Police.

[No. 10/1/69-CLO/BSF/Pers. II]

S. D. GUPTA, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1978

आदेश

का० आ० 578.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री अरुलमिगु स्वामीनाथस्वामी देवन, स्वामीमलाई” के निवारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2625/का०सं० 197/187/78-आ०क०(ए I)]

## MINISTRY OF DEFENCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 30th December, 1978

## INCOME TAX

**S.O. 578.**—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Arulmigu Swaminathaswami Temple, Swamimalai” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1977-78.

[No. 2625/F. No. 197/187/87-IT (AD)]

का० आ० 579.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री अरप्पलीश्वर मंदिर, कोल्लमलाई, ला० च० सालेम जिला, तमिल नाडु” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए तमिलनाडु राज्य के स्वतंत्र विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 2627/का० सं० 176/101/78-आई०टी० (ए I)]

**S.O. 579.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Arappaleeswarar Temple, Kollimalai P. O., Salem District, Tamil Nadu” to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said Section.

[No. 2627/F. No. 176/101/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1979

का० आ० 580.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, “सेंक्रेट हाउस कॉलेज सोसाईटी, शेम्बागनूर” को निवारण वर्ष 1978-79 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2642/का०सं० 197/74/78-आ०क०(ए I)]

New Delhi, the 8th January, 1979

**S.O. 580.**—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sacred Heart College Society, Shembaganur” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1978-79.

[No. 2642/F. No. 197/74/78-IT(AI)]

का० आ० 581.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, “सेठ गोकुलदाम तेजपाल चैरिटीज” को निवारण वर्ष 1978-79 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2641/का०सं० 197/104/78-आ०क०(ए I)]

प्रा० शास्त्री, अध्यक्ष सचिव

**S.O. 581.**—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sheth Goculdas Tejal Charities” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1978-79.

[No. 2641/F. No. 197/104/78-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1979

का० आ० 582.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, 1 नवम्बर, 1978 के बीच भारतीय औद्योगिक पुरानों नियम द्वारा जारी किए गए 6-1/4 प्रतिशत-10 वर्षीय बंधान, 1988 (प्रथम श्रावली) विनियिष्ट करती है।

[मं० 2643/का०सं० 178/27/78-आई०टी० (ए०आई०)]

जे० पी० शर्मा, निदेशक

New Delhi, 8th January, 1979

**S.O. 582.**—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of section 80L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies 6-1/4 per cent—10 Year Bonds 1988 (1st Series) issued by the Industrial Reconstruction Corporation of India between 1st November and 3rd November, 1978 for the purpose of the said clause.

[No. 2643/F. No. 178/27/78-IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1979

## आप्यकर

का० आ० 583.—आप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपदण्ड (iii) के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार एनडटारा, श्री अमिताभ बनर्जी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रधीन, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री अमिताभ बनर्जी के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[मं० 2680/का०सं० 404/21(क०व०आ०-प्रगम)/79-

आ०क०स०क०]

New Delhi, the 23rd January, 1979

## INCOME TAX

**S.O. 583.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Amitabha Banerjee being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Amitabha Banerjee takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2680/F. No. 404/21 (TRO-ASAN)/79-ITCC]

का० आ० 584.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के छठे (44) के उपचारण (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतदारा, श्री जी० बी० दास को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर अनुसूची अधिकारी की प्रक्रियाओं का प्रयोग करने के लिए प्राविकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री जी० बी० दास के कर अनुसूची अधिकारी के अधीन का अधिकार अनुसूचना को तारीख से लागू होगी।

[स० 2678/फा०म० 404/22(क०व०आ०प०ब०)]

एच० वेकटरामन, उप सचिव

**S.O. 584.**—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri G. B. Das being Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri G. B. Das takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2678/F. No. 404/22(TRO-WB)/79-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

### केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1978

प्राय कर

का० आ० 585.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करने द्वारा, समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना स० 679 [फा० स० 187/2/74-आ०क०ए० 1], तारीख 20 जुलाई, 1974 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है:

क्रम सं० 9 और 9के सामने स्तम्भ 1, 2 और 3 के नीचे की विद्यमान प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधियों द्वारा जाएंगी:—

प्रायकर	मुक्तालय	अधिकारिता
---------	----------	-----------

1	2	3
9. दिल्ली केन्द्रीय-I, नई दिल्ली	1. केन्द्रीय सक्षिल I से VII और X, नई दिल्ली। 2. केन्द्रीय सक्षिल 1 से IV, मेरठ।	
9क. दिल्ली केन्द्रीय-II, नई दिल्ली	1. केन्द्रीय सक्षिल III, IX, XI, से XXII, नई दिल्ली। 2. केन्द्रीय सक्षिल I और II, आगरा।	

यह अधिसूचना 15 जुलाई, 1978 से प्रभावी होगी।

[स० 2408/फा०स० 187/11/78-आ०क० (ए० 1)]

ज० पी० यार्फी, निवे शक

### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 15th July, 1978

### INCOME TAX

**S. O. 585.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification 679 (F. No. 187/2/74-IT, AI) dated 20-7-74.

Existing entries under Columns 1, 2 & 3 against S. No. 9 and 9A shall be substituted by the following entries:—

COMMISSIONER OF INCOME TAX	HEADQUARTERS	JURISDICTION	
		1	2
9. Delhi	Central-I, New Delhi.	1. Central Circles I To VII and X, New Delhi. 2. Central Circles I to IV, Meerut.	1. Central Circles I To VII and X, New Delhi. 2. Central Circles I to IV, Meerut.
9A. Delhi	Central-II, New Delhi.	1. Central Circles VIII, IX, XI to XXII, New Delhi. 2. Central Circles I & II, Agra.	1. Central Circles VIII, IX, XI to XXII, New Delhi. 2. Central Circles I & II, Agra.

This notification shall take effect from 15th July, 1978.

[No. 2408/F. No. 187/11/78 IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1978

प्रायकर

प्रायकर	मुक्तालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
14 लखनऊ	लखनऊ	1. स० श० एवं आ० क० सक्षिल, लखनऊ 2. सक्षिल I, लखनऊ 3. सक्षिल II, लखनऊ 4. वेतन सक्षिल, लखनऊ 5. अल्मोड़ा 6. वारांनकी 7. बरेली 8. बिजनौर 9. बद्रीगुरु 10. चन्दौसी 11. हरदोई 12. हल्द्वानी 13. काशीपुर 14. लखीमपुर खेड़ी 15. मुरादाबाद 16. नैनीताल 17. नजीबाबाद 18. पीलीभीत 19. रामपुर 20. रायबरेली 21. संभल 22. शाहजहांपुर 23. सीतापुर 24. उश्काव

यह अधिसूचना 13-12-78 से प्रभावी होगी।

[स० 2612/फा० स० 187/30/78 आ० का० (ए० 1)]

एम० शार्मा, प्रबर सचिव

New Delhi the 12th December, 1978

## (INCOME-TAX)

**S.O. 586.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F.No.187/2/74-II(AI) dated 20th July, 1974, as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) & (3) against Serial No. 14 shall be substituted by the following entries:—

Commissioner	Headquarters	Jurisdiction
of Income-tax		
14. Lucknow.	Lucknow.	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Ed-cum IT Circle, Lucknow.</li> <li>2. Circle-I, Lucknow.</li> <li>3. Circle-II, Lucknow.</li> <li>4. Salary Circle, Lucknow.</li> <li>5. Almora.</li> <li>6. Barabanki.</li> <li>7. Bareilly.</li> <li>8. Bijnor.</li> <li>9. Badaun.</li> <li>10. Chandausi.</li> <li>11. Hardoi.</li> <li>12. Haldwani.</li> <li>13. Kashipur.</li> <li>14. Lakhimpur Kheri.</li> <li>15. Moradabad.</li> <li>16. Nainital.</li> <li>17. Najibabad.</li> <li>18. Pilibhit.</li> <li>19. Rampur.</li> <li>20. Rae-Barelli.</li> <li>21. Sambhal.</li> <li>22. Shahjahanpur.</li> <li>23. Sitapur.</li> <li>24. Unnao.</li> </ol>

This notification shall take effect from 13-12-78.

[Nо. 2612/F.No.187/30/78-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

## (आंतरिक कार्य विभाग)

## (बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1979

**का० आ० 587.**—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदर्शन गणितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्राक्षित होने की तारीख से 1 मार्च, 1980 तक मगध सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, गया पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे, जहाँ तक उनका सम्बन्ध इसकी गैर-बैंकिंग परिस्थितियों अर्थात् बिहार राज्य में ग्राम देव स्थित 4 काठा भूमि तथा ग्राम घोसी स्थित 6 काठा भूमि की घारिता से है।

[सं० एक 8/1/79-ए० सी०]

## (Department of Economic Affairs)

## (Banking Division)

New Delhi, the 3rd February, 1979

**S.O. 587.**—In exercise of the powers conferred by the Section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Howrah District Central Co-operative Bank Ltd., Howrah in so far as they relate to its holding of non-banking assets, viz., 1.30 and 0.06 acre of land at village Chakbhagabatipur, P. O. Kulgachia, Howrah, 0.57 acre of land at village Piplpur, P. O. Jadurberia, Howrah, 0.48 acre of land at village and P. O. Kulgachia, Howrah and 0.09 and 0.03 acre of land at village Madan Mohanpur, P. O. Bagnan, Howrah from the date of publication of this notification to 28 February 1981.

[No. F. 8/1/79-AC]

M. P. VARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1979

**का० आ० 588.**—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदर्शन गणितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्राक्षित होने की तारीख से 1 मार्च, 1980 तक मगध सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, गया पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे, जहाँ तक उनका सम्बन्ध इसकी गैर-बैंकिंग परिस्थितियों अर्थात् बिहार राज्य में ग्राम देव स्थित 4 काठा भूमि तथा ग्राम घोसी स्थित 6 काठा भूमि की घारिता से है।

[सं० एक 8/4/79-ए० सी०]

मृ. पी० वर्मा, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 7th February, 1979

**S.O. 588.**—In exercise of the powers conferred by the Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Magadh Central Co-operative Bank Ltd., Gaya in so far as they relate to its holding of non-banking assets viz. 4 Kathas of land at village Deo and 6 Kathas of land at village Ghosi in Bihar State from the date of publication of this notification in the official Gazette to 1 March 1980.

[No. F. 8/4/79-AC]

M. P. VARMA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद सुल्क और सीमा सुल्क के समानता का कार्यालय

(केन्द्रीय उत्पाद सुल्क)

पुर्णे, 15 नवम्बर, 1978।

**का० आ० 589.**—केन्द्रीय उत्पाद सुल्क नियम 1944 के नियम 51 के अधीन प्रदर्श गणितयों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद्वारा, निम्नलिखित निदेश जारी करता हूँ।

उक्त नियमों के उंड (i) के उपलब्ध (a) के भनुसार हर एक होलसेल पैकेज पर माल की किसी और क्षेत्री का भंकेत करते हुए, स्पष्ट रूप में भेद वाले अक्षर या अक्षरों, अक्षरा अवद या अद्वयों, अथवा उन के मंयोजन का घंकन किया जाना चाहिए।

प्रतएव यह निदेश दिया जाता है कि जहाँ पर ऐसे माल अवदा पैकेजों का मूल उपस्करण के रूप में उपयोग के भनुसार, निःशुल्क अवदा ग्रियात्मी दर पर शुल्क निष्पारण किया जाता है, वहाँ उस माल पर

प्रत्य निशानियों के साथ माथ निर्वाचिती द्वारा (प्रो-इ०) (मूल उपकरण) का निशान लगाया जाए, जिससे कि उस भाल को, बदली (रिसेसमेट) के लिए रखे गए हैं ही अन्य माल से अलग पहचाना जा सके।

[सं० सीइएस/6/78/फा०सं० बी० जी एन (30) 98/टीए०/76]  
जे०एम० वर्मा, समार्था

**Office of the Collector of Central Excise and Customs  
CENTRAL EXCISES**

Punc, the 15th November, 1978

**S.O. 589.**—In exercise of the powers conferred under rule 51 of the Central Excise Rules, 1944, the undersigned hereby issues the following further directions.

Sub-clause (d) of clause (i) of the said rule makes it obligatory to mark on each wholesale package, in a clearly legible manner a distinguishing letter or letters, or a word or words or a combination thereof, denoting the kind and quality of the goods;

It is therefore directed that packages or the goods themselves, where such goods are assessed to nil or concessional rate of duty subject to their end-use as original equipment, be marked by the assessee as "O.E." in addition to other markings so as to distinguish them from other such goods meant for replacement purposes.

[No. CER/6/78 F. No. VGN/(30)98/TA/76]  
J. M. VERMA, Collector

**विवरण मंत्रालय**

नई दिल्ली 5 फरवरी, 1979

**का० आ० 590.**—उत्प्रवास अधिनियम, 1922 (1922 का 7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा जनसम्पर्क अधिकारी श्री ए० क० बनर्जी को 1 जनवरी, 1979 से शक्तियां प्राप्त करने के लिए विपरीत संस्थाएँ एवं उत्प्रवास कार्यालय, कलकत्ता में उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त उत्प्रवासी संबंधक के रूप में नियुक्त करती हैं। इसके विपरीत सहायक पासपोर्ट अधिकारी श्री बी० माहू को पासपोर्ट कार्यालय पटना स्थानान्तरित किया गया है।

[सं० सी पी ई०ओ०/2/79]

[सं० एफ० 3(41)पी०बी० 4/60-2]

एस० शिवम्बामी, अवर सचिव

**MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS**

New Delhi, the 5th February, 1979

**S.O. 590.**—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Emigration Act, 1922 (VII of 1922), the Central

Government hereby appoints Shri A. K. Banerjee, Public Relations Officer, to be Protector of Emigrants, Regional Passport & Emigration Office, Calcutta, with effect from 1st January, 1979 in addition to his own duties, vice Shri B. Saha, Assistant Passport Officer, transferred to Passport Office, Patna.

[No. CPEO/2/79]  
[No. F. 3(41)PV.IV/60-II]  
S. SIVASWAMI, Under Secy.

**वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय**  
(वाणिज्य पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1979

**का०आ० 591.**—इह एक सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1942 (1942 का 6) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय की अधिसूचना संस्था एल०-11011/49/75-विधि तथा प्रबन्ध तारीख 6-1-1976 को अधिकान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग) में मंगूस सचिव श्री के० नारायण को सहकारी सोसाइटियों के केन्द्रीय रजिस्ट्रार के रूप में एवं द्वारा नियुक्त करती है।

[मंस्था एल०-11011/49/75-विधि तथा प्रबन्ध]  
तिलक राज लेहूण, अवर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION**

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 30th January, 1979

**S.O. 591.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 4 of the Multi-unit Cooperative Societies Act, 1942 (VI of 1942) and in supersession of the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Civil Supplies and Cooperation No. L-11011/49/75-L&M dated 6-12-1976, the Central Government hereby appoint Shri K. Narayanan, Joint Secretary in the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation (Dept. of Civil Supplies & Cooperation) as the Central Registrar of Cooperative Societies.

[No. L-11011/49/75-L&M]  
T. R. TREHAN, Under Secy.

**भारतीय मानक संस्था**

नई दिल्ली, 1979-01-31

**का० आ० 592.**—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1975-04-19 में प्रकाशित तत्कालीन उद्घोग संघ मानक प्राप्ति (भारतीय मानक मस्ता) अधिसूचना संस्था एग ओ 1231 दिनांक 1975-04-03 का आंतिक रूप से संशोधन करते हुए अधिसूचित किया जाता है कि मिथाइल पैरायियोन पायसनीय तेजदव और पैरीट्रायियोन पायसनीय तेजदव की मुद्रा लगाने की कीमतों में कुछ संशोधन किया गया है। मुद्रा लगाने की ये परिवर्तन कीमतें जिनके ब्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1978-10-01 से लागू होंगी।

## मनुस्त्री

क्रम सं०	वस्तु/वस्तु की श्रेणी	नामस्मरणी भारतीय मानक की पदसंचया और शीर्षक	इकाई	मुहर लगानी की प्रति इकाई रुपीम
-------------	-----------------------	---	------	--------------------------------

1. मिथाइल पैराथियोन पायसनीय तेजद्रव	IS : 2865-1978 मिथाइल पैराथियोन पायसनीय तेजद्रव की विशिष्टि	100 लिटर	1. पहली 500 इकाइयों के लिए रु 10.00 प्रति इकाई
2. फेनिट्राथियोन पायसनीय तेजद्रव	IS : 5281-1969 फेनिट्राथियोन पायसनीय तेजद्रव की विशिष्टि	100 लिटर	2. अर्थात् 501वीं से 1500 इकाइयों तक रु 5.00 प्रति इकाई और 3. 1501वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए रु 1.00 प्रति इकाई।

[सं० सीएमडी/13 : 10]

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, 1979-01-31

S.O. 592.—In partial modification of the then Ministry of Industry and Civil Supplies (Indian Standards Institution) Notification number S.O. 1231 dated 1975-04-03, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1975-04-19, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees for Methyl parathion EC and Fenitorthion EC have been revised. The revised rates of marking fees, details of which are given in the following Schedule, shall come into force with effect from 1978-10-01.

## SCHEDULE

Sl.No.	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per unit
1	2	3	4	5
1.	Methyl parathion concentrates	emulsifiable IS : 2865-1978 Specification for 100 litres methyl parathion emulsifiable concentrates (first revision)		(i) Rs. 10.00 per unit for the first 500 units (ii) Rs 5.00 per unit for the 501st to 1500 units and (iii) Rs 1.00 per unit for the 1501st unit and above
2.	Fenitorthion emulsifiable con- centrates	IS : 5281-1969 Specification for 100 litres fenitorthion emulsifiable con- centrates		-do-

[No. CMT

S.O. 593.—भारत के राजपत्र भाग II छप्प 3, उपचान्द (ii) दिनांक 1978-08-26 में पृष्ठ 2311 पर एवं ओ 2418 दिनांक 1978-08-03 के अधीन प्रकाशित वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं महकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति एवं महकारिता विभाग) (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना को इसके प्रकाशित होने की तारीख से रद्द माना जाए।

[सं० सीएमडी/13 : 7]

S.O. 595.—No. S. O. 2418 dated 1978 08 03 published in Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978 08 26 at page 2311 in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation

(Department of Civil Supplies & Co-operation) (Indian Standards Institution) may be treated as cancelled with effect from the date of publication.

[No. CMD/13:7]

S.O. 594.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं:—

## मनुस्त्री

क्रम सं०	संशोधित मानक की पद संख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय संशोधन की सं० मानक के संयार होने की आर नाम्य मूलना छपी थी उसकी संख्या और शीर्षक	मंशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
-------------	--	---	---------------------------	-----------------------------

1	2	3	4	5	6
1. IS : 85-1950 'रंग-रोगन' के तेल पेटों एम ग्राम ओ 658 की परीक्षण पद्धतियाँ	पृष्ठ 2 दिनांक 1955-03-26	सं० 2 प्रैल 1976	(पृ० 5 छप्प 9, 2 पंक्ति 6) — "66 माइक्रोन" के स्थान पर '63 माइक्रोन' करे		1976-04-30

1	2	3	4	5	6
2. IS : 366-1965 बिजली की इस्ती एस औ 1972 की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	दिनांक 1967-06-10	सं० 3 अक्टूबर 1975	यह संशोधन IS : 302-1967 बिजली के हूँके साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण) के स्थान पर IS : 302-1973 घरेलू तथा अन्य ऐसे बिजली के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (चौथा पुनरीक्षण) का उल्लेख देने के उद्देश्य से जारी किया गया है।	1975-10-31	
3. IS : 909-1975 स्तम्भ पाल्स आग बुझाने के भूमिगत हाइड्रेण की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	सं० 1 प्रैल 1976	(प० 4 प्राकृति 1) —“कैप” शब्द के साथ आए “कास्ट आइरन” शब्द हटा दीजिए।	1976-04-30	
4. IS : 1975-1974 जल प्रदाय कार्यों के लिए मिलर टोटियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	सं० 1 फरवरी 1976	(1) (प० 5 खण्ड 5. 1 पंक्ति 1) —“प्रेविटी” शब्द हटा दीजिए। (2) मारणी 4 और 7 में संशोधन किया गया है।	1976-02-29	
5. IS : 2022-1962 पावर ट्रांसफार्मरों एस औ 2698 की विशिष्टि	दिनांक 1962-09-01	सं० 8 दिसम्बर 1975	(1) खण्ड 0. 3, 17, 12.1. 1 और 17, 13. 6 में संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 9 से 9. 5, 16. 2 से 16. 2. 3, 17. 12. 1. 2 और ए-1. 2 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। (3) (प० 3.3) रिप्रिट का प० 3.4 (खण्ड 15. 1) मानक में जहाँ भी हो मारणी 10 के स्थान पर “मारणी 12” कर दीजिए और मारणी 10 से 17 के स्थान पर “मारणी 12 से 19” कर दीजिए। (4) मारणी 10 में संशोधन किया गया है। (5) (प० 3.4, खण्ड 16. 1 अंतिम वाक्य) हटा दीजिए। (6) खण्ड 17. 2. 3 का नोट के स्थान पर नया नोट दिया गया है। (7) खण्ड 17. 13. 7. 3 की मद (बी) के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (8) खण्ड ए-1. 1 में मद (बी) जोड़ दिया गया है और मद (बी) की संख्या बदल कर मद (ई) कर दी गई है। (9) (प० 57 रिप्रिट का प० 60 खण्ड-2) हटा दीजिए और आव के खंडों को संख्या ठीक कर दीजिए। (10) मारणी 16 का संशोधन किया गया है। (11) (प० 76 रिप्रिट का प० 79 परिशिष्ट जे) हटा दीजिए और आव के परिशिष्टों की संख्या ठीक कर दीजिए। (12) परिशिष्ट के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है।	1975-12-31	
6. IS : 2082-1965 भंडारणमुमा स्पष्टि एस औ 2246 बिजली के पानी के हाटरों की विशिष्टि दिनांक 1966-07-30 (पुनरीक्षण)	—	सं० 5 नवम्बर, 1975	यह संशोधन IS : 302-1967 बिजली के हूँके साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण) के स्थान पर IS : 302-1973 घरेलू तथा अन्य ऐसे बिजली के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (चौथा पुनरीक्षण) का उल्लेख देने के उद्देश्य से जारी किया गया है।	1975-11-30	

1	2	3	4	5	6
7.	IS : 2200-1973 ऊर्ध्व तक्के बाली विभिन्न अंचाहयों की मेंजो वाली विनांक 1976-02-21 विभिन्न भासीन के लिए परीक्षण चाहे	एस ओ 776	मं० २ अप्रैल 1976	(प० ९ स्तम्भ २—आकृति के नीचे शीर्षक) प्र० ०४०८० टैबेल के स्थान पर प्र० ०४०८० १/८ टैबेल कर लीजिए।	1976-04-30
8.	IS : 2298-1968 आग बुझने के लिए एक नयी वाली रकाबदार पम्प विनांक 1968-11-09 की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 3961	मं० २ नवम्बर 1975	(प० ९, खण्ड 7. 1 (सी),—हटा दीजिए।	1976-11-30
9.	IS : 2273-1973 वाली के मीटरों एस ओ 2557 (राशि वाले) की विशिष्टि (दूसरा विनांक 1975-08-09 पुनरीक्षण)		मं० १ नवम्बर 1975	(प० १२, सारणी ३, सांकेतिक साइज २५० के ग्राम, अंतिम स्तम्भ) — 1000 000 के स्थान पर "1100 000" कर लीजिए।	1975-11-30
10.	IS : 2418-1964 आग रोशनी कार्यों एस ओ 1152 के लिए प्रतिवीन दम्भ की विशिष्टि विनांक 1965-04-10		मं० ४ अप्रैल 1976	(1) खण्ड ०.६ और खण्ड ४.२ की मद (ही) के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। (2) सारणी ५, ६ और ७ के स्थान पर नई सारणी की गई है। (3) परिशिष्ट "बी" के शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है। (4) खण्ड बी-१, २ में संशोधन किया गया है। खण्ड ६.३ में संशोधन किया गया है।	1976-04-30
11.	IS : 2488 (भाग ३) — 1968 और्जो- विकास के बालगी लेने और दिनांक 1968-12-14 परीक्षण की पद्धति	एस ओ 4425	मं० २ अप्रैल 1976		1976-04-30
12.	IS : 2553-1971 मुरक्का काल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3163 विनांक 1973-11-10	मं० १ नवम्बर 1975	(1) खण्ड ४.३.१ के बाद खण्ड ४.३.२ जोड़ी गई है। (2) आकृति १-ए के स्थान पर नया आकृति दी गई है। (3) खण्ड ६.१.३ और ६.२.३ के स्थान पर नए खण्ड दिए गये हैं। (4) खण्ड ६.२.१, ६.२.३ और आकृति ५ में संशोधन किया गया है।	1975-11-30
13.	IS : 2692-1964 जल सेवाओं के लिए विशिष्टि फेल्स की विशिष्टि	एस ओ 3490 विनांक 1964-10-03	मं० ३ अप्रैल 1976	(प० ५, खण्ड ५.१ पंक्ति १) — "प्रेविटी" शब्द हटा दीजिए।	1976-04-30
14.	IS : 2830-1975 सैरचना इस्पात एस ओ 2938 (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेलन दिनांक 1975-09-06 के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम और मिल्लयों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		मं० १ अप्रैल 1976	(1) (प० ८.१ पंक्ति १) "ब्लूम" और "स्लैट" शब्द हटा दीजिए। (2) खण्ड ८.१ के बाद खण्ड ८.२ जोड़ी गई है और बाद के खण्ड ८.२ की संख्या ८.३ कर दी गई है।	1976-04-30
15.	IS : 2992-1965 रोधन प्रतिरोधिता एस ओ 2042 टैस्टों हल्का वालित की विशिष्टि विनांक 1965-06-26		मं० २ मई 1976	(1) मुख्य पृष्ठ, पृष्ठ १ और ३ पर शोर्विक नया दिया गया है। (2) खण्ड १.१ का संशोधन किया गया है। (3) प० ५ खण्ड ६.१ नोट हटा दीजिए। (4) खण्ड ९.२ और खण्ड ११.२.१० की अनौपचारिक सारणी के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। (5) खण्ड १०.१ में मद (ई) के बाद नई मद (एफ) जोड़ी गई है। (6) खण्ड ११.२.१० की बाद में नया खण्ड ११.२.११ जोड़ा गया है।	1976-05-31
16.	IS : 3076-1968 पेट्र जल भरने लिए १९८१ के लिए अल्प अनंत पालीइथाइलीन वालों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 918 विनांक 1970-03-07	मं० १ नवम्बर 1975	(1) (प० ६ खण्ड ६.२ के नीचे का नोट) — नोट १९७५-११-३० हटा दीजिए। (2) (प० ८ खण्ड ७. 1. १ पंक्ति २) — सारणी १ और २ के स्थान पर सारणी १ कर लीजिए।	1975-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. IS : 3312-1974 इस्पात की, आवेदार कैबिनेट (चट चट मकान वाली) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ	मं० १ मार्च/1976	(3) (प० ९ सारणी २) — सारणी २ हटा लीजिए।	(1) प० ९ खण्ड ८.१.३ (बी) -- IS : 2932-1964 या IS : 2933-1964 के स्थान पर IS : 151-1960 कर लीजिए। (2) प० ९ के वर्तमान दोनों नोटों के स्थान पर नए नोट दिए गए हैं:	1976-03-31
18. IS : 3313-1974 दफतरों में आम कार्यों के लिए काइसेंस रखने की इस्पात की कैबिनेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या १ मई 1976	(1) प० ८ खण्ड ७.२ (बी) -- IS : 2932-1964 या IS : 2933-1964 के स्थान पर IS : 151-1960 कर लीजिए। (2) (प० ८ पार नोट) वर्तमान और फिरायान वाले पार नोटों के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए : आम कार्यों के लिए बालित रंग के स्टोकिं विक्रि द्वारा सप्रे करने वाले फिराया देने के इनैमिल तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	(1) प० ८ खण्ड ७.२ (बी) -- IS : 2932-1964 या IS : 2933-1964 के स्थान पर IS : 151-1960 कर लीजिए। (2) (प० ८ पार नोट) वर्तमान और फिरायान वाले पार नोटों के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :	1976-04-30
19. IS : 3320-1973 मर्जी के म्काल्पेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या १ प्रत्रैल 1976	खण्ड ४.४ और ६.१ के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	खण्ड ४.४ और ६.१ के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1976-04-30
20. IS : 3427-1969, 1000 बो० मे अधिक परन्तु 11000 बो० में प्रत्रैल 1970-01-10 धिक बोल्ट्स के लिए धातु के बोल धाते निवृत्ति गियर और नियन्त्रण गियर की विशिष्टि	एस ओ ८९	संख्या १ मार्च 1976	सारणी १ खण्ड ८.२.२.१ (ए) और ८.२.२.२ में संशोधन किए गए हैं।	सारणी १ खण्ड ८.२.२.१ (ए) और ८.२.२.२ में संशोधन किए गए हैं।	1976-03-31
21. IS : 3652-1974 पात्र चालित मप्रेयर की विशिष्टि (दमण पुनरीक्षण)	--	मं० १ दिसम्बर 1975	[प० ८ खण्ड ४.१ (भ) पंक्ति १] -- "175" के स्थान पर "125" कर लीजिए।	[प० ८ खण्ड ४.१ (भ) पंक्ति १] -- "175" के स्थान पर "125" कर लीजिए।	1975-12-31
22. IS : 4159-1967 बनिज भरे न्यूल- दार गरमाते के एक्सेंटों की विशिष्टि दिनांक 1967-09-23	एस ओ ३३३६	संख्या ३ अक्टूबर 1975	यह संशोधन IS : 302-1967 विजली के हल्के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (सीसरा पुनरीक्षण) के स्थान पर IS : 302-1973 घरेलू तथा प्रत्येक विजली के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (चौथा पुनरीक्षण) का उल्लेख देने के उद्देश्य से जारी—किया गया है।	यह संशोधन IS : 302-1967 विजली के हल्के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (सीसरा पुनरीक्षण) के स्थान पर IS : 302-1973 घरेलू तथा प्रत्येक विजली के साधनों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं (चौथा पुनरीक्षण) का उल्लेख देने के उद्देश्य से जारी—किया गया है।	1975-10-31
23. IS : 4338-1974 घरेलू मिलाई की मशीनों उर्ध्व दालक शटल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या १ मई 1976	सारणी १ के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	सारणी १ के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1976-05-31
24. IS : 4482-1967 सुनने के नहायिक, साधनों की विशिष्टि दिनांक 1968-05-18	एस ओ १७२०	संख्या १ प्रत्रैल 1976	खण्ड ७.८ के बाद खण्ड ८ जोड़ा गया है।	खण्ड ७.८ के बाद खण्ड ८ जोड़ा गया है।	1976-04-30
25. IS : 4985-1968 पेय जल भरने के लिए अनम्यकृत पी और सी पाइपों की विशिष्टि	एस ओ ४३६	संख्या ३ दिनांक 1970-02-07	(1) खण्ड ई-२.१, ई-३.१, ए-फ-३.१ (डी), (जी) (एच) (जे), एफ-४.१ (ए) और ए-फ-४.२ और (2) सारणी ३ (बदली हुई सारणी २) के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	(1) खण्ड ई-२.१, ई-३.१, ए-फ-३.१ (डी), (जी) (एच) (जे), एफ-४.१ (ए) और ए-फ-४.२ और (2) सारणी ३ (बदली हुई सारणी २) के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1976-02-29
26. IS : 5512-1969 जलीय सीमेंट और पोस्तोलाता सामग्री के परीक्षण में दिनांक 1970-10-03 प्रयुक्त प्रसार मज की विशिष्टि	एस ओ ३२५२	संख्या २ नवम्बर 1975	(1) प्राकृति १ में डी में संशोधन किया गया है। (2) खण्ड ४.१.२ के बाद खण्ड ४.१.२.१ जोड़ा गया है।	(1) प्राकृति १ में डी में संशोधन किया गया है। (2) खण्ड ४.१.२ के बाद खण्ड ४.१.२.१ जोड़ा गया है।	1975-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. IS : 5557-1969	खड़ के घटनों पर एस एस 1277	संख्या 1 यन्त्रित 1975	(1) खण्ड 4. 1. 2 और 4. 3. 1 के स्थान पर ताद खण्ड विए गए हैं। (2) पृष्ठ 9 पर पाद नोट के स्थान पर नया नोट दिया गया है।		1975-10-31
28. IS : 6049-1971	अस्थायी संक्षारण एस एस 886 नियारकों के उपयोग को रोकि नंदिता दिनांक 1973-03-24	मं० 1 प्रैन 1976	(1) (पृ० 3 खण्ड 0. 3) — क्रम संख्या 1, 2, 8 और 10 हटा दीजिए और शेष की क्रम संख्या को तदनुसार ठीक कर दीजिए। (2) (पृ० 6 खण्ड 3. 1 और 3. 2) — हटा दीजिए और शेष खण्डों की क्रम संख्या तदनुसार ठीक कर दीजिए। (3) (पृ० 10 और 11 खण्ड 3. 8 और 3. 10) — हटा दीजिए और शेष खण्डों की क्रम संख्या तदनुसार ठीक कर दीजिए।		1976-04-30
29. IS : 6072-1971	शोचार के लिए एस एस 398 आटोफेनेप्रवासित कंक्रीट के यानेदार दिनांक 1972-02-05 सिलिन्यों की विशिष्टि	संख्या 1 यन्त्रित 1975	[पृ० 10, खण्ड 7. 1 (सी)] — अर्तमान पाद के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए : (मो) उपर्योगना को देने समय प्रब्राह्मित जल की मात्रा — इस बारे में व्योधणा निर्मान हार्ग की जाएगी।		1975-09-30
30. IS : 6224-1971	चिकित्साता के एस एस 3255 कैलिपर्स और बर्मे की की ट्यूबर दिनांक 1973-11-24 पट्टों की विशिष्टि	संख्या 1 मई 1976	आरूहि 1 के स्थान पर नई आरूहि दी गई है।		1975-05-31
31. IS : 6459-1972	पशुओं द्वारा खीचे एस एस 510 जाने वाले मिट्टी पद्धति के हल के दिनांक 1974-02-23 फालों की विशिष्टि	संख्या 1 प्रैन 1976	(पृ० 6 सारणी 1 स्तम्भ) — 160 के स्थान पर "150" और "180" के स्थान पर "175" कर लीजिए।		1976-04-30
32. IS : 6902-1973	तीलियों के लिए एस एस 2558 इस्पात के तार की विशिष्टि	संख्या 1 प्रैन 1976	(1) पृ० 6 खण्ड 4-2. 1 पंक्ति 1) — शब्द "लाट" और "माइब्रेव" के बीच "फार" लगा लीजिए। (2) पृ० 6 खण्ड 4-3. 1 प्रनौपचारिक सारणी स्तम्भ 1 तीसरे प्रतिष्ठित) — 10" 25 के स्थान पर 16" 25 कर लीजिए।		1976-04-30
33. IS : 6991-1973	रेजियो लेखी एस एस 2558 कैमेटों की विशिष्टि	संख्या 1 प्रैन 1976	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।		1976-04-30
34. IS : 7976	धनु के पुस्तक रोकों की एस एस 2669 विशिष्टि	संख्या 1 मई 1976	(1) [पृ० 5 खण्ड 5-3 (भी)] IS : 2932 1976-05-31 — 1964 और IS : 2933-1964 के स्थान पर IS : 151-1960 कर लीजिए। (2) (पृ० 5 पाद नोट) — अर्तमान 'ट' और '॥' निशान वाले पाद नोटों के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए। आम कार्यों के लिए यांत्रित रंग के स्टोकिंग विधि द्वारा स्प्रे करने वाले फिनिश देने के हैमले तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि।		
35. IS : 7173-1974	खोखदार गैन टोपी वाले टैपिंग पेंच की विशिष्टि	—	सारणी 1 और 2 का संशोधन किया गया है।		1976-04-30
36. IS : 7698-1975	वापय आकर प्रयोग होने वाले सज्जियों के क्रेटों की विशिष्टि	—	(1) खण्ड 0. 5 का संशोधन किया गया है। (2) (पृ० 8 परिशिष्ट "ए" क्रम संख्या 23) — "बेलीरका" के स्थान पर "बेलीरिका" कर लीजिए।		1976-04-30

\*भा मा संस्थान प्रमाणन योजना के लिए यह संशोधन 1976-08-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. IS : 7760-1975 इस्पात की आगे पीपा लगी अल्मारियाँ भी विशिष्ट	—	संख्या 1 गई 1976	—	(1) पृ० 8 अंड 6.1.3 (बो) — IS : 2932-1964 और IS : 2933- 1964 के स्थान पर IS : 151-1960 कर लीजिए। (2) पृ० 8 पाद नोट — इंग्रिज 'इ' और '॥' निशान वाले पाद गोटी के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए। आम कार्यों के लिए बांधित रंग के स्टोकिंग विधि द्वारा ये करते थाएं फिनिश देने के इनमें से वार विधित रंग गोता की विशिष्ट	
				इन घंटों की प्रतिशंका भारतीय मानक संस्था 9 ब०गा जकर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और उसके शास्त्रा कार्यालय अहमदाबाद, बंगलोर, बम्बई, कलकत्ता, चडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और बिहारम से उपलब्ध की जा सकती है।	

[म०टी०एम०डी०/13:5]

**S.O. 594.**—If pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

## SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 85-1950 Methods of Test for oil pastes for paints	S.R.O. 658 dated 1955-03-26	No. 2 April 1976	(Page 5, clause 9.2, line 6)—Substitute '63 microns' for '66 microns'	1976-04-30	
2. IS : 366-1965 Specification for electric iron (revised)	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 3 October 1975	This amendment is being issued to make reference to IS : 302-1973 General and safety requirements for household and similar electrical appliances (fourth revision) in place of IS : 302-1967 General and safety requirements for light electrical appliances (third revision)	1975-10-31	
3. IS : 909-1975 Specification for underground fire hydrant, sluice valve type (second revision)	—	No. 1 April 1976	(Page 4, Fig.1)—Delete the words 'Cast Iron' appearing with the word 'Cap'	1976-04-30	
4. IS : 1795-1974 Specification for pillar taps for water supply purposes (first revision)	—	No. 1 February 1976	(Page 5, clause 5.1, line 1)—Delete the word 'Gravity' (ii) Tables 4 and 7 have been amended	1976-02-29	
5. IS : 2026-1962 Specification for power transformers	S.O. 2698 dated 1962-09-01	No. 8 December 1975	(i) Clauses 0.3, 17.12.1.1 & 17.13.6 have been amended; (ii) Clauses 9 to 9.5, 16.2 to 16.2.3, 17.12.1.2 and A-1.2 have been substituted by new ones; (iii) [Page 33 (Page 34 of the reprints), clause 15.1]—Substitute 'Table XII' for 'Table X' and re-number 'Table X' to 'XVII' as 'Tables XII to XIX' wherever they appear in the standard (iv) Table X has been amended; (v) (Page 34, clause 16.1, last sentence) Delete	1975-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6.	IS : 2082-1965 Specification for storage type automatic electric water heaters (revised)	S.O. 2246 dated 1966-07-30	No. 5 November 1975	(vi) Note 2 of clause 17.2.3 has been substituted by a new ones; (vii) Item (b) of clause 17.13.7.3 has been substituted by a new one; (viii) Item (d) has been added in clause A-1.1 and the existing item (d) has been re-numbered as item (e) (ix) [Page 57 (Page 60 of the reprints), clause A-2]—Delete and re-number the subsequent clauses accordingly. (x) Table XVI has been amended (xi) [Page 76 (Page 79 of the re-prints), Appendix J]—Delete and re-number the subsequent appendices accordingly. (xii) Appendix K has been substituted by a new one.	1975-11-30
7.	IS : 2200-1973 Test chart for milling machines with table of variable height, with horizontal spindle (first revision)	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 1 April 1976	This amendment is being issued to make reference to IS : 302-1973 General and safety requirements for household and similar electrical appliances (fourth revision) in place of IS : 302-1967 General and safety requirements for light electrical appliances (third revision)	1976-04-30
8.	IS : 2298-1968 Specification for single-barrel stirrup pump for fire fighting purposes (first revision)	S.O. 3961 dated 1968-11-09	No. 2 November 1975	(Page 9, col 2, caption below the figure)—Substitute 'L-h-1/8 longitudinal travel' for 'L-h-longitudinal travel'	1976-11-30
9.	IS : 2373-1973 Specification for water meters (bulk type) (second revision)	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No. 1 November 1975	[Page 9, clause 7.1(c)]—Delete	1975-11-30
10.	IS : 2418-1964 Specification for tubular fluorescent lamps for general lighting service	S.O. 1152 dated 1965-04-10	No. 4 April 1976	(Page 12, Table 3, against nominal size 250, last column)—Substitute '1100 000' for '1 000 000' (i) Clause 0.6 and item (d) of clause 4.2 have been substituted by new ones; (ii) Table 5, 6 and 7 have been substituted by new ones; (iii) Title of appendix B has been substituted by new one and (iv) Clause B-1.2 has been amended	1976-04-30
11.	IS : 2488 (Part III)—1968 Methods of sampling and test for industrial effluents, Part III	S.O. 4425 dated 1968-12-14	No. 2 April 1976	Clause 6.3 has been amended	1976-04-30
12.	IS : 2553-1971 Specification for safety glass (second revision)	S.O. 3163 dated 1973-11-10	No. 1 November 1975	(i) Clause 4.3.2 has been added after clause 4.3.1; (ii) Fig.1A has been substituted by a new one; (iii) Clauses 6.1.3 and 6.2.3 have been substituted by new ones and; (iv) Clauses 6.2.1, 6.2.3 and Fig. 4 have been amended.	1975-11-30
13.	IS : 2692-1964 Specification for ferrules for water services	S.O. 3490 dated 1964-10-03	No. 3 April 1976	(Page 4, clause 5.1, line 1)—Delete the word 'Gravity'.	1976-04-30
14.	IS : 2830-1975 Specification for carbon steel billets, blooms and slabs for re-rolling into structural steel (standard quality) (first revision)	S.O. 2938 dated 1975-09-06	No. 1 April 1976	(i) (Page 6, clause 8.1, line 1)—Delete the words 'blooms and slabs'. (ii) Clause 8.2 has been added after 8.1 and the subsequent clause 8.2 has been re-numbered as 8.3	1976-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. IS : 2992-1965 Specification for insulation resistance testers (hand operated)	S.O. 2042	No. 2 May 1976		(i) Title at first cover page, pages 1 and 3 have been substituted by a new one; (ii) clause 1.1 has been amended; (iii) (Page 5, clause 6.1, note)—Delete; (iv) Clause 9.2 and informal table of clause 11.2.10 have been substituted by new ones; (v) New item (f) has been added after item (e) in clause 10.1 and (vi) Clause 11.2.11 has been added after clause 11.2.10	1976-05-31
16. IS : 3076-1968 Specification for low density polyethylene pipes for potable water supplies (first revision)	S.O. 918 dated 1970-03-07	No. 1 November 1975		(i) (Page 6, Note under clause 6.2)—Delete the Note (ii) (Page 8, clause 7.1.1, line 2)—Substitute 'Table 1' for 'Tables 1 and 2' (iii) (Page 9, Table 2)—Delete Table 2	1975-11-30
17. IS : 3312-1974 Specification for steel shelving cabinets (adjustable type (first revision)	--	No. 1 March 1976		(i) [Page 9, clause 8.1.3 (b)]—Substitute 'IS : 151-1960 for 'IS : 2932-1964 or IS : 2933-1964' (ii) Existing last two foot notes at page 9 have been substituted by new ones	1976-03-31
18. IS : 3313-1974 Specification for steel filing cabinets for general office purposes (first revision)	--	No. 1 May 1976		(i) [Page 8, clause 7.2(b)]—Substitute 'IS : 151-1950† for 'IS : 2932-1964† or IS : 2933-1964‡' (ii) (Page 8, root-notes)—Substitute the following for the existing foot-notes with '†' and '‡' marks : † Specification for ready mixed paint, spraying, finishing, stoving enamel, for general purposes, colour as required.	1976-05-31
19. IS : 3320-1973 Specification for surgical scalpels (first revision)	--	No. 1 April 1976		Clauses 4.4 and 6.1 have been substituted by new ones	1976-04-30
20. IS : 3427-1969 Metal-enclosed switchgear and control-gear for voltages above 1000 V but not exceeding 11 000V	S.O. 89 dated 1970-01-10	No. 1 March 1976		Table 1, clauses 8.2.2.1 (a), (b) and 8.2.2.2 have been amended	1976-03-31
21. IS : 3652-1974 Specification for foot sprayer (second revision)	--	No. 1 December 1975		[Page 8, clause 4.1 (a), line 1]—Substitute '125' for '175'	1975-12-31
22. IS : 4159-1967 Specification for mineral filled sheathed heating elements	S.O. 3336 dated 1967-09-23	No. 3 October 1975		This amendment is being issued to make reference to IS : 302-1973 General and safety requirements for household and similar electrical appliances (fourth revision) in place of IS : 302-1967 General and safety requirements for light electrical appliances (third revision)	1975-10-31
23. IS : 4338-1974 Specification for vertical oscillating shuttles for sewing machines for household purposes (first revision)	--	No. 1 May 1976		Table 1 has been substituted by a new one	1976-05-31
24. IS : 4482-1967 Specification for hearing aids	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No 1 April 1976		Clause 8 has been added after clause 7.8	1976-04-30
25. IS : 4985-1968 Specification for unplasticized PVC pipes for potable water supplies	S.O. 436 dated 1970-02-07	No. 3 February 1976		(i) Clause E-2.1, E-3.1, F-3.1(d), (g), (h), (j), F-4.1(a) and F-4.2; and (ii) Table 3 (re-numbered as Table 2) has been substituted by a new one.	1976-02-29
26. IS : 5512-1969 Specification for flow table for use in tests of hydraulic cements and pozzolanic materials	S.O. 3252 dated 1970-10-03	No. 2 November 1975		(i) Fig 1D has been amended and (ii) Clause 4.1.2.1 has been added after clause 4.1.2	1975-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. IS : 5557-1969 Specification for industrial and safety rubber knee boots	S.O. 1277	*No. 1 October 1975	(i) Clauses 4.1.2. and 4.3.1.1. have been substituted by new ones and (ii) Foot note at page 9 has been substituted by a new one	1975-10-31	
28. IS : 6049-1971 Code of practice for application of temporary corrosion preventives	S.O. 886	No. 1 April 1976	(i) (Page 3, clause 0.3)—delete SI No. 1, 2, 8 and 10 and renumbered the remaining serial numbers accordingly (ii) (Page 6, clauses 3.1 and 3.2)—Delete and re-number the remaining clauses accordingly (iii) (Pages 10 and 11, clauses 3.8 and 3.10)—Delete and renumber clauses '3.9 and 3.11' as '3.8 and 3.9'	1976-04-30	
29. IS : 6072-1971 Specification for autoclaved reinforced cellular concrete wall slabs	S.O. 398 dated 1972-02-05	No. 1 September 1975	[Page 10, clause 7.1 (c)]—Substituted the following for the existing matter : '(c) Residual water content at the Time of Delivery to the User—It shall be declared by the manufacturer.'	1975-09-30	
30. IS : 6224-1971 Specification for tuber band for orthopaedic calipers and braces	S.O. 3255 dated 1973-11-24	No. 1 May 1976	Fig. 1 has been substituted by a new one	1976-05-31	
31. IS : 6459-1972 Specification for two way animal drawn mouldboard plough shares	S.O. 510 dated 1974-02-23	No. 1 April 1976	(Page 6, Table 1, Col 1)—Substituted '150' for '160' and '175' for '180'.	1976-04-30	
32. IS : 6902-1973 Specification for steel wire for spokes	S.O. 2558 dated 1975-08-09	No. 1 April 1976	(i) (Page 5, clause A-2.1, line 1)—Insert 'for' between the words 'LOT' and 'sizes' (ii) (Page 6, clause A-3.1, informal table, col. 1, third entry)—Substituted '16" 25" for '10" 25"	1976-04-30	
33. IS : 6991-1973 Specification for radiographic cassettes	S.O. 2558 dated 1975-08-09	No. 1 April 1976	Table 1 has been amended	1976-04-30	
34. IS : 7976-1973 Specification for metal book ends	S.O. 2669 dated 1975-08-16	No. 1 May 1976	(i) [Page 5, clause 5.3 (b)]—Substitute 'IS : 151-1950 for 'IS : 2932-1964 or IS : 2933-1964". (ii) (Page 5, foot-notes)—Substitute the following for the existing foot-note with " marks : Specification for ready mixed paint, spraying, finishing, stoving, enamel, for general purposes, colour as required'	1976-05-31	
35. IS : 7173-1974 Specification for slotted pan head tapping screws	—	No. 1 April 1976	Tables 1 and 2 have been amended	1976-04-30	
36. IS : 7698-1975 Specification for returnable wooden crates for vegetables	—	No. 1 April 1976	(i) Clause 0.5 has been amended and (ii) (Page 8, Appendix A SI No. 23)—Substitute 'bellirica' for 'bellirca'	1976-04-30	
37. IS : 7760-1975 Specification for steel glass—front cabinets	—	No. 1 May 1976	(i) [page 8, clause 6.1.3 (b)]— Substitute 'IS: 151-1950 for IS: 2932-1964 or IS: 2933-1964" (ii) (Page 8, foot-note)—Substitute the following for the existing foot note with " marks Specification for ready mixed paint, spraying finishing, stoving, enamel, for general purposes, colour as required'.	1976-05-31	

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; this amendment shall come into force with effect from 1976-08-01

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

## प्रधिसूचना

का० आ० 395.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन एक सौ पिक्यामी लाइसेंसों के बैरे दिए गए हैं, उनका माह फरवरी, 1976 के दौरान नवीकरण किया गया है।

## अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	वैधता की अवधि		राहमानी का नाम और पता	लाइसेंस के विधीन/प्रक्रिया और तरसम्बन्धी भारतीय मानक पदनाम
		में	तक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सीएम/एल-2 1955-12-07	1976-01-01	1976-12-31	दि हाइयम केवल क० लिमिटेड, जमशेतपुर	सभी प्रकारों और साइजों के सज्जन द्वितीय लड्डार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398-1961
2.	सीएम/एल-52 1958-01-20	1976-02-01	1977-01-31	मालाकार प्लाईबूट वर्स, फिरोक (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
3.	सीएम/एल-85 1958-04-24	1976-01-01	1976-12-31	हिन्दुस्तान टिस्वर हॉस्ट्रीज, कमकत्ता	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
4.	सीएम/एल-100 1958-09-18	1976-01-01	1976-12-31	मेट्रप ट्रेडिंग क० प्राइवेट, लिमिटेड, कलकत्ता-28	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
5.	सीएम/एल-105 1958-10-31	1976-02-16	1977-02-15	मिल्बान प्लाईबूट मिल्स, कोट्टायम (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
6.	सीएम/एल-120 1959-03-20	1976-01-01	1976-12-31	हिमालयन प्लाईबूट हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, तिनसिंहिया (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
7.	सीएम/एल-158 1960-01-15	1976-02-01	1977-01-31	दि एलुमिनियम हॉस्ट्रीज लिमिटेड, हीरा- कूड़, जिला भगलपुर (उड़ीसा)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398-1961
8.	सीएम/एल-244 1960-11-28	1976-01-16	1977-01-15	हाइयन प्लास्टिक्स लिमिटेड, बम्बई	ब्लाई की फिनालिक मामता— IS : 1300-1966
9.	सीएम/एल-259 1961-01-13	1976-01-16	1976-07-15	जी० एम० सी० हिमको हॉस्ट्रीज लिमिटेड, शिल्पी	18-लिटर वर्गकार कनसर— IS : 916-1966
10.	सीएम/एल-338 1961-09-01	1976-01-16	1976-07-15	इंडो-गणियन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड, जलन्धर शहर	एग्रर ब्रेक स्विचों और प्यूजों के मामाय काम के मिश्रित एक, 15 अम्पी 250 वोल्ट, एकसी प्रकार के क्यूज आधार और बाह्यों महिन— IS : 4064-1967
11.	सीएम/एल-376 1962-01-16	1976-01-16	1977-01-15	मुरमा बैली सॉ मिल्स प्राइवेट लि० डा० भंग बाजार (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबूट के तरह— IS : 10-1970
12.	सीएम/एल-489 1962-12-26	1976-01-16	1976-07-15	भारतीय शार्वर्स पंज क० प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे	नीन-फेजी प्रेरण मोटर, केवल 3.7 किलो (5 हापा) तक के 'ए' श्रेणी के रोधनों वाले— IS : 325-1961
13.	सीएम/एल-490 1962-12-26	1976-01-16	1976-07-15	भारतीय शार्वर्स पंज क० प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे	एक फेजी लोटे एसी और साथिक शिजली के मोटर, 0.75 किलो (1 हापा) तक के, 'ए' श्रेणी के रोधनों वाले— IS : 996-1964
14.	सीएम/एल-499 1973-01-14	1976-02-01	1977-01-31	कोले विस्कुट क० (प्राइवेट) लिमिटेड विस्कुट—	IS : 1011-1968

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. सीएम/एल-547 1963-06-14	1975-12-16	1976-12-15	ग्रीट एण्ड मेटल इंडस्ट्रीज, कलकत्ता-35	वाय की लेटियो के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
16. सीएम/एल-629 1964-02-18	1976-01-01	1976-12-31	उषा मार्टिन लैक (वायर गोप्त) लिमि- टेड, रांची	(1) आनों में लपेटने के काम के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1855-1961 (2) आनों में ढलाई के काम के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1856-1970	
17. सीएम/एल-632 1964-02-21	1976-02-01	1977-01-31	बेयर इंडिया लिमिटेड, बाना	बीजों में लगाने के सूखे कार्ब-पारदीय रसायन— IS : 3284-1965	
18. सीएम/एल-712 1964-06-29	1975-11-01	1976-10-31	मांगानेशिया कं. प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता	मंरजना इस्पात (मालक किस्म)— IS : 226-1975	
19. सीएम/एल-713 1964-06-29	1975-11-01	1976-10-31	मांगानेशिया कं. प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता	मंरजना इस्पात (माध्यारण किस्म)— IS : 1977-1975	
20. सीएम/एल-834 1964-11-09	1976-02-01	1977-01-31	स्पेशल स्टील्स लिमिटेड, बम्बई-92	गिरोपरि पावर श्रेष्ठ कार्यों के लिए इस्पात कोर वाले एलुमिनियम चालकों की कोर के बास्ते इस्पात के लाग— IS : 398-1961	
21. सीएम/एल-965 1964-11-18	1976-02-01	1977-01-31	नार्थकूक जूट कं. लिमिटेड, हुगली	(1) भारतीय टाट का कपड़ा— IS : 28-8-1971 (2) टाट के बोरे— IS : 3790-1966	
22. सीएम/एल-866 1964-11-28	1976-01-01	1976-12-31	नार्थकूक जूट कं. लिमिटेड, हुगली	जूट के बोरे—  IS: 1943-1964, IS : 2874-1964, IS : 2875-1964, IS : 2566-1963 और IS : 3794-1966	
23. सीएम/एल-983 1964-12-24	1976-01-16	1977-01-15	कमानी लेट्रिक आप्साइट्रम प्राइवेट लिमिटेड, बाना	रंग रोगन के लिए जस्ता आप्साइट्रम— IS : 35-1950	
24. सीएम/एल-989 1964-12-31	1976-02-01	1977-01-31	स्पेशल स्टील्स लिमिटेड, बम्बई	(1) ठेंडे दिखे प्रतिबल-मुक्त नार— IS : 1785 (भाग 1) —1966 और (2) दिखे जैमे नार—  IS : 1785 (भाग II)—1967	
25. सीएम/एल-1100 1963-06-16	1976-01-01	1976-12-31	वि इंडियन केबल कं. लिमिटेड जमशेवपुर	पोलीथीन रोधिस और पीवीसी लोलगृह्णक केबल, एलुमिनियम ताँबे के चालकों सहित— IS : 1596-1970	
26. सीएम/एल-1152 1965-10-12	1976-02-01	1977-01-16	बेयर इंडिया लिमिटेड, ठाणे	मेथाइल पैराथियोन तेजद्रव्य— IS : 2865-1961	
27. सीएम/एल-1176 1965-12-09	1976-01-01	1976-12-31	केमोराम स्पन पाइप एंड कार्ड्रीज, हुगली	जल मण घीर गैस के लिए अपकेन्द्रीय डाले (स्पन) लोहे के वाले पाइप— IS : 1536-1976	
28. सीएम/एल-1231 1966-03-25	1976-02-01	1977-01-31	स्पेशल स्टील्स लिमिटेड, बम्बई	(1) विजली के केबलों पर कवच लगाने के लिए जस्तीकृत गोल तार— IS : 434 (भाग II)—1964 (2) केबलों पर कवच लगाने के लिए मुक्त इस्पात के तार और परियो— IS : 3975-1967	
29. सीएम/एल-1353 1966-11-23	1976-01-01	1976-12-31	कोरेम (इंडिया) लिमिटेड ठाणे (पश्चिम)		

1	2	3	4	5	6
30. सीएम/एल-1372 1966-12-26	1976-01-01	1976-12-31	इंडियन एंड एजेंसी कंपनी, कलकत्ता चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970		
31. सीएम/एल-1374 1966-12-28	1976-01-01	1976-03-31	प्रभुपूर्ण पलवराहार्जिंग मिल्स, इमूरु चिला पश्चिम गोदावरी	परापियोन तेज इव— IS : 2129- 1962	
32. सीएम/एल-1389 1967-01-13	1976-01-16	1977-01-15	अमर डाई केम लिमिटेड, वर्माई	बी-आकसीसीफोटोइक एसिड (बाम-ग्राम) — IS : 3242-1965	
33. सीएम/एल-1512 [1967-09-12	1976-02-01	1977-01-31	प्लब केमिकल्स, मदास	डी० डी० धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
34. सीएम/एल-1516 1967-09-15	1976-01-16	1977-01-15	स्टार फिटिंग वर्क्स, कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
35. सीएम/एल-1544 1967-01-09	1975-12-01	1976-11-30	विहिन्दु ग्राहगत काउंसी बटाला	केल 100 मिमी तक आकार के उसे सोहे के सल पाइप— IS : 1729-1964	
36. सीएम/एल-1578 1967-12-01	1975-12-01	1976-05-31	जय केमिकल्स, फरीदाबाद	बी० एच० सी० धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
37. सीएम/एल-1585 1967-12-14	1976-01-01	1976-06-30	हिन्दी टिप्पर, इंडस्ट्रीज, यमुनानगर	चाय की पेटियों के लिए पट्टिया— IS : 10-1970	
38. सीएम/एल-1659 1968-03-27	1976-01-16	1977-01-15	सैम्बोज (इंडिया) लिंग, ठाणे	डी० डी० पायसनीय तेज इव— IS : 633-1956	
39. सीएम/एल-1712 1968-06-04	1976-01-01	1976-06-30	पुष्पोत्तम सिंह गम्भीर, यमुना नगर, जिला ग्रामाला	चाय की पेटियों के लिए पट्टिया— IS : 10-1970	
40. सीएम/एल-1733 1968-07-08	1976-01-16	1977-01-15	सन इंडस्ट्रीज, कलकत्ता-51	चाय को पेटियों के लिए तज्जे— IS : 10-1970	
41. सीएम/एल-1758 1968-08-01	1976-01-01	1976-12-31	उचा मार्टिन ब्लैक (बाथररोप्स) लिमि- टेड, रांची	नियंत्रक और रगड रस्से— IS : 3623-1966	
42. सीएम/एल-1765 1968-08-13	1975-10-16	1976-01-15	पी०बी०एस० इंडस्ट्रीज, होमपेट	बी०एच०सी० धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
43. सीएम/एल-1799 1968-09-25	1976-01-16	1977-01-15	पि एप्रो इंडस्ट्रियल एंड केमिकल्स कंपनी, रुद्रपुर (नैनोताल)	एन्ड्रिम पायसनीय तेज इव— IS : 1310-1974	
44. सीएम/एल-1814 1968-10-15	1975-10-16	1976-10-15	सा० मदललाल एलुमिनियम प्रा०लि०, हावड़ा	बर्तनों के लिए पिटवा एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रण— IS : 21-1975	
45. सीएम/एल-1823 1968-10-31	1976-01-16	1977-01-15	हिमुस्तान बुड इंडस्ट्रीज तिरुवल्ला, जिला मलेप्पी (केरल)	चाय की पेटियों के लिए तज्जे— IS : 10-1970	
46. सीएम/एल-1881 1968-12-30	1976-01-01	1976-12-31	ईएमसी संगम वर्क्स, इलाहाबाद	शिरोपरि पावर, प्रेषण कार्यों के लिए सख्त जिवे हुए तहार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम बालक— IS : 398-1961	
47. सीएम/एल-1883 1968-12-30	1976-01-01	1976-12-31	बेस्टन कारपोरेशन, जसन्धर शहर	किकेट और हॉकी के बल्ले— IS : 416-1963	

1	2	3	4	5	6
48. सीएम/एल-1896 1969-01-21	1976-01-01	1976-12-31	दि इंडियन केप्ट कं. लि०, गोलमुरी, जमशेदपुर	तापनम्य रोधित आत्मसह केबल— 1. पोबोसी रोधित और पोबीसी खोल युक्त 2. बीलोइया/इलोन रोधित ब्रेड चड़े और सह- मिलित केबल— IS : 3035 (भाग I)—1965 IS : 3035 (भाग II)—1965	
49. सीएम/एल-1919 1969-02-13	1976-01-01	1976-12-31	"	खनिकों की टोपी लैम्पों के लिए नम्य केबल— IS : 2593-1964	
50. सीएम/एल-2018 1969-07-11	1975-12-01	1976-11-30	जय केमिकल्स, फरीदाबाद	एम्ब्रिट पायसनीय तेज ब्रेड— IS : 1310-1973	
51. सीएम/एल-2029 1969-07-25	1976-01-01	1977-05-31	मुकुन्द भायरन एण्ड स्टील वर्सी लि०, काल्पने ठाणे	कंकीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966	
52. सीएम/एल-2030 1969-07-25	1976-02-01	1977-01-31	क्वालिटी आइस कीम, नई दिल्ली	आइसक्रीम— IS : 2802-1964	
53. सीएम/एल-2046 1969-08-28	1976-02-16	1977-02-15	हलकोटी कोआपरेटिव कैटल फीड प्रोसेस सोसाइटी लि०, हलकोटी, बारवाड़ (मैसूर)	पशुओं के लिए मिलित आहार (चारा)— IS : 2052-1968	
54. सीएम/एल-2109 1969-10-15	1976-01-16	1977-01-15	खानदेश पेस्टोसाइड्स प्रा० लि०, ब्ररन- गांव	बी० एच० सी० धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
55. सीएम/एल-2144 1969-11-19	1975-12-01	1976-11-30	बी० आर० हरमन एण्ड मोहता (ईंडिया) प्रा० लि०, लुधियाना (पंजाब)	चालू ढोल सोहै के मल नग, केबल 75 मिमी और 100 मिमी आकार के— IS : 1729-1964	
56. सीएम/एल-2180 1969-12-24	1976-01-01	1976-12-31	एस० एम० ग्रली प्रा० लि०, कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
57. सीएम/एल-2184 1969-12-31	1976-01-16	1977-01-15	मोती इंडियन इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, नई दिल्ली	पी० बी० सी० रोधित खोलसहित और खोल रहित केबल, एलुमिनियम चालक, 250/ 440 और 650/1100 बोल्ट्स प्रेड के— IS : 694 (भाग II)—1964	
58. सीएम/एल-2187 1969-12-31	1976-01-01	1976-06-30	बीको इंजीनियरिंग कं. लि०, बटाला संरचना इस्पात (मानक किस्म)— (पंजाब)	IS : 226-1969	
59. सीएम/एल-2188 1969-12-31	1976-01-01	1976-08-30	बीको इंजीनियरिंग कं. लि०, बटाला संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— (पंजाब)	IS : 1977-1969	
60. सीएम/एल-2192 1969-12-31	1976-01-01	1976-12-31	स्वात (ईंडिया) प्रा० लि०, फरीदाबाद	फैरो गेलो टैनेट फाउन्डेशन पैन की स्याही (लोहे की मात्रा 0.1 प्रतिशत)— IS : 220-1972	
61. सीएम/एल-2195 1969-12-31	1976-01-01	1976-12-31	पी० कोठारी एण्ड कं., कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
62. सीएम/एल-2213 1970-01-15	1976-01-16	1977-01-15	प्रजीत इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, डिल्लूगढ़ (आसाम)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
63. सीएम/एल-2219 1970-01-22	1976-02-01	1977-01-31	नेशनल इंडस्ट्रीज, निमूर (केरल)	IS : 10 (भाग III)—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64. सीएम/एल-2238 1970-02-09	1976-02-01	1977-01-31	साउथ इंडिया बायर रोप्स लि०, एडाताल डाकघर (केरल)	1. आने में लपेटने के काम के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1855-1961 2. आने में तुलाई काम के लिए इस्पात के तार के रस्से—IS : 1856-1970	
65. सीएम/एल-2239 1970-02-09	1976-02-01	1977-01-31	साउथ इंडिया बायर रोप्स लि०, एडाताल डाकघर, (केरल)।	सामान्य इंजीनियरी कामों के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 2266—1970	
66. सीएम/एल-2371 1970-07-22	1976-01-16	1977-01-15	अवधि प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, गोडा (उ० प्र०)	चाप की नेटियों के लिए प्लाईवुड के तक्ते— IS : 10-1970	
67. सी.एम/एल-2400 1970-08-31	1975-12-01	1976-11-30	भारती मिनरल्स, फरीदाबाद।	मालाधियोर पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1973	
68. सीएम/एल-2439 1970-10-30	1976-01-16	1977-01-15	ज्ञानदेश पैस्टिसाइस प्रा० लि०, धरनगांव जिला जलगांव।	झी० झी० टी० धूलन पाउडर— IS : 564—1962	
69. सी.एम/एल-2440 1970-10-30	1976-01-16	1977-01-15	“	ऐन्ड्रियन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1974	
70. सीएम/एल-2441 1970-10-30	1976-01-16	1977-01-15	“	झी० झी० टी० पायसनीय तेज द्रव— IS : 633—1956	
71. सी.एम/एल-2484 1970-12-23	1976-01-16	1977-01-15	“	मालाधियोर पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1973	
72. सी.एम/एल-2498 1971-01-04	1976-01-16	1977-01-15	ओपिट्रीय मिनरल्स ट्रैडर्स, कुडपा।	झी० एच० सी० धूलन पाउडर— IS : 561—1972	
73. सी.एम/एल-2505 1971-01-11	1976-01-16	1977-01-15	शाहू मेडिकल एण्ड सर्जीकल क० लि०, बडोदा।	पारे वाले रुधिरदाव मापी— IS : 3390—1965	
74. सीएम/एल-2532 1971-02-04	1976-02-16	1977-02-15	एन० बी० इण्डस्ट्रीज, इन्वर।	पानी के मीटर, अमूमति प्रकार, शुल्क जायल वाले, 15 मिमी— IS : 779—1968	
75. सी.एम/एल-2583 1971-03-10	1975-12-16	1976-12-15	जी० झी० स्टील प्रा० लि०. कोयम्बतूर-18	तान कैपी प्रेरण भोटर, 5.5 किवा (7.5 हा० पा०) तक के “ए” प्रेण, के रोधन वाले— IS : 335—1970	
76. सी.एम/एल-2723 1971-07-29	1976-01-16	1977-01-15	मिक्रि रिल्समो एण्ड प्लाईवुड फैब्री, मिक्रि रिल्स (असम)।	चाप की नेटियों के लिए प्लाईवुड के तक्ते— IS : 10—1970	
77. सी.एम/एल-2739 1971-08-16	1976-02-16	1977-02-12	कैमिकल्स एण्ड प्लास्टिक्स (इण्डिया) लि० मेट्ट्रो बांध जिला सेलम।	पेय जल की पूर्ति के लिए अनन्य पी० बी० सी० पाइ० : 1. 160 मिमी तक के आकार और 2. 5 किग्राव/सेमी <sup>3</sup> , 4 किग्राव/ सेमी <sup>3</sup> , 6 किग्राव/सेमी <sup>3</sup> , रेटिंग के 2. 110 मिमी तक के आकार और 10 किग्राव/सेमी <sup>3</sup> , रेटिंग के— IS : 4985—1968	
78. सी.एम/एल-2748 1971-08-25	1975-12-01	1976-11-30	स्टील ट्यूब आफ इंडिया प्रा० लि०, देवास (म० प्र०)।	मानीनी और सामान्य इंजीनियरी कामों के लिए इस्पात की नस्लियाँ—ई० प्रा० डब्ल्यू० 17 और सी० ई० डब्ल्यू०-17 टाइप— IS : 3601—1966	
79. सी.एम/एल-2760 1971-09-30	1976-02-01	1977-01-31	एलाइंड इंडस्ट्रियल ट्रैडर्स, लालनऊ।	एक नाली वाले रकाबवार पम्प— IS : 1971—1972	
80. सी.एम०/एल-2780 1971-10-08	1975-10-16	1976-10-15	इंडो जापान स्टील लि०, कलकत्ता।	केबलों पर कवच बढ़ाने के लिए मुद्रा इस्पात का टेप, भजस्तीकृत— IS : 3975—1967	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
81. सी एम/एल-2799 1971-11-05	1975-11-16	1976-005-15	दिं. इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड, नागपतिम्।	बाड़ लगाने के लिए जस्तीहृत इस्पात के कर्टीसे तार, माइज 1, 2, 3 और 4 टाइप एः—	IS : 278—1969
82. सी एम/एल-2812 1971-11-18	1976-02-01	1977-01-31	राजारमण इंडस्ट्रीज, कानपुर।	खनिकों के लिए चमड़े के सुरक्षा बूट पौर जून—	IS : 1989—1967
83. सी एम/एस-2813 1971-11-18	1975-12-01	1976-11-30	काष्ठ हैस्प्र प्राइवेट प्रा० लि०, गांधिदावाद	एलिन पार्मसनीय तेज द्रव—	IS : 1310—1973
84. सी एम/एल-2814 1971-11-25	1975-12-01	1976-11-30	“	एलिन पार्मसनीय तेज द्रव—	IS : 1307—1973
85. सी एम/एल-2819 1971-11-26	1975-12-01	1976-11-30	अश्वाल हार्डवेयर वर्क्स प्रा० लि०, छन्दा० बाबू (बिहार)।	कंफीट प्रबलन के लिए ठंडे, मरोड़ी इस्पात की सरिया—	IS : 1786—1966
86. सी एम/एल-2824 1971-11-29	1976-02-01	1977-01-31	आलाइड इंडस्ट्रियल ट्रेडर्स, लखमऊ।	प्रत्यागमी छिक्कावक यन्त्र—	IS : 3082—1970
87. सी एम/एल-2878 1972-01-15	1976-02-01	1977-01-31	स्टैल्कर बैटरीज लि०, मद्रास।	खनिकों के लिए टोपी लेम्प बैटरियां (सीजा ग्राम प्रकार)---0.8 अम्पी रेटिंग—	IS : 2512—1963
88. सी एम/एल-2888 1972-01-31	1976-02-01	1977-01-31	हिन्दुस्तान स्टील लि०, मद्रास।	कंफीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी इस्पात की सरिया—	IS : 1786—1966
89. सी एम/एल-2906 1972-02-04	1976-02-16	1977-02-15	किलोस्कर भायल इंजिन्यरिंग लि०, पूर्णा०	निम्नांकित रेटिंग के कल्पने दीजल इंजन—	IS : 1601—1960

किवा०	चक्कर प्रतिमिनट	टाइप	बान्ड	
1. 2. 20 ( 3 हा० पा० )	1500	क० बी० 1		
2. 3. 67 ( 5 हा० पा० )	1500	ए० बी० 1		
3. 3. 67 ( 5 हा० पा० )	1500	सी० ए० 1		
4. 3. 67 ( 5 हा० पा० )	2500	टी० ए० 1		
5. 4. 41 ( 6 हा० पा० )	1500	टी० ए० 1		
6. 4. 41 ( 6 हा० पा० )	1800	ए० बी० 1		
7. 4. 41 ( 6 हा० पा० )	1800	बी० बी० 1		
8. 5. 15 ( 7 हा० पा० )	1500	टी० बी० 1		
9. 5. 88 ( 8 हा० पा० )	1800	एस० बी० 1		
10. 7. 35 ( 10 हा० पा० )	1500	ए० बी० 2		
11. 7. 35 ( 10 हा० पा० )	1500	सी० ए० 2		
12. 3. 67 ( 5 हा० पा० )	1500	एस० ए० बी० 1		
13. 4. 41 ( 6 हा० पा० )	1800	एस० ए० बी० 1	लंकाकी	
90. सी एम/एस-2907 1972-02-04	1976-02-16	1977-02-15	कूपर हंजीनियरिंग लि० सतारा रोड, विकाश मध्य रेतवे, (महाराष्ट्र)।	निम्नांकित रेटिंग के डीजल इंजन— IS : 1601—1960

किवा०	चक्कर प्रतिमिनट	टाइप	बान्ड
1. 2. 6 ( 3. 5 हा० पा० )	1500	सी० बी० भार०- 3. 5	
2. 3. 4 ( 4. 5 हा० पा० )	1700	सी० बी० भार०- 3. 5	
3. 3. 75 ( 5. 0 हा० पा० )	1500	एस० बी० सी०-5	
4. 3. 75 ( 5. 0 हा० पा० )	1800	सी० बी० भार०-5	
5. 4. 1 ( 5. 5 हा० पा० )	2000	सी० य० बी०	
6. 4. 5 ( 6. 0 हा० पा० )	2200	सी० बी० भार०—6	
7. 4. 9 ( 6. 5 हा० पा० )	1800	एस० बी० सी०-6. 5	
8. 5. 25 ( 7. 0 हा० पा० )	2000	सी० बी० भार०-7	
9. 7. 5 ( 10 हा० पा० )	1500	टी० बी० सी०-10	
10. 3. 75 ( 5. 0 हा० पा० )	700	भार. सी० ए०	
11. 4. 5 ( 6. 0 हा० पा० )	725	एस० सी०-6	
12. 6. 0 ( 8 हा० पा० )	750	सी० भार०-8	लेतिज इंजन
13. 7. 5 ( 10. 0 हा० पा० )	760	सी० भार०-10	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
91. सीएम/एल-3086 1972-06-23	1976-01-01	1976-06-30	गुजरात मेट्रो प्रोपरेटिव मार्केटिंग मोराहाटी लिं., अहमदाबाद।	श्री० एच० सी० धूसत पाउडर— IS : 561—1972	
92. सी० एम/एल-3172 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	अमर डाईप्रेस० लि०, शहाङ कल्याण (महाराष्ट्र)।	श्री० एस० रोएलीसिन— IS : 4334—1967	
93. सी० एम/एल-3173 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	एम० एस० रोएलीसिन— IS : 4335—1967	
94. सी० एम/एल-3174 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	श्री० एस० रोएलीसिन— IS : 4336—1967	
95. सी० एम/एल-3175 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	2, 5-डाइसलोरोएलीसिन— IS : 4526—1968	
96. सी० एम/एल-3176 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	श्री० एलीसिडीन— IS : 5446—1970	
97. सी० एम/एल-3177 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	श्री० टोलूसिन— IS : 5647—1970	
98. सी० एम/एल-3178 1972-09-28	1976-01-16	1977-01-15	"	श्री० टोलूसिन— IS : 5649—1970	
99. सी० एम/एल-3185 1972-10-13	1976-02-01	1977-01-31	क्लोराइड इंडिया लि०, मामनगार (प० बंगाल)	सनिकों के लिए टोपी लैम्प बेटरियां (सीसा० प्रमाण प्रकार) —०.८ अम्पी रेटिंग— IS : 2512-1963	
100. सी० एम/एल-3188 1972-10-19	1976-02-16	1977-02-18	कूपर इंजीनियरिंग लि०, सुवारा गोड (महाराष्ट्र)	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठंडे, ताजे पानी के लैटिज अपक्रेन्शन पम्प, माइल (65 हापा) साइज 75×65 मिमी और माइल (100 हापा) साइज 100×100 मिमी— IS : 6595—1972	
101. सी० एम/एल-3221 1972-11-28	1975-12-01	1976-11-30	स्टील ट्यूब आफ इंडिया प्रा० लि०, देवास (म० प्र०)	स्लिपलैन कार्यों के लिए ड्रेसाम नलियाँ— ग्रेड इमारलेस्ट्र० १ केवल— IS : 3074—1965।	
102. सी० एम/एल-3247 1972-12-28	1975-12-15	1976-12-15	चुक बांड इंडिया लि०, न्हाइट कील्ट, जिला बंगलौर	धूसतकीय कार्यों पाउडर— IS : 2791-1964	
103. सी० एम/एल-3263 1972-12-19	1975-12-16	1976-06-15	जनता इंजीनियरिंग काउंसी बर्स, डाक चक्रिया जिला सिंहपुरि (बिहार)	मम, चुके और संवात्र के लिए बालू छमे पौधे के स्टीमाट और सॉकेट बालू पाइप और फिल्टर— IS : 1729-1964	
104. सी० एम/एल-3287 1973-01-03	1976-01-01	1976-06-30	ऐक्यमैक इंजीनियर्स प० बैन्युफैबरर्स, बंगलौर-३१ (मैसूर)	पाइप केल्प— IS : 3793-1968	
105. श्री० एम/एल-3279 1973-01-05	1976-01-16	1976-12-31	कोसान पैटन प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, कमलेश्वर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	स्ट्रप द्राव इव्वरीय गेसों के संग्रहण एवं परिवहन के लिए 33.3 लीटर जल समाई वाले इस्पात के गेस सिलेन्टर— IS : 3196-1974	
106. सी० एम/एल-3289 1973-01-08	1976-01-16	1977-01-15	ईलाइट प्रोडक्ट्स, कासीकट	मुख्याया नारियल— IS : 966-1962	
107. श्री० एम/एल-3299 1973-01-15	1976-01-16	1977-01-15	चिवर्म कोप्रापरेटिव मार्केटिंग मोराहाटी लि०, प्रसरावती	श्री० श्री० टी० सी० धूसत पाउडर— IS : 561-1961	
108. सी० एम/एल-3308 1973-01-29	1976-02-01	1977-01-31	कल्याण इण्डस्ट्रियल कॉर्पोरेशन, डाक, कटिहार, जिला पूर्णिया (बिहार)	शामाल्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मूदू इस्पात के तार IS: 280-1972	
109. सी० एम/एल-3309 1973-01-29	1976-12-16	1976-12-15	पठानकोट इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, पठान- कोट	चाय की पेटियों के लिए पटिया IS : 10—1970	
110. सी० एम/एल-3310 1973-01-30	1976-02-01	1977-01-31	योसदाल केबल्स प्रा० लि०, जयपुर	शिरोपरि पाथर प्रेषण कार्यों के लिए भवत जिंके लड्डार एव्यूमीनियम और इस्पात की कोर वाले एल्यूमीनियम चालक— IS : 398-1961	
111. सी० एम/एल-3311 1973-01-30	1976-02-01	1977-01-31	इंडियन एक्स्ट्रिक्स लि०, बम्बई-६७	मेलामाइन कार्बन डिहाइड्रेट की सामग्री— IS : 3689-1966	
112. मी० एम/एल-3316 1973-01-31	1976-01-01	1976-12-31	देवीकाल इलेक्ट्रोनिक्स प० वा० लिमिटेड, दागे (महाराष्ट्र)	रसायनों के लिए इस्पात वा० तार— IS : 1835-1972	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
113. सीएम/एल-3317 1973-01-31	1976-02-01	1977-01-31	हिन्द ट्रेडिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कं. नई दिल्ली	जल वितरण कार्यों के लिए गोला वाले (सीतिज प्लंजर टाइप), फ्लोर सहित, अल्प दाब एवं उच्च दाब, 15, 20, 25, 32, 40 और 50 मिमी आकार के— IS : 1703-1968	
114. सीएम/एल-3318 1973-01-31	1976-02-01	1977-01-31	हिन्द ट्रेडिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कं. नई दिल्ली	जल-सेवाओं के लिए बालू ढाली पीहल के चूड़ीशार डाउन स्टाप टॉटियां 20, 25, 32, 40, और 50 मिमी आकार की तथा ढालवा पीहल की चूड़ीशार डाउन बिल टॉटियां और स्टाप टॉटियां केवल 15 मिमी आकार की— IS : 781—1967	
115. सीएम/एल-3319 1973-01-31	1976-02-01	1977-01-31	ओरो-फूड प्रा० लि०, पाण्डीचेरी	बिस्कूट— IS : 1011—1968	
116. सीएम/एल-3322 1973-02-06	1976-01-01	1976-12-31	देवीदयाल इलेक्ट्रानिक्स एण्ड वायर्स लि०, ठाणे	टाइप बोल्टता येड चालक (क) अचल तार लगाने के लिए वीप्राइमार केबल 1. टीप्रारेस (मजबूत रखड़ के खोल वाले) } 250/440 बोल्ट प्रौर 650/1100 बोल्ट 2. येड चाले और सहमिलित } बोल्ट 3. अटुसह 250/440 बोल्ट 4. नपटरोक 250/440 बोल्ट प्रौर 650/1100 बोल्ट 5. अटुसह 650/1100 केबल बोल्ट एलुमि- नियम (ख) वीप्राइमार नम्बर केबल 6. बेलिंग केबल तांबा या एलुमि- नियम	
117. सीएम/एल-3323 1973-02-16	1976-01-01	1976-12-31	देवीदयाल इलेक्ट्रानिक्स एण्ड वायर्स लि०, मिट्टू, ठाणे	(ग) वीप्राइमार नम्बर टॉटियां 7. टीप्रारेस 250/440 बोल्ट केबल (मजबूत रखड़ के खोल वाले) IS : 434 (भाग I)—1964 और IS : 434 (भाग II)—1964 1. पीवीसी रोधित केबल, खोल महित एवं खोलरहित, 250/440 बोल्ट नम्बर 650/ 1100 बोल्ट येड, तांबा और एलुमिनियम चालकों वाले ; तथा 2. पीवीसी रोधित नम्बर टॉटियां, खोलवार, 250/440 बोल्ट येड, तांबे के चालकों वाली— IS : 694 (भाग II)—1964 इस्पात की कोरकाले एलुमिनियम चालकों की फौर के लिए इस्पात का तार— IS : 398—1961 एन्ड्रिन पायसनीय तेज ब्रद— IS : 1310—1974 फेली ट्रांसियोन पायसनीय तेज ब्रद— IS : 5281—1969 पीतल के गोला वाले (सीतिज प्लंजर टाइप) 15, 20 और 25 मिमी आकार के— IS : 1703—1968 जूतों के लिए सुरक्षात्मक इस्पात की पंजा (टी) टोपियां— IS : 5852—1970 चाय की बेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10—1970	
118. सीएम/एल-3324 1973-02-06	1976-01-01	1976-12-31	"		
119. सीएम/एल-3409 1973-05-07	1976-10-16	1976-10-15	पीवीसी इंडस्ट्रीज, होजेट		
120. सीएम/एल-3431 1973-05-30	1976-02-01	1977-01-31	वेयर इंडिया लि०, ठाणे (महाराष्ट्र)		
121. सीएम/एल-3557 1973-09-25	1976-01-01	1976-06-30	जी मुद्रण एण्ड कॉ. शाहदग, दिल्ली- 110032	पीतल के गोला वाले (सीतिज प्लंजर टाइप) 15, 20 और 25 मिमी आकार के— IS : 1703—1968 जूतों के लिए सुरक्षात्मक इस्पात की पंजा (टी) टोपियां— IS : 5852—1970	
122. सीएम/एल-3612 1973-11-28	1976-02-01	1977-01-31	मैटलस क्राफ्ट, कलकत्ता-700002		
123. सीएम/एल-3641 1973-12-13	1976-01-01	1976-01-30	श्री बंगाल टी-चैम्प फिटिंग प्रा० लि०, कलकत्ता-6	चाय की बेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10—1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
124. सीएम/एल-3645 1974-01-07	1976-01-01	1976-12-31	ग्रांडल वर्न निमिट्ट, द्वारका (प० वंगाल)	निम्नांकित के लिए लपटमह खोल :	
				1. "आईजी ए 13" एमर ब्रेक परिपथ मंजक कलक 300 अम्पी अधिकतम से 660 बोल्ट तक, 3 फेंजी विदारण क्षमता, 7 में बो अम्पी (समूह I और II ए)	
				2. "आईजी ए 4" एमर ब्रेक परिपथ मंजक कलक, 100 अम्पी अधिकतम से 660 बोल्ट तक, 3 फेंजी, विदारण क्षमता, 2 में बो अम्पी (समूह I और II ए)	
				3. "आईएफ एस 6" सीटर धारा द्रासकार्मर चालित अथवा सीधे पठन वा मैं एमीटर 60 अम्पी या 660 बोल्ट के बोल्ट मापी क्षमता (समूह I और II ए) —	
				IS : 2148—1968	
125. सीएम/एल-3646 1974-01-07	1976-01-01	1976-12-31	कासापिडेट्र न्यूरेटिक टूल कं० (इंडिया) निमिट्ट, ब्रावार्ड-80 (एनडी)	मुख्य बिजली की बरमा मशीन के लिए लपटमह खोल, सीपी-535, लीन, फेंजी, 125 बोल्ट 1.1 (किवा 1.5 हापा) 1/2 घंटे रेटिंग समूह I —	
				IS : 2148—1968	
126. सीएम/एल-3647 1974-01-07	1976-01-01	1976-12-31	जलाशय विक्टर लिं०, बनवाद (बिहार)	निम्नांकित के लिए लपटसह खोल: बिजलो का धूपूर्णक बरमा 3-फेंजी स्विचस केज (गिलहरी पिंजडा) प्रेरण सोटर संहित, 1.1 किवा (1.5 हापा), 125 बोल्ट, 1/2 घंटा रेटिंग, स्टाइल नं० 11422 और 11423 (समूह I) 2. ग्रवल्ड प्लग और साकेट, 30 अम्पी और 150 अम्पी स्टाइल नं० 2422 और 2423 (समूह I) 3. मांतूक स्विच फ्यूज एकक, 250 बोल्ट अधिकतम 20 अम्पी अधिकतम स्टाइल संन्दर्भ 41428 एएमपी (समूह I) 4. चारों ओर की रोशनी का अंकमान बक्स रेटिंग 25 अम्पीयर अधिकतम, 250 बोल्ट अधिकतम, सीलिंग बक्स और गलैंड युल, स्टाइल 41440 और 41295 (समूह I) 5. आयुर्वीतित प्रकाश-द्रासकार्मर, 2 किवा, एक फेंजी, टाइप I, जी एन I, प्राइमरी बोल्टना 400—500 बोल्ट, सेकंडरी बोल्टता 110±100 बोल्ट, स्टाइल 8288 (समूह I) —	
				IS : 2148—1968	
127. सीएम/एल-3648 1974-01-07	1976-01-01	1976-12-31	ऐच्यूल एफ कं० निं०, कलकत्ता	निम्नांकित के लिए लपटसह खोल : 1. प्रकाश द्रासकार्मर :— क. 1 से 5 किवा, एक-फेंजी, 550/110 बोल्ट टाइप वाई 70/सी तथा इस प्रकार के द्रासकार्मरों से जुड़ने वाले केबलों के साथ इस्तेमाल के लिए ऊपरी और पार्श्व- वर्ती ज्वेट और केबल बक्स और गलैंड (समूह-I)	
				ख. 1/2 से 1 किवा अम्पी, 550/110 बोल्ट, टाइप वाई 72/सी (समूह I)	
				2. एमर ब्रेक गेट और स्विच एकक, 150 अम्पी, 550 बोल्ट, 3 फेंजी, टाइप वाई/ 70/सी (समूह I)	
				3. एमर ब्रेक परिपथ मंजक कलक, 100 अम्पी, 200 अम्पी और 300 अम्पी 660 बोल्ट, 3 फेंजी, टाइप ए.39/52 (समूह I)	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
128.	सीएम/ए८-3650 1974-01-07	1976-01-01	1976-12-31	फिल्मोस्कर इन्डिया कंपनी, बंगलोर-10	4. चंद्री यैकेतक ट्रॉलकार्मर, एक फैजी, 25 बोल्ट 110/15 बोल्ट, टाइप वाई 72/डी (समूह I) 5. युग वटन स्टेशन, 5 अम्बी, 650 बोल्ट तक, टाइप वाई 71/पीवीएम (समूह I) 6. सीधा जोड़ बक्स, 200 अम्बी, 660 बोल्ट, टाइप वाई 71/एमटीजे (समूह I) 7. प्रैट्टर, रेटिंग 100 अम्बी और 650 बोल्ट तक टाइप वाई 71/ए (समूह I)--- IS: 2148—1968
129.	सीएम/ए८-3656 1974-01-08	1976-01-16	1977-01-15	कोवन पेस्टिसाइस प्रोसाइर, जिला कोयम्बतूर	निम्नालिखित के लिए लपटसह खोलः तीन-फेजी स्लिपरल केंज प्रेस्य मोटर, बोल्टना 650 बोल्ट तक फैम के आकार और रेटिंग नीचे दिये गये हैं:—
130.	सी एम/ए८-3662 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	फार्मिको प्रैसो लिंग, हिम्मत नगर, सावर-काठा, (गुजरात)	
131.	सी एम/ए८-3663 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	"	
132.	सी एम/ए८-3665 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	मोर्तालाल पेस्टिसाइस (इंडिया) मधुरा (उ० प्र०)	श्री० श्री० दी० शूलन पाउडर— IS: 564—1961
133.	सी एम/ए८-3666 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	"	बी० एच० सी० शूलन पाउडर— IS: 561—1962
134.	सी एम/ए८-3675 1974-01-14	1976-01-16	1977-01-15	जयन्त कलर एण्ड कैमिकल इंडस्ट्रीज, बम्बई-400010	श्री० जस विजयनीय पाउडर— IS: 562—1972
135.	सी एम/ए८-3678 1974-01-22	1976-02-01	1977-01-31	मेहसाना टिन फैक्टरी, मेहसाना	एच्चिन पायसनीय तेज द्रव्य— IS: 6310—1974
136.	सी एम/ए८-3683 1974-01-25	1976-02-01	1976-11-16	स्टार स्टर्लिंग्रो लिंग, बड़ीदा	एच्चिन पायसनीय तेज द्रव्य— IS: 1307—1973
137.	सी एम/ए८-3684 1974-01-25	1976-02-01	1976-11-15	"	मीमेट पेट के आवश्यक रूपों के— IS: 5410—1969

क्रम सं०	फ्रेम	समूह	रेटिंग अधिकतम					
			2 पोल	4 पोल	6 पोल	8 पोल	10 पोल	—
1. एनई-112	I ए और II बी	फिल्म (हापा)	4 (5.5)	4 (5.5)	2 2 (3)	1 5 (2)		
2. एनई-132	"	फिल्म (हापा)	7.5 (10)	7.5 (10)	5.5 (7.5)	3 (4)		
3. एनई-160	"	फिल्म (हापा)	18.5 (25)	15 (20)	11 (15)	7.5 (10)	5.5 (7.5)	
4. एनई-180	"	फिल्म (हापा)	22 (30)	22 (30)	15 (20)	11 (15)	7.5 (10)	
5. एनई-200	"	फिल्म (हापा)	37 (50)	30 (40)	22 (30)	15 (20)	11 (15)	
6. एनई-250	"	फिल्म (हापा)	55 (75)	55 (75)	37 (50)	30 (40)	22 (30)	
7. एनई-315	"	फिल्म (हापा)	90 (120)	90 (120)	55 (75)	45 (60)	37 (50)	
								IS: 2148—1968
129. सीएम/ए८-3656 1974-01-08	1976-01-16	1977-01-15	कोवन पेस्टिसाइस प्रोसाइर, जिला कोयम्बतूर	श्री० श्री० दी० शूलन पाउडर— IS: 564—1961				
130. सी एम/ए८-3662 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	फार्मिको प्रैसो लिंग, हिम्मत नगर, सावर-काठा, (गुजरात)	बी० एच० सी० शूलन पाउडर— IS: 561—1962				
131. सी एम/ए८-3663 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	"	श्री० एच० सी० जस विजयनीय पाउडर— IS: 562—1972				
132. सी एम/ए८-3665 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	मोर्तालाल पेस्टिसाइस (इंडिया) मधुरा (उ० प्र०)	एच्चिन पायसनीय तेज द्रव्य— IS: 6310—1974				
133. सी एम/ए८-3666 1974-01-09	1976-01-16	1977-01-15	"	एच्चिन पायसनीय तेज द्रव्य— IS: 1307—1973				
134. सी एम/ए८-3675 1974-01-14	1976-01-16	1977-01-15	जयन्त कलर एण्ड कैमिकल इंडस्ट्रीज, बम्बई-400010	मीमेट पेट के आवश्यक रूपों के— IS: 5410—1969				
135. सी एम/ए८-3678 1974-01-22	1976-02-01	1977-01-31	मेहसाना टिन फैक्टरी, मेहसाना	18-लिटर बगाकार टिन— IS: 916—1966				
136. सी एम/ए८-3683 1974-01-25	1976-02-01	1976-11-16	स्टार स्टर्लिंग्रो लिंग, बड़ीदा	संरचना इस्पात (मानक किलम)--- IS: 226—1975				
137. सी एम/ए८-3684 1974-01-25	1976-02-01	1976-11-15	"	संरचना इस्पात (साधारण किलम)--- IS: 1977—1975				

1	2	3	4	5	6
138. सो.एम/एल-3689 1974-01-28	1976-02-01	1977-01-31	श्री इंश्वर एल्याय स्टेल्म प्रा० लि०, इंश्वर, (म० प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेलन के लिए कार्बन इस्पात के लिए विलेट पिण्ड— IS : 6914—1973	
139. सो.एम/एल-3690 1974-01-28	1976-02-01	1977-01-31	“	संरचना इशार (साधारण किस्म) के रूप में वेलन के लिए कार्बन इस्पात के लिए विलेट पिण्ड— IS : 6915—1973	
140. सो.एम/एल-3698 1974-02-06	1974-02-01	1977-01-31	स्टॉलिंग मर्शिन ट्रूल्स, भागरा	गिम्नासित रेटिंगों के लिए सिलेंडर भार और स्ट्रोक वाले जलसीतित ऊर्ध्व डीजल इंजन— IS : 6916—1973	
क्रिया०	हापा०	चमकर प्रमि०	दाइप		
		मिनट			
1. ३.६७ 2. ४.४ 3. ४.७७ 4. ५.५ 5. ५.८	(५) (६) (६.५) (७.५) (८.०)	1500 650 1500 1500 850	— एलआर-१ — एलआर-२		
141. सो.एम/एल-3699 1974-02-06	1976-02-01	1977-01-31	किलेस्ट प्रा० लि०, भोपाल १	सो.एच० सो० धूलन पाउडर— IS : 561—1972	
142. सो.एम/एल-3700 1974-02-06	1976-02-01	1977-01-31	“	सो.टी० टी० धूलन पाउडर— IS : 564—1961	
143. सो.एम/एल-3708 1974-02-16	1976-02-16	1977-02-15	कातिकेय फाउंड्री कोयम्बत्तूर-१८ (तमिल- नाडु)	तीत—फैजी प्रैरण शोटर ३.७ क्रिया० (५ हां पा०) सक के “ए” श्रेणी के रोधन तो— IS : 325—1970	
144. सो.एम/एल-3709 1974-02-28	1976-02-16	1977-02-15	मुलकराज एण्ड क०, नवी यिस्ली	बुध स्लेहमार्ट, 11.04 मिन्ट 10% दुष्प स्केल— IS : 1223 (भाग I)—1970	
145. सो.एम/एल-3792 1974-04-02	1976-02-01	1977-01-31	रेलिस इंडिया लि०, मद्रास	सो.टी० टी० जलविसर्जनीय पाउडर— IS : 565—1961	
146. सो.एम/एल-3827 1974-05-10	1975-11-15	1976-11-15	जिन्वल पाइप्स प्रा० लि०, गाजिया- बाद (उ० प्र०)	मृदु इस्पात की नविर्याह, हरकी, और मध्यम— IS : 1239 (भाग I)—1973	
147. सो.एम/एल-3861 1974-06-28	1976-01-01	1976-06-30	हिन्दुस्तान पाइप्रोडक्ट्स सोजत रोड, (राजस्थान)	मुश्ता हुआ छूना, प्रेष ए और बी— IS : 1540 (भाग II)—1970	
148. सो.एम/एल-3871 1974-07-03	1976-02-01	1977-01-31	बने एण्ड क० लि०, हायडा	जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व 50 मिमी से 300 मिमी आकार तक के श्रेणी I— IS : 780—1969	
149. सो.एम/एल-3893 1974-07-25	1976-01-31	1976-12-31	हिन्द मेटल एण्ड एलाइंड इंडस्ट्रीज, बटाला (पंजाब)	तीतल के गोला वाल्व (क्षेत्रिक प्लंजर टाइप) केवल 15 मिमी आकार के— IS : 1703—1968	
150. सो.एम/एल-3901 1974-07-26	1976-02-21	1977-01-31	प्रशोक विस्कुट बर्स, हैवराबाद	विस्कुट— IS : 1041—1969	
151. सो.एम/एल-3928 1974-08-28	1976-02-16	1976-08-15	कृषि केमिन प्रा० लि०, बंगलौर	एन्ड्रिन पायसनीय तेज इव— IS : 1310—1974	
152. सो.एम/एल-3984 1974-10-04	1975-10-16	1976-10-15	आरती मिनरल बर्स, फरीबाबाद	एन्ड्रोसल्फान पायसनीय तेज इव— IS : 4323—1967	
153. सो.एम/एल-4062 1974-11-25	1975-12-01	1976-11-30	मेटल इंजीनियरिंग एण्ड क०, फालकरा-६	चाय की पेटियों के लिए धू सु के फिटिंग— IS : 10—1970	
154. सो.एम/एल-4067 1974-11-28	1975-12-01	1976-11-30	किलेस्ट प्रा० लि०, भोपाल	एन्ड्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308—1958	

1	2	3	4	5	6
155. सो एम/एल-4104 1974-12-30	1976-01-01	1976-12-31	कलिंग द्यूप्त्रियनि०, लोद्दार, (उडीसा)	जल गैस और मस के लिए विजर्की तारा वेश्वर के पास— IS : 3589—1966	
156. सो एम/एल-4109 1974-12-30	1976-01-01	1976-12-31	वि एसुमिनियम इंडस्ट्रीज, कुडारा (केरल)	जर्मनीकृत लोद्दार रोक तार, ग्रेड-3— IS : 2141—1968	
157. सो एम/एल-4110 1974-12-30	1976-01-01	1976-12-31	दक्षन स्टेनलेम रस्टाल एण्ड शायर इंडस्ट्रीज, गुलुमिनियम फिल्म वर्क्स— हैदराबाद	इस्पात नलियों, नलियों से बर्बाद तारुण्य के लिए विजर्की तार— IS : 7165—1973	
158. सो एम/एल-4112 1974-12-31	1976-01-01	1976-12-31	कॉलिंग द्यूप्त्रियनि०, कटक, (उडीसा)	इस्पात नलियों, नलियों से बर्बाद तारुण्य के लिए विजर्की तार— IS 1239 (भाग I)—1973	
159. सो एम/एल-4113 1974-12-31	1976-01-01	1976-12-31	केडिया इंडस्ट्रीज, जम्मुर	पीतल के गोला वाल्व (स्प्रेजिट एंड जर टाइप) 15 मिमी (एच पी)— IS : 1703—1968	
160. सो एम/एल-4116 1974-12-31	1976-01-01	1977-05-31	मुकुन्द श्रावरन एण्ड स्टील वर्क्स लि०, काश्मे, ठाणे (महाराष्ट्र)	फो कटिंग कार्बन और कार्बन मैग्नीज इस्पात — IS : 4431—1967	
161. सो एम/एल-4117 1974-12-31	1976-01-01	1977-05-31	“	गड़ाई के लिए कार्बन इस्पात के विजेट, अनुम, मिलियां और सरिया— IS : 1875—1971	
162. सो एम/एल-4118 1975-01-06	1976-01-16	1977-01-15	भारत केमिकल मैन्युफैक्चरर्स एण्ड टेक्सी, चिकमंगलूर, (कर्नाटक)	तीव्रा ग्लेट— IS : 261—1966	
163. सो एम/एल-4123 1975-01-08	1976-01-16	1976-09-30	एशियन केबल्स कारपो० लि०, अणे	एक धमाके वाले विस्फोट केबल, धमाका या ध्रुव धमाको वाले थी० बी० सी० रोडिंग, गमानग्नर, जृष्ठी— IS : 5950—1971	
164. सो एम/एल-4126 1975-01-10	1976-01-16	1977-06-15	देवीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, बम्बई	कार्बोनिल जलसंरक्षणीय पाउडर— IS : 7121—1973	
165. सो एम/एल-4127 1975-01-10	1976-01-16	1977-06-15	देवीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, बम्बई	कार्बोरिल धूलन पाउडर— IS : 7122—1973	
166. सो एम/एल-4134 1975-01-10	1976-01-16	1977-01-15	राकेट इंजीनियरिंग कारपो०, अहमदाबाद	निम्नांकित रेटिंगों के ऊर्ध्वे एक सिलेंडर वाले जल शीतित इंजल इंजन— IS : 1601—1980	
167. सो एम/एल-4136 1975-01-10	1976-01-16	1977-01-15	बीको नारीलि०, कलकत्ता	किवा० प्रकार प्रति मिनट 3.67 (5 हापा) 1500 प्रारंभीएल-I	
168. सो एम/एल-4151 1975-01-17	1976-01-01	1976-11-15	प्रापार प्रा० लि०, कर्नाटक	1. तीन-फेजी प्रेरण मोटर, 0.75 किवा० (1 हापा०) से 37 किवा० (50 हापा०) तक, श्रेणी “ए” के रोधन सहित, 2. तीन-फेजी प्रेरण मोटर 7.5 किवा० (10 हापा०), श्रेणी “ई” के रोधन सहित— IS : 325—1970	
169. सो एम/एल-4152 1975-01-22	1976-02-01	1977-01-31	बम्बई फूइस प्रा० लि०, सूरत	मंत्रवचन इस्पात की मेटल भार्क वेस्टिंग के लिए लाग छड़े इंस्ट्रोड— IS 814 (भाग II) —1974	
170. सो एम/एल-4153 1975-01-22	1976-02-01	1977-01-31	राजकोट डिस्ट्रिक गोपालक कोम्पानी प्रोड्यूसर्स गुनियम लि०, राजकोट	त्रिवित पेट्रोलियम गैस के साथ इस्पेमाल के लिए घरेलू गैस के स्टोच— IS : 4246—1972	
					मुख चूर्ण (पूरा और सेपरेटा)— IS : 1165—1967

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
171. सीएम/एल-4154 1975-01-22	1976-01-16	1977-01-15	मधुसूदन इंडस्ट्रीज, मद्रास-600081	डी बी टी पायसनीय तेज ब्रव— IS : 633—1956	
172. सीएम/एल-4156 1975-01-22	1976-02-01	1977-01-31	इंडस्ट्रियल रेजिन एंड प्लास्टिक्स, उदयग नगर सूरत	नागरिक सुरक्षा के लिए प्रधानिक (हेलिपेट)— IS : 2300—1968	
173. सीएम/एल-4157 1975-01-22	1976-02-01	1977-01-31	भारत पल्वराइंजिंग मिल्स प्रा० लि०, बम्बई	कार्बोरेल जलविसर्जनीय पाउडर— IS : 7121—1973	
174. सीएम/एल-4166 1975-01-22	1976-02-01	1977-01-31	ज्योति बायर इंडस्ट्रीज, बम्बई-400058	पूर्ण एलुमिनियम चालक प्रौद्योगिकी— IS : 398—1961	
175. सीएम/एल-4176 1975-01-30	1976-02-01	1977-01-31	दि पंजाब डेरी डेवलपमेंट कारपो० लि०, अमृतसर	पूर्ण प्रौद्योगिकी दूध का पाउडर— IS : 1165—1967	
176. सीएम/एल-4182 1975-01-30	1976-02-01	1977-02-31	श्रीराधा मिल्क फूड्स, कुरुक्षेत्र	सेपरेटा दूध का पाउडर— IS : 1165—1967	
177. सीएम/एल-4184 1975-01-30	1976-02-01	1977-01-31	कर्नाटक केमिकल्स एंड प्रेसिटाइल्म, कांडली	डी बी टी धूलन पाउडर— IS : 561—1972	
178. सीएम/एल-4186 1975-01-30	1976-02-01	1977-01-31	राधिन केमिकल्स प्रा० लि०, मद्रास-600029	कोलतार आधारित आद्य रंग की निर्मितियाँ— IS : 5346—1969	
179. सीएम/एल-4192 1975-01-03	1976-02-01	1977-01-31	मधुसूदन इंडस्ट्रीज, मद्रास-600081	डी बी टी जल विसर्जनीय पाउडर— IS : 565—1961	
180. सीएम/एल-4194 1975-01-30	1976-02-01	1977-01-31	सनकार्म फीड्स, द्विली (कर्नाटक)	पशुओं के लिए निश्चित चारा— IS : 2052—1968	
181. सीएम/एल-4195 1975-01-30	1976-02-01	1977-01-31	नेशनल प्रॉडक्ट्स, बंगलोर-560006	चिकित्सा गम प्रौद्योगिकी— IS : 6747—1972	
182. सीएम/एल-4198 1975-02-10	1976-02-16	1976-09-30	गोवन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, गोवा विल्सी	1100 गोल्ड तक कार्यकारी बोल्ट्स के लिए पीवीसी रोधित बिजली के केबल (भारी काम)— IS : 1554 (भाग I)—1964	
183. सीएम/एल-4199 1975-02-10	1976-02-01	1977-01-31	दि पंजाब डेरी डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, सुशियाना	पूर्ण प्रौद्योगिकी दूध का पाउडर— IS : 1165—1965	
184. सीएम/एस-4200 1975-02-10	1976-02-16	1977-02-15	सेहगल सेनीटरी फिटिंग प्रा० लि०, मादामपुर, जिला जलनगर	पीतल के गोला वाल्व, 15 मिमी आकार के अधिक प्रौद्योगिकी कम दाव वाले— IS : 1703—1968	
185. सीएम/एस-4201 1975-02-10	1976-02-16	1977-02-15	प्रकाश पल्वराइंजिंग मिल्स, असाधर	कार्बोरेल धूलन पाउडर— IS : 7122—1973	

[सं० सी० एम० डी०/13 : 12]  
ए० पी० बर्नर्ड, उपमहानिदेशक

**S.O. 595.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and eighty-five licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February 1976 :

#### SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Period of validity	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-2 1955-12-07	76-01-01 to 76-12-31	The Indian Cable Co Ltd., Jamshed- pur	Hard drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors of all types and sizes— IS : 398—1961
2.	CM/L-52 1958-01-20	76-02-01 to 77-01-31	Malabar Plywood Works, Feroke (Kerala)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970
3.	CM/L-85 1958-04-24	76-01-01 to 76-12-31	Hindustan Timber Industries, Cal- cutta	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970
4.	CM/L-100 1958-09-18	76-01-01 to 76-12-31	Central Trading Co. Pvt Ltd., Cal- cutta-28	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
5. CM/L-105 1958-10-31	76-02-16 to 77-02-15	Sylvan Plywood Mills, Kottayam (Kerala)	Tea-chart plywood panels— IS : 10—1970	
6. CM/L-120 1959-03-20	76-01-01 to 76-12-31	Himalayan Plywood Industries Pvt. Ltd. Tinsukia (Assam)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
7. CM/L-158 1960-01-15	76-02-02 to 77-01-31	The Aluminium Industries Ltd. Hirakund, Sambalpur Distt. (Orissa)	AAC & ACSR conductors— IS : 398—1961	
8. CM/L-244 1960-11-28	76-01-16 to 77-01-15	Indian Plastics Ltd. Bombay	Phenolic moulding materials— IS : 1300—1966	
9. CM/L-259 1961-01-13	76-01-16 to 76-07-15	G.M.C. Himco Industries Ltd., Delhi	18-Litre square tins— IS : 916—1966	
10. CM/L-338 1961-09-01	76-01-16 to 76-07-15	Indo-Asian Traders Pvt. Ltd., Jul- lundur City	Normal duty composit units of air-break switch- es and fuses; 15 amp. 250 volts with HC type fuses basis and carriers— IS : 4064—1967	
11. CM/L-376 1962-01-16	76-01-16 to 77-01-15	Surma Valley Saw Mills Pvt. Ltd., P.O. Bhangabazar, Assam	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
12. CM/L-489 1962-12-26	76-01-16 to 76-07-15	Bhangar Bros. & Co. Pvt. Ltd., Thana	Three-phase induction motors upto 3.7 kW (5 HP) only with class 'A' insulations— IS : 325—1961	
13. CM/L-490 1962-12-26	76-01-16 to 76-07-15	Do.	Single phase small AC and universal electric motors upto 0.75 kW (1 HP) with class 'A' insulations— IS : 996—1964	
14. CM/L-499 1973-01-14	76-02-01 to 77-01-31	Kolay Biscuits Co. (Pvt.) Ltd., Cal- cutta	Biscuits— IS 1011-1968	
15. CM/L-547 1963-06-14	75-12-16 to 76-12-15	Sheet & Metal Industries, Cal- cutta-35	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
16. CM/L-629 1954-02-18	76-01-01 to 76-12-31	Usha Martin Black (Wire Ropes) Ltd., Ranchi	(1) Steel wire ropes for winding purposes in mines— IS : 1855—1961 (2) Steel wire ropes for haulage purposes in mines— IS : 1856—1970	
17. CM/L-632 1964-02-21	76-02-01 to 77-01-31	Bayer India Ltd., Thana	Organic mercurial dry seed dressing formulations— IS : 3284—1965	
18. CM/L-712 1964-06-29	75-11-01 to 76-10-31	Sanganeria Co. Pvt. Ltd., Calcutta	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
19. CM/L-713 1964-06-29	75-11-01 to 76-10-31	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
20. CM/L-834 1964-11-09	76-02-01 to 77-01-31	Special Steels Ltd., Bombay-92	Steel wire for the core of steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
21. CM/L-865 1964-11-28	76-01-01 to 76-12-31	The Northbrook Jute Co. Ltd., Hooghly	(i) Indian hessian — IS : 2818—1971 (ii) Hessian bags— IS : 3790—1966	
22. CM/L-866 1964-11-28	76-01-01 to 76-12-31	Do.	Jute bags— IS : 1943—1964, IS : 2874—1964, IS : 2875—1964 IS : 2566—1965 & IS : 3794—1966	
23. CM/L-983 1964-12-24	76-01-16 to 77-01-15	Kamani Metallic Oxides Pvt. Ltd. Thana	Zinc oxide for paints— IS : 35—1950	
24. CM/L-989 1964-12-31	76-02-01 to 77-01-31	Special steels Ltd., Bombay	(i) Cold drawn stress-relieved wire— IS : 1785 (Part I)—1966 and (ii) As drawn wire— IS : 1785 (Pt II)—1967	
25. CM/L-1100 1965-06-16	76-01-01 to 76-12-31	The Indian Cable Co. Ltd., Jam- shedpur	Polythene insulated and PVC sheathed cables with aluminium/copper conductors— IS : 1596—1970	
26. CM/L-1152 1965-10-12	76-02-01 to 77-01-16	Bayer India Ltd. Thana	Methyl parathion EC— IS : 2865—1964	
27. CM/L-1176 1965-12-09	76-01-01 to 76-12-31	Kesoram Spun Pipe & Foundries, Distt. Hooghly	Centrifugal by cast (spun) iron pressure pipe for water gas and sewage— IS : 1536—1967	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
28. CM/L-1231 1966-03-25	76-02-01 to 77-01-31	Special Steels Ltd. Bombay	(i) Galvanized round armour wires for electric cables— IS : 434 (Part II)—1964 (ii) Mild steel wires and strips for armouring cables— IS : 3975—1967	
29. CM/L-1353 1966-11-23	76-01-01 to 76-12-31	Kores (India) Ltd. Thana (West)	Carbon paper for typewriters— IS : 1551—1959	
30. CM/L-1372 1966-12-26	76-01-01 to 76-12-31	Imperial stores & Agency Co. Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
31. CM/L-1374 1966-12-28	76-01-01 to 76-03-31	Annapurna Pulverising Mills, Eluru, West Godawari Distt.	Parathion FC— IS : 2129—1962	
32. CM/L-1389 1967-01-13	76-01-16 to 77-01-15	Amar Dye Chem Ltd., Bombay	B-oxy-naphthoic acid (bon acid)— IS : 3242—1964	
33. CM/L-1512 1967-09-12	76-02-01 to 77-01-31	Plava Chemicals, Madras	DJDT DP— IS : 564—1961	
34. CM/L-1516 1967-09-15	76-01-16 to 77-01-15	Star Fitting Works, Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
35. CM/L-1544 1967-10-09	75-12-01 to 76-11-30	The Hind Iron Foundry, Batala	Cast iron soil pipes upto 100mm size only— IS : 1729—1964	
36. CM/L-1578 1967-12-01	75-12-01 to 76-05-31	Jai Chemicals, Faridabad	BHC DP— IS : 561—1972	
37. CM/L-1585 1967-12-14	76-01-01 to 76-06-30	Hind Timber Industries, Yamuna-nagar	Plywood tea-chest battens— IS : 10—1970	
38. CM/L-1659 1968-03-27	76-01-16 to 77-01-15	Saudox (India) Ltd., Thana	DDT EC— IS : 633—1956	
39. CM/L-1712 1968-06-04	76-01-01 to 76-06-30	Parshotam Singh Gambhir, Yamunanagar Distt. Ambala	Plywood tea-chest battens— IS : 10—1974	
40. CM/L-1733 1968-07-08	76-01-16 to 77-01-15	Sun Industries, Calcutta-51	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
41. CM/L-1758 1968-08-01	76-01-01 to 76-12-31	Usha Martin Black (Wire Ropes) Ltd., Ranchi	Guide and rubbing ropes— IS : 3623—1966	
42. CM/L-1765 1968-08-13	75-10-16 to 76-10-15	P.V.S. Industries, Hospet.	BHC DP— IS : 561—1972	
43. CM/L-1799 1968-09-25	76-01-16 to 77-01-15	The Agro Industrial & Chemicals Co., Rudrapur (Nainital)	Endrin EC— IS : 1310—1974	
44. CM/L-1814 1968-10-15	75-10-16 to 76-10-15	L. Madanlal (Aluminium) Pvt. Ltd., Howrah	Wrought aluminium and aluminium alloy for utensils— IS : 21—1975	
45. CM/L-1823 1968-10-31	76-01-16 to 77-01-15	Hindustan Wood Industries, Thiruvalla, Distt. Alleppey (Kerala)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
46. CM/L-1881 1968-12-30	76-01-01 to 76-12-31	EMC Sangam Works, Allahabad	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
47. CM/L-1883 1968-12-30	76-01-01 to 76-12-31	Weston Corp. Jullundur City	Cricket and hockey bats — IS : 416—1963	
48. CM/L-1896 1969-01-21	76-01-01 to 76-12-31	The Indian Cable Co. Ltd. Golmuri, Jamshedpur	Thermoplastic insulated weather proof cables (i) PVC insulated and PVC sheathed (ii) Polyethylene insulated Braided and compounded cables— IS : 3035 (Part I)—1965 IS : 3035 (Part II)—1965	
49. CM/L-1919 1969-02-13	76-01-01 to 76-12-31	Do.	Flexible cables for miner's cap lamps— IS : 2593—1964	
50. CM/L-2018 1969-07-11	75-12-01 to 76-11-30	Jai Chemicals, Faridabad	Endrin EC— IS : 1310—1973	
51. CM/L-2029 1969-07-25	76-01-01 to 77-05-31	Mukand Iron & Steel Works Ltd. Kalive, Thana	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
52. CM/L-2030 1969-07-25	76-02-01 to 77-01-31	Kwality Ice Cream, New Delhi	Ice cream— IS : 2802—1964	
53. CM/L-2046 1969-08-28	75-02-16 to 77-02-15	Hulkoti Co-operative Cattle Feed Process Society Ltd. Hulkoti, Dharwar (Mysore)	Compounded feeds for cattle— IS : 2052—1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
54. CM/L-2109 1969-10-15	76-01-16 to 77-01-15	Khandesh Pesticides Pvt. Ltd. Dharangaon	BHC DP— IS : 561—1972	
55. CM/L-2144 1969-11-19	75-12-01 to 76-11-30	B.R. Herman & Mohatta (India) Pvt. Ltd. Ludhiana (Pb.)	Sand cast iron soil pipes, 75 mm and 100 mm size only— IS : 1729—1964	
56. CM/L-2180 1969-12-24	76-01-01 to 76-12-31	S.M. Ali Pvt. Ltd. Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
57. CM/L-2184 1969-12-31	76-01-16 to 77-01-15	Moti Electric Industries Pvt. Ltd. New Delhi.	PVC insulated sheathed and unsheathed cables, aluminium conductor, 250/440 and 650/1100 voltage grade— IS : 694 (Part II)—1964	
58. CM/L-2187 1969-12-31	76-01-01 to 76-06-30	Beco Engineering Co., Ltd. Batala (Ph.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969	
59. CM/L-2188 1969-12-31	76-01-01 to 76-06-30	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969	
60. CM/L-2192 1969-12-31	76-01-01 to 76-12-31	Swan (India) Pvt. Ltd. Faridabad	Ferro gallo tannate fountain pen ink— (0.1 percent iron content)— IS : 220—1972	
61. CM/L-2195 1969-12-31	76-01-01 to 76-12-31	P. Kothari & Co., Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
62. CM/L-2213 1970-01-15	76-01-16 to 77-01-15	Ajeet Industrial Corp., Dibrugarh (Assam)	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
63. CM/L-2219 1970-01-22	76-02-01 to 77-01-31	National Industries, Distt Trichur (Kerala)	IS : 10 (Part III)—1974	
64. CM/L-2238 1970-02-09	76-02-01 to 77-01-31	South India Wire Ropes Ltd., Edathala P.O. (Kerala)	Steel wire ropes for winding purpose in mines— IS : 1855—1961 (ii) Steel wire ropes for haulage purposes in mines— IS : 1856—1970	
65. CM/L-2239 1970-02-09	76-02-01 to 77-01-31	-do-	Steel wire ropes for general engineering purposes— IS : 2266—1970	
66. CM/L-2371 1970-07-22	76-01-16 to 77-01-15	Avadh Plywood Industries, Gonda (U.P.)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
67. CM/L-2400 1970-08-31	75-12-01 to 76-11-30	Artee Minerals, Faridabad	Malathion EC— IS : 2567—1973	
68. CM/L-2439 1970-10-30	76-01-16 to 77-01-15	Khandesh Pesticides Pvt. Ltd., Dharangaon, Distt. Jalgaon	DDT DP— IS : 564—1962	
69. CM/L-2440 1970-10-30	76-01-16 to 77-01-15	-do-	Endrin EC— IS : 1310—1974	
70. CM/L-2441 1970-10-30	76-01-16 to 77-01-15	-do-	DDT EC— IS : 633—1956	
71. CM/L-2484 1970-12-23	76-01-16 to 77-01-15	-do-	Malathion EC— IS : 2567—1973	
72. CM/L-2498 1971-01-04	76-01-16 to 77-01-15	Audithiya Minerals Traders, Cuddapah	BHC DP— IS : 561—1972	
73. CM/L-2505 1971-01-11	76-01-16 to 77-01-15	Shah Medical & Surgical Co. Ltd., Baroda	Sphygmomanometers murcurial— IS : 3390—1965	
74. CM/L-2532 1971-02-04	76-02-16 to 77-02-15	N.B. Industries, Indore	Water meters, inferential Type, dry dial, 15 mm— IS : 779—1968	
75. CM/L-2583 1971-03-10	75-12-16 to 76-12-15	Gedee Stool Pvt. Ltd., Coimbatore-18	Three-phase induction motors upto 5.5 kW (7.5 HP) with class 'A' insulation— IS : 335—1970	
76. CM/L-2723 1971-07-29	76-01-16 to 77-01-15	Mikir Hills Saw & Plywood Fac- tory, Mikir Hills (Assam)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
77. CM/L-2739 1971-08-16	76-02-16 to 77-02-15	Chemicals & Plastics India Ltd., Mettur Dam Salem Distt.	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies : (i) upto and including 160 mm size and of rating 2.5 kgf/cm <sup>2</sup> , 4 kgf/cm <sup>2</sup> , 6 kgf/cm <sup>2</sup> (ii) upto and including 110 mm size and rating 10 kgf/cm <sup>2</sup> IS : 4985—1968	
78. CM/L-2748 1971-08-25	75-12-01 to 76-11-30	Steel Tubes of India Pvt. Ltd., Dewas (M.P.)	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes ERW—17 and CEW—17 types— IS : 3601—1966	
79. CM/L-2760 1971-09-30	76-02-01 to 77-01-31	Allied Industrial Traders, Lucknow	Single barrel stirrup pump— IS : 1971—1972	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
80. CM/L-2780 1971-10-08	75-10-16 to 76-10-15	Indo Japan Steel Ltd., Calcutta	Mild steel tape for armouring cables ungalvanized— IS : 3975—1967	
81. CM/L-2799 1971-11-05	75-11-16 to 76-05-15	The Indian Steel Rolling Mills Ltd., Nagapattinam	Galvanized steel barbed wire for fencing, sizes 1, 2, 3 & 4 of Type A— IS : 278—1969	
82. CM/L-2812 1971-11-18	76-02-01 to 77-01-31	Raj Raman Industries, Kanpur	Miners' safety leather boots and shoes— IS : 1989—1967	
83. CM/L-2813 1971-11-25	75-12-01 to 76-11-30	Crop Health Products Pvt Ltd., Ghaziabad	Endrin EC— IS : 1310—1973	
84. CM/L-2814 1971-11-25	75-12-01 to 76-11-30	do—	Aldrin EC — IS : 1307—1973	
85. CM/L-2819 1971-11-26	75-12-01 to 76-11-30	Agarwal Hardware Works (P) Ltd., Dhanbad (Bihar)	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
86. CM/L-2824 1971-11-29	76-02-01 to 77-01-31	Allied Industrial Traders, Lucknow-1	Rocker sprayer— IS : 3062—1970	
87. CM/L-2878 1972-01-15	76-02-01 to 77-01-31	Standard Batteries Ltd., Madras—	Miners' cap lamps batteries (lead-acid type)—0.8 ampere rating— IS : 2512—1963	
88. CM/L-2888 1972-01-31	76-02-01 to 77-01-31	Hindustan Steel Ltd., Madras	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
89. CM/L-2906 1972-02-04	76-02-16 to 77-02-15	Kirloskar Oil Engines Ltd., Poona-3	Vertical Diesel engines of the following ratings : IS : 1601—1960	
			kW R.M.P. Type Brand	
			1. 2.20 (3 HP) 1500 KV1) } 2. 3.67 (5 HP) 1500 AV1) 3. 3.67 (5 HP) 1500 CA1) 4. 3.67 (5 HP) 2500 DV1) 5. 4.41 (6 HP) 1500 TA1) 6. 4.41 (6 HP) 1800 AV1) } 'KIRLOSKAR' 7. 4.41 (6 HP) 1800 GV1) 8. 5.15 (7 HP) 1500 TV1) 9. 5.88 (8 HP) 1800 SV1) 10. 7.35 (10 HP) 1500 AV2) 11. 7.35 (10 HP) 1500 CA2) 12. 3.67 (5 HP) 1500 LAV1) 13. 4.41 (6 HP) 1800 LAV1) } 'LAKAKIT'	
90. CM/L-2907 1972-02-04	76-02-16 to 77-02-15	Copper Engineering Ltd., Satara Road, South Central Rly. (Maharashtra)	Diesel engines of the following ratings— IS : 1601—1960	
			kW R.P.M. Type	
			1. 2.6 (3.5 HP) 1500 CVR-3.5 2. 3.4 (4.5 HP) 1750 CVR-3.5 3. 3.75 (5.0 HP) 1500 SVC-5 4. 3.75 (5.0 HP) 1800 CVR-5 5. 4.1 (5.5 HP) 2000 CUB 6. 4.5 (6.0 HP) 2200 CVR-6 7. 4.9 (6.5 HP) 1800 SVC-6.5 8. 5.25 (7.0 HP) 2000 CVR-7 9. 7.5 (10 HP) 1500 TVC-10 10. 3.75 (5.0 HP) 700 RCA 11. 4.5 (6.0 HP) 725 HC-6 12. 6.0 (8 HP) 750 CR-8 13. 7.5 (10.0 HP) 750 CR-10 } Horizontal engines	Vertical engines
91. CM/L-3086 1972-06-23	76-01-01 to 76-06-30	Gujarat State Co-operative Marketing Society Ltd., Ahmedabad	BHC DP— IS : 561—1972	
92. CM/L-3172 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	Amar Dye Chem Ltd., Shahad, Kalyan (MS)	O-chloroaniline— IS : 4334—1967	
93. CM/L-3173 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	-do-	m-chloroaniline— IS : 4335—1967	
94. CM/L-3174 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	-do-	p-chloroaniline— IS : 4336—1967	
95. CM/L-3175 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	-do-	2, 5-Dichloroaniline— IS : 4526—1968	
96. CM/L-3176 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	-do-	p-Anisidine— IS : 5646—1970	
97. CM/L-3177 1972-09-28	76-01-16 to 77-01-15	-do-	p-Toluidine— IS : 5647—1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
98. CM/L-3178	76-01-16 to 1972-09-28	76-01-15 77-01-15	Amar Dye Chem. Ltd., Shahad, Kalyan (MS)	O-toluidine— IS : 5649—1970		
99. CM/L-3185	76-02-01 to 1972-10-13	76-01-31	Chloride India Ltd., Shamnagar (W.B)	Miner's cap lamp batteries (lead acid type)—0.8 amp rating— IS : 2512—1963		
100. CM/L-3188	76-02-16 to 1972-10-19	76-02-15 77-02-15	Copper Engineering Ltd., Satara Road (Maharashtra)	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold fresh water for agricultural purposes, Model (H.P. 65) size 75×65 mm and Model (HP 100 size 100× 100 mm)— IS : 6595—1972		
101. CM/L-3221	75-12-01 to 1972-11-28	76-11-30	Steel Tubes of India Pvt. Ltd., Dewas (M.P.)	Steel tubes for automotive purposes, Grade ERW-1 only IS : 3074—1965		
102. CM/L-3247	75-12-16 to 1972-12-28	76-12-15	Brook Bound India Ltd., White- field, Bangalore Distt	Soluble coffee powder— IS : 2791—1964		
103. CM/L-3263	75-12-16 to 1972-12-19	76-06-15	Janta Engineering Foundry Works, P.O. Chakulia, Distt Singhbhum (Bihar)	Sand cast iron spigot and socket soil, waste an ventilating pipes, fittings and accessories— IS : 1729—1964		
104. CM/L-3267	76-01-01 to 1973-01-03	76-06-30	Acumac Engineers and Manufac- turers, Bangalore-31 (Mysore)	Live centres— IS : 3793—1966		
105. CM/L-3279	76-01-01 to 1973-01-05	76-12-31	Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Kamleshwar, Distt Nagpur (Maharashtra)	Steel gas cylinders of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low pressure liquefiable gases— IS : 3196—1974		
106. CM/L-3289	76-01-16 to 1973-01-08	77-01-15	Elite Products, Calicut	Desiccated a coconut— IS : 966—1962		
107. CM/L-3299	76-01-16 to 1973-01-15	77-01-15	Vidarbha Co-operative Marketing Society Ltd., Amravati	DDT DP— IS : 564—1961		
108. CM/L-3308	76-02-01 to 1973-01-29	77-01-31	Kalyan Industrial Corpn., P.O. Katihar, Distt Purnea (Bihar)	Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280—1972		
109. CM/L-3309	75-12-16	76-12-15	Pathankot Industries Pvt. Ltd., Pathankot	Plywood tea-chest battens— IS : 10—1970		
110. CM/L-3310	76-02-01 to 1973-01-30	77-01-31	Oswal Cables Pvt. Ltd., Jaipur	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power trans- mission purposes— IS : 398—1961		
111. CM/L-3311	76-02-01 to 1973-01-30	77-01-31	Indian Plastics Ltd., Bombay-67	Melamine formaldehyde moulding materials— IS : 3669—1966		
112. CM/L-3316	76-01-01 to 1973-01-31	76-12-31	Devidayal Electronics & Wires Ltd., Thana (Maharashtra)	Steel wire for ropes— IS : 1835—1972		
113. CM/L-3317	76-02-01 to 1973-01-31	77-01-31 to	Hind Trading & Mfg Co., New Delhi	Ball valves (Horizontal plunger type) including floats for water supply purposes, low pressure and high pressure, 15,20, 25, 32, 40 and 50 mm sizes IS : 1703—1968		
114. CM/L-3318	76-02-01 to 1973-01-31	77-01-31	-do-	Sand cast brass screw down stop taps for water services, 25, 32, 40 & 50 mm sizes and cast brass screw down bib taps and stop taps, 15 mm size only— IS : 781—1967		
115. CM/L-3319	76-02-01 to 1973-01-31	77-01-31	Aurofood Pvt. Ltd., Pondicherry	Biscuits— IS : 1011—1968		
116. CM/L-3322	76-01-01 to 1973-02-06	76-12-31	Devidayal Electronics and Wires Ltd., Thana	Type	Voltage Grade	Conductor
				(a) VIR cables for fixed wiring		
				(i) TRS (tough rubber sheathed)	250/440 volts & 650/1100 volts	Copper or aluminium -do-
				(ii) Braided and com- pound		
				(iii) Weatherproof	250/440 volts	
				(iv) Flame retarding	250/440 volts 650/1100 volts	
				(v) Weatherproof	650/1100 volts	
						Aluminium only

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
117. CM/L-3323 1973-02-16	76-01-01 to 76-12-31	Devidayal Electronics and Wires Ltd. Thana	(b) VIR flexible cables (vi) Welding cables	Copper or aluminium
118. CM/L-3324 1973-02-06	76-01-01 to 76-12-31	-do-	(c) VIR flexible cords (vii) TRS (tough rubber 250/440 sheathed) volts	Copper only
119. CM/L-3409 1973-05-07	75-10-16 to 76-10-15	P.V.S. Industries, Hospet	IS : 434 (Part I)—1964 and IS : 434 (Part II)—1964	
120. CM/L-3431 1973-05-30	76-02-01 to 77-01-31	Bayer India Ltd, Thana (M.S.)	PVC insulated cables, sheathed and unsheathed 250/440 volts and 650/1100 volts grade with Copper and aluminium conductors; and	
121. CM/L-3557 1973-09-25	76-01-01 to 76-06-30	C. Shuderson & Co, Shahdara Delhi-110032.	(2) PVC insulated flexible cord, sheathed 250/440 volts grade with copper conductors— IS : 694 (Pt II)—1964	
122. CM/L-3612 1973-11-28	76-02-01 to 77-01-31	Metals Craft, Calcutta-700002.	Steel wire for the core of steel cored aluminium Conductors— IS : 398—1961	
123. CM/L-3641 1973-12-13	76-01-01 to 76-06-30	Sri Bengal Tea-chest Fittings Mfg Pvt Ltd, Calcutta-6.	Endrin EC— IS : 1310—1974	
124. CM/L-3645 1974-01-07	76-01-01 to 76-12-31	Reyrolle Burn Ltd, Howrah (W.B.)	Fenitrothion EC— IS : 5281—1969	
125. CM/L-3646 1974-01-07	76-01-01 to 76-12-31	Consolidated Pneumatic Tool Co. (India) Ltd, Bombay-80 NB	Brass ball valves (horizontal plunger type) size s 15, 20 & 25 mm. IS : 1703—1968	
126. CM/L-3647 1974-01-07	76-01-01 to 76-12-31	Jardine Victor Ltd, Dhanbad (Bihar)	Protective steel toe caps for footwear— IS : 5852—1970	
127. CM/L-3648 1974-01-07	76-01-01 to 76-12-31	Andrew Yule & Co Ltd, Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
			Flameproof enclosure for : (i) 'IGA 13' air break circuit breaker panel 300 amp max. up to 660 volts 3-Phase, rupturing capacity 7 MVA (Group I & II A) (ii) 'IGA 4' air-break circuit breaker panel 100 amp max., upto 660 volts 3 phase rupturing capacity 2 MVA (Group I & II A) (iii) 'IFS 6' meter with current transformer operated or direct reading ammeter up to 60 amp or voltmeter up to 660 volts (Group I & II A) IS : 2148—1968	
			Flameproof enclosure for portable electrical drilling machine, CP-535 p 3-phase, 125 volts 1.1 kW (1.5 HP), 1/2 hour rating Group I IS : 2148—1968	
			Flameproof enclosures for : (i) Electric rotary drill with 3-phase squirrel cage induction motor, 1.1 kW (1.5 HP), 125 volts, 1/2 hour rating style No. 11422 and 11423 (Group I) (ii) Restrained plug and socket, 30 amp and 15 0 amp style No. 2422 and 2423 (Group I) (iii) Combined switch fuse units ; 250 volts max 20 amp maximum; style reference 41428 Amp (Group I) (iv) Fourway lighting junction box rating 25 amp max; 250 volts max fitted with sealing box and glad style 41440 and 41293 (Group I) (v) Air-cooled lighting transformer 2 KVA single- phase, type I GL 1 Primary voltage 400-500 volts secondary voltage $110 \pm 100\%$ volts style 8288 (Group I) IS : 2148—1968	
			Flameproof enclosures for : (i) Lighting transformer (a) 1 to 5 KVA, single-phase 550/ 110 volts type Y 70/c and top and side plates and flanges and cablebox and glands for use with cables to be associated with these types of transformers (Group I)	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
				<ul style="list-style-type: none"> <li>(b) 1/2 to 1 KVA, 550/110 volts, type Y 72/D (Group 1)</li> <li>(ii) Air break gate and switch unit 150 amp 550 volts, 3-phase, type Y/70/B (Group 1)</li> <li>(iii) Air break circuit breaker panel 100 amp, 200 amp and 300 amp, 660 volts, 3-phase type A/39/52 (Group 1)</li> <li>(iv) Bell signalling transformers single-phase 25 VA 110/15 volts type Y 72/D (Group 1)</li> <li>(v) Push button station 5 amp ; up to 650 volts; type Y 71/PBS (Group 1)</li> <li>(vi) Straight through joint box, 200 amp 650 volts, type Y 71/STJ (Group 1)</li> <li>(vii) Adaptor, rating up to 100 amp and 650 volts type Y 71/A (Group 1)</li> </ul>

IS : 2148-1968

128. CM/L-3650 1974-01-07	76-01-01 to 76-12-31	Kirloskar Electric Co, Bangalore-10	Flameproof enclosures for : Three-Phase squirrel cage induction motors voltage up to 650 volts ; Frame sizes and ratings as given below :
------------------------------	-------------------------	-------------------------------------	--

Sl No.	Frame	Group	Ratings (Max)				
			2 poles	4 poles	6 poles	8 poles	10 poles
1. NE-112	I,IIA	KW	4	4	2.2	1.5	—
	& IIB	(HP)	(5.5)	(5.5)	(3)	(2)	—
2. NE-132	-do-	KW	7.5	7.5	5.5	3	—
		(HP)	(10)	(10)	(7.5)	(4)	—
3. NE-160	-do-	KW	18.5	15	11	7.5	5.5
		(HP)	(25)	(20)	(15)	(10)	(7.5)
4. NE-180	-do-	KW	22	22	15	11	7.5
		(HP)	(30)	(30)	(20)	(15)	(10)
5. NE-200	-do-	KW	37	30	22	15	11
		(HP)	(50)	(40)	(30)	(20)	(15)
6. NE-250	-do-	KW	55	55	37	30	22
		(HP)	(75)	(75)	(50)	(40)	(30)
7. E-315	-do-	KW	90	90	55	45	37
		(HP)	(120)	(120)	(75)	(60)	(50)

IS : 2148—1968

129. CM/L-3656 1974-01-08	76-01-16 to 77-01-15	Kovai Pesticides, Pollachir Distt Coimbatore	DDT DP— IS : 564—1961
130. CM/L-3662 1974-01-09	76-01-16 to 77-01-15	Farmico Pvt Ltd, Himatnagar, Sabarkanta (Gujarat)	BHC DP— IS : 561—1962
131. CM/L-3663 1974-01-09	76-01-16 to 77-01-15	-do-	BHC WDP— IS : 562—1972
132. CM/L-3665 1974-01-09	76-01-16 to 77-01-15	Motilal Pesticides (India) Mathura (U.P.)	Endrin EC — IS : 1310—1974
133. CM/L-3666 1974-01-09	76-01-16 to 77-01-15	Motilal Pesticides India, Mathura	Aldrin EC— IS : 1307—1973
134. CM/L-3675 1974-01-14	76-01-16 to 77-01-15	Jayant Color and Chemical Industries, Bombay-400010	Cement paint colour as required— IS : 5410—1969
135. CM/L-3678 1974-01-22	76-02-01 to 77-01-31	Mehsana Tin Factory, Mehsana.	18 litre square tins— IS : 916—1966
136. CM/L-3683 1974-01-25	76-02-01 to 76-11-15	Star Steel Pvt Ltd, Baroda.	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
137. CM/L-3684 1974-01-25	76-02-01 to 76-11-15	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
138. CM/L-3689 1974-01-28	76-02-01 to 77-01-31	Shri Ishar Alloy Steels Pvt. Ltd., Indore M.P.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality). IS : 6915—1973
139. CM/L-3690 1974-01-28	76-02-01 to 77-01-31	-do- I	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
				KW R.P.M. Type
140. CM/L-3698	1974-02-07	74-02-01 to 77-01-31	Sterling Machine Tools, Agra.	Vertical diesel engines single cylinder, four stroke water cooled of the following ratings— IS : 1601—1960
				KW R.P.M. Type
				(1) 3.67 (5 HP) 1500 (2) 4.4 (6 HP) 650 LR-1 (3) 4.77 (6.5 HP) 1500 (4) 5.5 (7.5 HP) 1500 (5) 5.8 (8.0 HP) 850 LR-2
141. CM/L-3699	1974-02-06	76-02-01 to 77-01-31	Kilpest Pvt. Ltd, Bhopal.	BHC DP— IS : 561—1972
142. CM/L-3700	1974-02-06	76-02-01 to 77-01-31	Kilpest Pvt Ltd, Bhopal.	DDT dusting powders— IS : 564—1961
143. CM/L-3708	1974-02-16	76-02-16 to 77-02-15	Karthikeya Foundry, Coimbatore-18 (Tamil Nadu).	Three-phase induction motors up to and including 3.7 kW (5 HP) with class 'A' insulation— IS : 325—1970
144. CM/L-3709	1974-02-08	76-02-16 to 77-02-15	Mulakh Raj & Co, New Delhi.	Milk butyrometers 11.04 ml 10% milk scale— IS : 1223 (Part I)—1970
145. CM/L-3792	1974-04-02	76-02-01 to 77-01-31	Rallies India Ltd, Madras.	DDT WDP— IS : 565—1961
146. CM/L-3827	1974-05-10	75-11-16 to 76-11-15	Jindal Pipes Pvt. Ltd, Ghaziabad (U.P.).	Mild steel tubes, light and medium— IS : 1239 (Part I)—1973
147. CM/L-3861	1974-06-28	76-01-01 to 76-06-30	Hindustan Lime Products, Sojat Road, (Rajasthan).	Hydrated lime Grade A & B— IS : 1540 (Pt. II)—1970
148. CM/L-3871	1974-07-03	76-02-01 to 77-01-31	Burn & Co Ltd, Howrah.	Sluice valves for water works purposes, 50 mm to 300 mm sizes. class I— IS : 780—1969
149. CM/L-3893	1974-07-25	76-01-31 to 76-12-31	Hind Metal & Allied Industries, Batala (Pb.).	Brass ball valves (horizontal plunger type) size 15 mm only— IS : 1703—1968
150. CM/L-3901	1974-07-26	76-02-21 to 77-01-31	Ashoka Biscuits Works, Hyderabad.	Biscuits— IS : 1011—1969
151. CM/L-3928	1974-08-28	76-02-16 to 76-08-15	Krishi Chemin P. Ltd, Bangalore.	Endrin EC— IS : 1310—1974
152. CM/L-3984	1974-10-04	75-10-16 to 76-10-15	Artee Minerals Works, Faridabad	Endosulfan emulsifiable concentrates— IS : 4323—1967
153. CM/L-4062	1974-11-25	75-12-01 to 76-11-30	Metal Engineering & Co, Calcutta-6.	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970
154. CM/L-4067	1974-11-28	75-12-01 to 76-11-30	Kilpest Pvt Ltd, Bhopal.	Aldrin DP— IS : 1308—1958
155. CM/L-4104	1974-12-30	76-01-01 to 76-12-31	Kalinga Tubes Ltd, Choudwar (Orissa).	Electrically welded steel pipe for water gas and sewage— IS : 3589—1966
156. CM/L-4109	1974-12-30	76-01-01 to 76-12-31	The Aluminium Industries, Kunderala (Kerala).	Galvanized stay strand, Grade 3— IS : 2141—1968
157. CM/L-4110	1974-12-30	76-01-01 to 76-12-31	Deccan Stainless Steel & Wire Industries, Hyderabad.	Aluminium kiln boiler— IS : 7185—1973
158. CM/L-4112	1974-12-31	76-01-01 to 76-12-31	Kalinga Tubes Ltd., Dist. Cuttack (Orissa).	Steel tubes tubulars and other steel fittings— IS : 1239 (Part I)—1973
159. CM/L-4113	1974-12-31	76-01-01 to 76-12-31	Kedia Industries, Jaipur.	Brass ball valve (horizontal plunger Type) 15 mm HP— IS : 1703—1968
160. CM/L-4116	1974-12-31	76-01-01 to 77-05-31	Mukand Iron & Steel Works Ltd, Kliwe, Thana (Maharashtra).	Carbon and carbon manganese free cutting steels— IS : 4431—1967
161. CM/L-4117	1974-12-31	76-01-01 to 77-05-31	-do-	Carbon steel billets blooms, slabs and bars for forgings— IS : 1875—1971
162. CM/L-4118	1975-01-06	76-01-16 to 77-01-15	Bharath Chemical Manufacturers and Traders, Chikmagalur Dist. (Karnatak).	Copper sulphate— IS : 261—1966
163. CM/L-4123	75-01-08	76-01-16 to 76-09-30	Asian Cables Corp Ltd, Thana.	Shot firing cables single shot; single shot or multi-shot, PVC insulated, parallel twin— IS : 5950—1971

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
164. CM/L-4126 1975-01-10	76-01-16 to 77-06-15	Devidayal (Sales) Pvt Ltd, Bom- bay.	Carbaryl WDP— IS : 7121—1973	
165. CM/L-4127 1975-01-10	76-01-16 to 77-06-15	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
166. CM/L-4134 1975-01-10	76-01-16 to 77-01-15	Rocket Engineering Corp., (Ahmedabad) Ahmedabad.	Vertical, single cylinder water-cooled diesel engines of the following ratings—IS : 1601-1960 kW	R.P.M. Type
			3.67 (5 HP)	1500 RVL 1
167. CM/L-4136 1975-01-10	76-01-16 77-01-15	Biecco Lawrie Ltd, Calcutta-23.	(i) Three phase induction motors from 0.75 kW (1 HP) upto and including 37 kW 50 (HP) with class 'A' insulation (ii) Three-phase induction motors 7.5 kW (10 HP) with class 'E' insulation— IS : 325—1970	
168. CM/L-4151 1975-01-17	76-01-01 to 76-11-15	Apar Pvt Ltd, Kalyan.	Covered electrode or metal arc welding of structural steel— IS : 814 (Part II)—1974	
169. CM/L-4152 1975-01-22	76-02-01 to 77-01-31	Bombay Foods Pvt Ltd, Surat.	Domestic gas stoves for use with liquified petro/cum gases. IS : 4246—1972	
170. CM/L-4153 1975-01-22	76-02-01 77-01-31	Rajkot Dist Gopalak Co-op Milk Producers Union Ltd, Rajkot.	Milk powder (whole and skim)— IS : 1165—1967	
171. CM/L-4154 1975-01-22	76-01-16 to 77-9-15	Madhusudan Industries, Mad- ras-600081.	DDT EC— IS : 633—1956	
172. CM/L-4156 1975-01-22	76-02-01 to 77-01-31	Industrial Resin & Plastics, Udyognagar, Distt Surat.	Non-metal helmets or civil defence— IS : 2300—1968	
173. CM/L-4157 1975-01-22	76-02-01 to 77-01-31	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd, Bombay.	Karbaryl WDP— IS : 7121—1973	
174. CM/L-4166 1975-01-22	76-02-01 to 77-01-31	Jyoti Wire Industries, Bombay- 400058.	All aluminium conductors and ASCR conductors— IS : 398—1961	
175. CM/L-4176 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	The Punjab Dairy Development Corpn. Ltd., Amritsar.	Whole and skim milk powders— IS : 1165—1967	
176. CM/L-4182 1975-01-30	76-02-01 to 76-07-31	Haryana Milk Foods, Kurukshetra.	Skim milk powder— IS : 1165—1967	
177. CM/L-4184 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	Karnataka Chemicals & Pesticides Kandli P.O.	BHC DP— IS : 561—1972	
178. CM/L-4186 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	Rabin Chemicals Pvt Ltd, Madras- 600029.	Coal tar food colour preparations— IS : 5346—1969	
179. CM/L-4192 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	Madhusudan Industries, Madras- 600081.	DDT WDP— IS : 565—1961	
180. CM/L-4194 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	Sunfarm Feeds, Hubli (Karna- taka).	Compounded feed for cattle— IS : 2052—1968	
181. CM/L-4195 1975-01-30	76-02-01 to 77-01-31	National Product, Bangalore- 560006.	Chewing gum and bubble gum— IS : 6747—1972	
182. CM/L-4198 1975-02-10	76-02-16 to 76-09-30	Govan Industrial Corp., New Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for wor- king voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Part I)—1964	
183. CM/L-4199 1975-02-10	76-02-01 to 77-01-31	The Punjab Dairy Development Corpn Ltd, Ludhiana.	Milk powder (whole and skim). IS : 1165—1965	
184. CM/L-4200 1975-02-10	76-02-16 to 77-02-15	Sehgal Sanitary Fittings Pvt Ltd, Adampur, Distt. Jullun- dur.	Brass ball valves, 15 mm size high and low pressure— IS : 1703—1968	
185. CM/L-4201 1975-02-10	76-02-16 to 77-02-15	Prakash Pulverising Mills, Alwar.	Carbaryl dusting powders— IS : 7122—1973	

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1979

## शुद्धिपत्र

का०आ० 596.—भारत सरकार के 30 मित्तम्बर, 1978 के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 2695 की पंक्ति 5 में प्रकाशित हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 15 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या ए०म०००२३८४ में “महाराष्ट्र विश्वविद्यालय” के स्थान पर “मराठवाड़ा विश्वविद्यालय” पढ़े।

[संख्या वी० 11013/1/78-ए०म०००१०(पी०)]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

## (Department of Health)

New Delhi, the 31st January, 1979

## CORRIGENDUM

S.O. 596.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 2884 dated the 15th September, 1978, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 30th September, 1978 at page 2695 in line 5 for “Maharashtra University” read “Marathwada University”.

[No. V. 11013/1/78-M.E. (Policy)]

का०आ० 597.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसरण में अर्द्धान विश्वविद्यालय द्वारा बर्द्धवान मैडीकल कालेज, बर्द्धवान के प्रिमिपल डा० वी० चक्रवर्ती को 10 अगस्त, 1978 में भारतीय चिकित्सा परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या ए०म०००१३८ में निम्ननिवित्त और संशोधन करती है, प्रथात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित”, शीर्ष के अंतर्गत कम संख्या 52 और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्ननिवित्त कम संख्या और प्रविष्टि जोड़ी जाए, प्रथात् :—

“53. डा० वी० चक्रवर्ती, प्रिमिपल, बर्द्धवान मैडीकल कालेज, बर्द्धवान, पश्चिम बंगाल।”

[संख्या वी० 11013/1/78-ए०म००१०(पी०)]

S.O. 597.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. B. Chakravarti, Principal, Burdwan Medical College, Burdwan, has been elected by the Burdwan University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 10th August, 1978;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the late Ministry of Health No. S.O. 133 dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3”, after serial No. 52 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be inserted, namely :—

“53. Dr. B. Chakravarti,  
Principal,  
Burdwan Medical College,  
Burdwan, West Bengal.”

[No. V. 11013/1/78-M.E. (Policy)]

का०आ० 598.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों के अनुसरण में पंजाब सरकार ने डा० ए०म००१० कोहली, निदेशक, अनुसंधान संथा चिकित्सा शिक्षा, पंजाब, बंडीगढ़ की 6 नवम्बर 1978 से भारतीय चिकित्सा परिषद का सदस्य मनोनीत किया;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या ए०म००१० 138 में निम्ननिवित्त संशोधन करती है, प्रथात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन मनोनीत”, शीर्ष के अंतर्गत कम संख्या 11 और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्ननिवित्त कम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, प्रथात् :—

“11. डा० ए०म० ए०म० कोहली,

निदेशक,

अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा,

पंजाब, बंडीगढ़।”

[संख्या वी० 11013/1/78-ए०म००१०(पी०)]

S.O. 598.—Whereas in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) the Government of Punjab have nominated Dr. M. S. Kohli, Director, Research and Medical Education, Punjab, Chandigarh, to be a member of the Medical Council of India with effect from the 6th November, 1978 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the said notification of the late Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3”, for serial No. 11 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

“11. Dr. M. S. Kohli,

Director,

Research and Medical Education,

Punjab, Chandigarh.”

[No. V. 11013/1/78-M.E. (Policy)]

का०आ० 599.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपबंधों के अनुसरण में डा० कैलाला मी० कोटिया, 10-विवेकानन्द मार्ग, जयपुर को डा० पिनाम्बर द्याल, जिनकी सदस्यता की अवधि 9 दिसम्बर, 1978 की समाप्त हो गई थी, के स्थान पर राजस्थान निर्वाचित क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या ए०म००१० 138 में निम्ननिवित्त और संशोधन करती है, प्रथात् :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के अधीन मनोनीत”, शीर्ष के अंतर्गत कम संख्या 13 और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्ननिवित्त कम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, प्रथात् :—

“13. डा० कैलाला मी० कोटिया,

10-विवेकानन्द मार्ग,

जयपुर।”

[संख्या वी० 11013/1/78-ए०म०१०(पी०)]

प्रार० वी० श्रीनिवासन, उप सचिव

**S.O. 599.**—Whereas in pursuance of the provision of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Kailash C. Kotia, 10-Viveka Nand Marg, Jaipur, has been elected to be a member of the Medical Council of India from the Rajasthan Constituency vice Dr. Pitambar Dayal, whose term of membership expired on 9th December, 1978;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the late Ministry of Health No. S.O. 138 dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (c) of sub-section (1) of section 3", for serial No. 13 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be substituted, namely :—

"13. Dr. Kailash C. Kotia,  
10-Viveka Nand Marg,  
Jaipur."

[No. V. 11013/1/78-M.E. (Policy)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1979

**S.O. 600.**—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार की अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का ० आ० सं० 3320 नारीख 30-10-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंत्रालय अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाईनों को विभाग के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यह: मध्यम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे शी है;

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मंत्रालय अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का यिनिष्चय किया है;

अब, अन्त: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मध्यम अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभाग के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शावितयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विद्वित होने के बजाय नेलओर प्राकृतिक रैम आयोग में, सभी वाधाओं से उपयोग में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी० जी० एस-VII से जी० जी० एस-I तक पाइप लाइन विभाग के लिए।

राज्य: गुजरात	जिला व तालुका: गांधी नगर	
गांव	मर्क नं०	लैंडपर ए. आर. ई. सेन्टीएक्यूर.
उवारसद	1109/1 1107	0 03 75 0 06 75
सरथा	722 719	0 03 75 0 04 50

[सं० 12016/4/78-प्र०]

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS &  
FERTILIZER  
(Department of Petroleum)**

New Delhi, the 30th January, 1979

**S.O. 600.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3320 dated the 30th October, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of powers conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

**SCHEDULE**

Pipeline From GGS VII to GGS I			
State : Gujarat	Dist. & Taluk	Gandhinagar	
Village	Survey No.	Hectare	Acre Centi- are
UVARSAD	1109/1 1107	0 03 0 06	75 75
SERTHA	722 719	0 03 0 04	75 50

[No. 12016/4/78-Prod.]

**S.O. 601.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि लकड़ा जी० जी० एस० नं० ५ से रुद्रामर-लकड़ा पाइप लाइन तक के बीच पेट्रोलियम उत्पादी के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेज एवं प्राकृतिक रैम आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की विभाग के प्रयोजन के लिए एतद्वारा उपावह अनुसूची में कर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पैदानियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का प्रबंधन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आण्ड एन्ड्राइव बींचित किया है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई उम भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप अवश्य प्रमंडल पदाधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंग।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टम् यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवश्यमायी की मार्फत।

### प्रत्यक्षी

लक्वा जी० जी० एस० नं० ५ में रुद्रसार-लक्वा पाइप लाइन तक की पाइपलाइन

राज्य : असम	ज़िला : शिवसागर, :	तालुक :	बकाता		
			मर्वे नम्बर	हेक्टेयर	ऐरे
1	2	3	4	5	
बरपियाल	515/क्हा			3	21
	516/क्हा			3	21
	630/क्हा		12	31	
	360/क्हा		1	34	
	487/क्हा		3	88	
	482/क्हा		0	67	
	489/क्हा		12	31	
	518/क्हा		14	72	
	517/क्हा		3	21	
	636/क्हा		2	01	
	637/क्हा		4	55	
	377/क्हा		0	12	31
	360/क्हा		0	1	34
	487/क्हा		0	3	88
	482/क्हा		0	0	67
	489/क्हा		0	12	31
	518/क्हा		0	14	72
	517/क्हा		0	3	21
	636/क्हा		0	2	01
	637/क्हा		0	4	55
	379/क्हा		0	1	07
	396/क्हा		0	6	42
	377/क्हा		0	3	88
	392/क्हा		0	1	07
	394/क्हा		0	1	61
	370/क्हा		0	8	56
	361/क्हा		0	16	46
	364/क्हा		0	0	80
	363/क्हा		0	10	43

[सं 12016/2/79-प्र०]

**S.O. 601.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa GGS. No. 5 to Rudrasagar-Lakwa Pipeline in Sibsagar District, Assam, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of User therein;

PROVIDED THAT any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline From Lakwa GGS No. 5 to RDS-LKW Pipeline

State: Assam	Dist.: Sibsagar	Taluk: Bakata	Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cen- tiare
BOROPIAL	515/Kha	0	3	21			
	515/Kha	0	3	21			
	630/Kha	0	12	31			
	360/Kha	0	1	34			
	487/Kha	0	3	88			
	482/Kha	0	0	67			
	489/Kha	0	12	31			
	518/Kha	0	14	72			
	517/Kha	0	3	21			
	636/Kha	0	2	01			
	637/Kha	0	4	55			
	379/Kha	0	1	07			
	396/Kha	0	6	42			
	377/Kha	0	3	88			
	392/Kha	0	1	07			
	394/Kha	0	1	61			
	370/Kha	0	8	56			
	361/Kha	0	16	46			
	364/Kha	0	0	80			
	363/Kha	0	10	43			

Village	Survey No.	Hector	Arc	Centi- tiare
BOROPIAII	367/Kha	0	1	87
	381/Kha	0	2	94
	339/Kha	0	8	56
	632/Kha	0	0	67
	633/Kha	0	5	08
	514/Kha	0	5	08
	395/Kha	0	12	31
	390/Kha	0	4	55
	382/Kha	0	2	68
	662/Kha	0	0	27
	383/Kha	0	3	21
	384/Kha	0	3	21
	374/Kha	0	3	21
	380/Kha	0	2	27
	368/Kha	0	3	21
	397/Kha	0	0	94
	378/Kha	0	2	68
	650/Kha	0	7	49
	651/Kha	0	1	34
	644/Kha	0	9	63
	635/Kha	0	1	07
	652/Kha	0	3	88
	375/Kha	0	3	88
	665/Kha	0	5	75
	337/Kha	0	0	80
	197/Kha	0	6	56

[No. 12016/2/79-Prod.]

**का० आ० 602.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोक-हिन में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० के० ओ० ओ०-९ से ओ० जी० एम०-IV तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी आहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिये एतद्वापाद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जीत करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्योलियम और अनिज पाइप लाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की धारा 3 की उपधारा ( 1 ) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्यालाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की नामीष में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

के० ओ० ओ०-९ से जी० जी० एम०-IV तक पाइप लाइन बिलाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिला :	मेहमाना	तालुका :	कलोल
गांव	ब्लोक नं०	लेक्टर	एमार्गई सेस्टीयर	
धरमामना	879	0	01	50

[सं० 12016/3/79-प्र०-१]

**S.O. 602.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KOD-9 to GGS-IV in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

##### Pipeline from KOD—9 to GGS IV

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec- tares	Arc	Centi- tiare
DHAMSANA	879	0	01	50

[No. 12016/3/79-Prod. 1]

**का० आ० 603**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोक-हिन में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० ६९ से के०-३४ तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी आहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिये एतद्वापाद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जीत करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्योलियम और अनिज पाइप लाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की धारा 3 की उपधारा ( 1 ) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्यालाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की नामीष में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप नं० ६८ से के०-३४ तक पाइप लाइन बिलाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिला :	मेहमाना	तालुका :	कलोल
गांव	ब्लोक नं०	लेक्टर	एमार्गई सेस्टीयर	
धरमामना	879	0	01	50

[सं० 12016/3/79-प्र०-२]

**S.O. 603.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from 68 to K-34 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

##### Pipeline from Well No. 68 to K-34

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec-tare	Arc-tiare	Cen-tiare
DHAMASANA	812	0	06	70
	767	0	02	10

[No. 12016/3/79-Prod. II]

**कांडा 604.**—यम. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० बालनेर-१ से मोटवान-१ तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाषप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिल्डर्इ जानी चाहिये।

और यह यह प्रतीत होता है कि एन्डी लाइनों को बिल्डरे के प्रयोजन के लिये एन्डूल्याल अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्योलियम और खनिज पाषप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अवित्यों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आयाय एन्डूल्याल घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाषप लाइन बिल्डरे के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकान्युरा रोड, बोंदारा-७ की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर अवित्य विनिविष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाह्ना है कि उसकी मुन्तवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

1165 GI/78-7

#### अनुसूची

का नं० बालनेर-१ से मोटवान-१ तक पाषप लाइन के लिए

राज्य	गुजरात	तालुका	पक्कीमर	जिला : भालू	
गांव		नामांकन	हेक्टेयर	एकार्ट	मेन्टीयर
मोटवान		236	0	13	65
		237	0	06	24
		238	0	13	00
		246	0	03	90
		209	0	05	85
		227	0	02	60
		225	0	16	64
		226	0	18	55
		232	0	41	60

[मं० 12016/4/70-प्र०]

**S.O. 604.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Walner-1 to Motwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

##### Route for laying Gas Pipeline from Well No. Walner-1 to Motwan-1.

State : Gujarat	Taluka : Ankleshwar	District : Broach		
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
MOTWAN	236	0	13	65
	237	0	06	24
	238	0	13	00
	246	0	03	90
	209	0	05	85
	227	0	02	60
	225	0	16	64
	226	0	18	55
	232	0	41	60

[No. 12016/4/79-Prod]

का० आ० 605—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० वालनेर-१ से मोटवान-१ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन लेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग द्वारा बिछाई जानी जाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदउपायवद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उम्में उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आवश्यक एतदद्वारा घोषित किया है।

बास्तें कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप नं० वालनेर-१ से मोटवान-१ तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्यः गुजरात

जिला : भारच तालुका : हासोट

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टे-यर	एआर्ड सेटी-यर
कलम	81	0	05 85
	82	0	08 85
	83	0	14 30
	28	0	03 90

[सं० 12016/5/79-प्र०-१]

S.O. 605.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Walner-1 to Motwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Rou for Laying Gas Pipeline From Well No. Walner-1 to Motwan-1

State : Gujarat	District : Broach	Taluka : Hansol		
		Village	Block No.	Hec-are
KALAM			81	0 05 85
			82	0 06 85
			83	0 14 30
			28	0 03 90

[No. 12016/5/79-Prod. I]

का० आ० 606—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० वालनेर-१ से मोटवान-१ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाईन लेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग द्वारा बिछाई जानी जाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदउपायवद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उम्में उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आवश्यक एतदद्वारा घोषित किया है।

बास्तें कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-९ की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप नं० वालनेर-१ से मोटवान-१ तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्यः गुजरात

जिला : भारच तालुका : हासोट

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेर एआर्ड सेटी-यर
	40	0 07 28
वालनेर	569	0 13 35
	570	0 10 40
	571	0 03 25
	572	0 03 64
	573	0 01 30
	563	0 08 45
	562	0 07 80

[सं० 12016/6/79-प्र०-१]

S.O. 606.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Walner-1 to Motwan-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to

the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Rule for Laying Gas Pipeline from Well No. Walner-1 to Motwan-1

State : Gujarat	District : Broach	Taluka : Hansot		
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
WALNER	40	0	07	28
	569	0	13	35
	570	0	10	40
	571	0	03	25
	572	0	03	64
	573	0	01	30
	563	0	08	45
	562	0	07	80

[No. 12016/6/79-Prod.]

का० आ० 607:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० 78 से जी० जी० एस IV तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एनवृत्तपाथ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बताते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विशेष व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कलोल		
गांव	असोक नं०	हेक्टेयर	ग्राम	ई सेन्टीयर
धमासना	910/1	0	08	32
	910/2	0	08	93
कार्ट ट्रैक		0	00	91
896		0	07	33
897/2		0	03	12
895/1/2		0	09	98
894		0	00	65

[सं० 12016/7/79-प्र००१]

S.O. 607.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 78 to GGS IV in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Well No. 78 to GGS IV

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
DHAMASANA	910/1	0	08	32
	910/2	0	08	93
Cart track		0	00	91
896		0	07	33
897/2		0	03	12
895/1/2		0	09	98
894		0	00	65

[No. 12016/7/79 Prod. I]

का० आ० 608:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० 182 से के-85 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एनवृत्तपाथ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बताते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विशेष व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कलोल
गांव	ब्लॉक नं.	एकड़ेपर ए.एम.ए. एकड़ेपर
DHAMASANA	630	0 12 05
	629	0 05 18
	631	0 04 50
	632	0 20 70
	668	0 07 20
	658	0 04 50
	666	0 01 65

[सं. 12016/7/79-प्र० 2]

**S.O. 608.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from K-182 to K-85 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

## Pipeline From K—182 to K—85

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec- tares	Are s	Cen- tire
DHAMASANA	630	0	12	05
	629	0	05	18
	631	0	04	50
	632	0	20	70
	668	0	07	20
	658	0	04	50
	666	0	01	65

[No.12016/7/1979-Prod. II]

**का० आ० 609**—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और अन्य पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकारी) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल खेत में उक्त परिस्थिति भूमि में वैश्वन स्थल सं. जी० जी० एम-८ में सोक आईल टी कनेक्शन तक पेट्रोलियम के निए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस अधिकार ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 6-12-1978 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकारी) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्ति प्राप्तिकारी प्रदृष्टाना उक्त नियम को कार्य सम्बन्धी नियम समाप्त करते हैं।

## अनुसूची

जी० जी० एम-८ से सोक आईल टी कनेक्शन तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मत्रांशय का नाम	गांव	कांस्त्रा०म०	भारत के राजपत्र में की तिथि प्रकाशित की तिथि
पेट्रोलियम समायत और उर्वरक बोरिसना		3919	17-12-1977 6-12-1978

[सं. 12016/5/78-प्र० ०]

**S. O. 609.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in schedule appended hereeto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. GGS VIII to SOKOIL TEE CONNECTION in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil and Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 6-12-1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

## SCHEDULE

## Termination of Operation of Pipeline from GGS VIII to Sokoil Tee Connection

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals and Fertilizer	Kalol Borisana	3919	17-12-1977	6-12-1978

[No. 12016/5/78-Prod II]

**का० आ० 610.**—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है कि और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकारी) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाना तेल खेत में उक्त परिस्थिति भूमि में वैश्वन स्थल सं. एन० के० वी० के० से एन० के० वी० एल० तक पेट्रोलियम के निए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल ग्रंथि प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपर्युक्त (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य विनांक 25-7-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अब अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिकार अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत मक्षम प्राप्तिकारी एस्ट्र-ग्राम उक्त नियम को कार्य ममा कि निर्धारित करते हैं।

#### प्रत्यक्षी

एन० के० बी० के० से एन० के० बी० एन० तक पाइप लाइन कार्य का ममाप्ति

मक्षालय का नाम	गाव	वांशांम०	भारत के ग्राम प्रयोगकर्ता की नियम
पेट्रोलियम रसायन भटारिया	3599	16-12-1978	25-7-1978
और उत्तरक			

[सं० 12016/5/78-प्र० १]

**S. O. 610.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. NKBK to NKBL in Mehsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 25-7-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

#### SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D.S. NKBK to NKBL

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Bhataria	3599	16-12-78	25-7-78

[No. 12016/5/78-प्र० १]

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1979

कां० आ० 611.—यह: पेट्रोलियम और खनियां पाइप लाइन (भूमि में उपर्योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उत्तरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 844, तारीख 19-3-1978 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों के उपर्योग के अधिकार को पाइप-शास्त्रीयों को विद्याने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह मक्षम प्राप्तिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे री है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों में उपर्योग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है ।

अब, अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त नियम का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एन्डवारा अपित्त करती है कि इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपर्योग का अधिकार पाइप लाइन विद्याने के प्रयोजन के लिए एन्डवार अर्जित किया जाता है ।

ग्रौर, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिनियम का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नियम देनी है कि उक्त भूमियों में उपर्योग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इच्छित अपने कारपोरेशन लिं० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, इस विभाग के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

#### प्रत्यक्षी

तहसील : रायपुर	जिला : पासी	राज्य : राजस्थान	
ग्राम	लगार नम्बर	लोकपाल	
	हेक्टर	प्र०	वर्ग-मीटर
बर	514	0	19 42
	515	0	12 95
	525	0	02 43
	516	0	19 42
	519	0	16 19
	550/1634	0	12 95
	550/1633	0	22 66

[सं० 12020/3/77-प्र० १]

New Delhi, the 2nd February, 1979

**S.O. 611.**—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 844 dated 19-3-1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Tehsil : Raipur      District : Pali      State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq.
		M.		
Bar	514	0	19	42
	515	0	12	95
	525	0	02	43
	516	0	19	42
	519	0	16	19
	550/1634	0	12	95
	550/1633	0	22	66

[No. 12020/3/77-Prod.]

का० आ० 612.—यतः पेट्रोलियम और बनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जित) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन संसाधन (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2611, नारीष 11-8-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशाश्वीर्णित कर दिया था।

और यतः सभी प्राधिकारी ने उस अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

अब, यसः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवंद्वारा अर्जित किया जाना है।

अब, यसः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार, में विहित होने के बायां नेतृ और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की दृम नारीष को निहित होगा।

और यांत्रे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार, में विहित होने के बायां नेतृ और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की दृम नारीष को निहित होगा।

#### अनुसूची

कृप न० एम० ज० आ० से ज० आ० एस० आलोरा—12 के पास तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	भालुका	कस्ती
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकारह से ट्रीयर
कामतगुरा	8	0	04 80
	10	0	01 95
	15/1	0	17 40
	15/2	0	05 40
	14	0	18 00
मेत्ता	162	0	01 00
	163	0	20 10
	164	0	06 00
	109	0	24 19
	105	0	17 25
	106	0	15 45
	153	0	04 95
	102	0	09 30
	138	0	07 50
	139	0	01 00
	141/1	0	01 00
	141	0	09 00
	142	0	10 20
	80	0	24 00
	193	0	07 35

[सं० 12016/7/78-प्र०]

एम० एम० वाई० नरेश, अवर सचिव

S.O. 612.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2611 dated 11-8-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Well No. SJR to GGS near Jhalora-12  
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centi-
Karsanpura	8	0	04	80
	10	0	01	95
	15/1	0	17	40
	15/2	0	05	40
	14	0	18	00
Merda	162	0	01	00
	163	0	20	10
	164	0	06	00
	109	0	24	75
	105	0	17	25
	106	0	15	45
	103	0	04	95
	102	0	09	30
	138	0	07	50
	139	0	01	00
	141/1	0	01	00
	141	0	09	00
	142	0	10	20
	80	0	24	00
	193	0	07	35

[No. 12016/7/78-Prod.]  
S.M.Y. NADEEM, Under Secy.

## शिक्षा संथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1979

का० आ० 613:—केन्द्रीय मरकार, राजभाषा (संबंध के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के प्रत्युत्तरण में शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के निम्ननिवित कार्यालयों को, जिसके किमंचारीबृन्द ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

(1) राष्ट्रीय सेवा योजना सुव्यवालय केन्द्र, राजधानी (गुजारी भाषा के समने) नई दिल्ली—110002।

(2) राष्ट्रीय सेवा योजना केन्द्रीय केन्द्र, पूर्वी लोहानीपुर, पटना—800003 बिहार।

(3) राष्ट्रीय सेवा योजना केन्द्र, 109, मालदीय नगर, बोपाल—462001 (मध्य प्रदेश)।

(4) राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय केन्द्र, प्लाट सं० 24, रामगंगी नं० 7, राजा पार्क, आर्कनगर, जयपुर—302004 (राजस्थान)।

[सं० ए० 13-31/78-ए० वाई०]  
ए० के० महाजन, अवर मंत्रिव

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE.  
(Department of Education)

New Delhi, the 6th February, 1979

S.O. 613.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Education & Social

Welfare (Department of Education), the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

1. National Service Scheme, Headquarters Centre Rajghat (Opposite Rose Garden), New Delhi-110002.
2. National Service Scheme Regional Centre, East Lohaniupur, Patna-800003 (Bihar).
3. National Service Scheme, Regional Centre, 109, Malviya Nagar, Bhopal-462001 (M.P.)
4. National Service Scheme, Regional Centre, Plot No. 24, Ramgali No. 7, Raja Park, Adarshnagar, Jaipur-302004. (Rajasthan).

[No. F. 13-31/78-SY]  
N. K. MAHAJAN, Under Secy.

(संस्कृत विभाग)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1979

का० आ० 614—गम्पुर राजा पुस्तकालय अधिनियम 1975 (1975 का 22 वां) की धारा 6 की उप धारा (2) के प्रत्युत्तरण में, केन्द्रीय मरकार, उपरोक्त अधिनियम के छंड 5 के प्रत्युत्तरण स्थापित गम्पुर राजा पुस्तकालय बोडे की समस्यना से, खुदा बलण थोरियस्ट्स प्रिलिक लाल्हारी, पटना के निवेशक द्वा० आविद राजा बेदार का त्याग पत्र इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से अधिसूचित करती है।

[म० फा० 26-7/78-पुस्तकालय]  
हेमराज मूद, अवर मंत्रिव

(Department of Cultural)

New Delhi, the 5th February, 1979

S.O. 614.—In pursuance of sub-section (2) of Section 6 of the Rampur Raza Library Act, 1975 (22 of 1975), the Central Government hereby notifies the resignation tendered by Dr. Abid Raza Bedar, Director, Khuda Bakhsh Oriental Public Library, Patna from the membership of the Rampur Raza Library Board established under Section 5 of the said Act from the date of publication of this notification.

[No. F. 26-7/78-Lib.]  
H. R. SOOD, Under Secy.

## पर्यटन और नगर विभाग मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1979

का० आ० 615—प्रत्यर्षीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार एतद्वारा नामर विमानन के महानिदेशक, एयर मार्शल जाफर जहांर को श्री बी० एस० गिल्डानी के स्थान पर, तकाम पारन अन्तर्राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण का पदेन सदस्य नियुक्त करती है।

[ए० आ० 24012/1/79-ए०ए०]  
गोपाल चतुर्भुवी, उप सचिव

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th February, 1979

S.O. 615.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971) the Central Government hereby appoints Air Marshal Jafar Zaheer, Director General of Civil Aviation as ex-officio Member of the International Airports Authority of India, with immediate effect, vice Shri B. S. Gidwani.

[No. AV. 24012/1/79-AA]  
GOPAL CHATURVEDI, Dy. Secy.

## निमंण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1979

का० आ० 616—गण्डूपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपवर्धनों के अनुभाग में, सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और संगोष्ठन करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रथम—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) हिनोय संगोष्ठन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होगे।

2. सरकारी निवास आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, उपनियम अ-12(2) के पश्चात् निम्नलिखित अनुस्थापित किया जाएगा, प्रथम—

परन्तु यदि पहला निवास स्थान, यथापूर्वीकृत पश्चात्वर्ती तारीख तक खाली नहीं किया जाता है तो वह अधिकारी, उम तारीख से, जिसको वह दूसरे निवास स्थान पर कब्जा लेता है, पहले निवास स्थान, सेवाओं, फर्मिशर के उपयोग और अधिकारी और उचान प्रभारी के लिए, समय-समय पर सरकार द्वारा यथा अक्षधारित बाजार वर पर अनुशासित कीमत के बगवार नुकसानी देने का वायी होगा।

[का० सं० 12023(1) 78-नीमि-2]

ओ० एम० गुप्ता, संपत्र उप निवेशक

## MINISTRY OF WORKS &amp; HOUSING

New Delhi, the 27th January, 1979

स.ो. 616—In pursuance of the provision of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Second Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the following shall be inserted after the Sub-rule B.12(2), namely:—

Provided that if the former residence is not vacated by the subsequent date as aforesaid, the officer will be liable to pay damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by the Government from time to time, with effect from the date he takes possession of the latter residence.

[F. No. 12023(1)/78-Pol. II]

B. M. GUPTA, Dy. Director of Estates

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1979

का० आ० 617—वलचिक्र प्रविनियम, 1952 की द्वारा 3 की उप आशा (1) द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एकद्वारा फिल्म सेमर बोर्ड की सदस्यता से श्री लेड्विड प्रकाहम का स्थागित दिनांक 9 दिसम्बर, 1978 से स्वीकार करती है।

[का० सं० 11/3/78-एफ० सी०]

ओ० एस० जर्मी, प्रब्रह निवेशक

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

New Delhi, the 8th January, 1979

स.ो. 617—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Cinematograph Act, 1952, the Central Government hereby accepts the resignation of Shri David Abraham from the Membership of the Board of Film Censors with effect from 9th December, 1978.

[F. No. 11/3/78-FC]

R. S. SHARMA, Under Secy. (Desk)

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1979

का० आ० 618—चलचित्र प्रधिनियम, 1952 (1952 का 37वा) की आशा 5(अ) की उपाधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या एफ० 5/5/77-एफ० सी०, दिनांक 7 जनवरी, 1978 में एकद्वारा निम्नलिखित संगोष्ठन करती है, प्रथम—

उक्त प्रधिसूचना में, पैरा 2 में, मव संख्या (3) तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित मद वश प्रविष्टि [अनुस्थापित की जाएगी, प्रथम—

"(3क) ये दृश्य जो भवधान को उचित ठहराते हैं या उमकी प्रसंगा करते हैं, नहीं दिखाए जाते।"

[फाइल सं० 5/7/77-एफ० सी०]

ओ० एस० शास्त्री, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 27th January, 1979

स.ो. 618—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5B of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. F. 5/5/77-FC dated the 7th January, 1978, namely:—

In the said notification, in paragraph 2, after item (iii) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be inserted, namely:—

"(iiiia) Scenes which have the effect of justifying or glorifying drinking are not shown."

[No. F. 5/7/77-FC]

R. K. SHASTRI, Jt. Secy.

## संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1979

का० आ० 619—केन्द्रीय मिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रपील) नियम 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उप नियम (2) के बांध (अ) और नियम 24 के उपनियम (1) जिसे नियम 34 के साथ पढ़ा जाए, द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत सरकार, संचार मंत्रालय (डाक व तार) को

प्रधिसूचना सं० एस० आर० फ्र० 620, विनांक 28 फरवरी, 1957  
में आगे निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सूची में निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत भाग II भसामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III में कालम 1 पर शब्द "मैकेनिक्स" हटा दिया जाएगा, अर्थात् :—

(क) परियोजना संगठन ने संघष में "महल हंजीनियर का कार्यालय और उसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत अन्य कार्यालय"

(म) "प्रतिरिक्त भूम्य हंजीनियर तकनीकी तथा विकास मंडल और उनके क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत अन्य कार्यालय"

(ग) "दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्रों को शामिल करके तार हंजीनियरी महल और उप मंडल" और

(घ) "टेलीफोन जिलों और टेलीफोन जिलों के उप मंडल"

[सं० 154/11/78-भनुशासन-2]  
प्री० के० मुख्यमं०, भनुशासन, (भनुशासन)

**MINISTRY OF COMMUNICATIONS**  
(P. & T. Board)

New Delhi, the 5th February, 1979

**S.O. 619.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S.R.O. 620, dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification, in Part II—General Central Service, Class III, the word, "Mechanics" appearing in Column 1 under the following headings shall be omitted, namely :—

- "Office of the Divisional Engineer Telegraphs and other offices under his jurisdiction" in respect of the Projects Organisation;
- "Office of the Additional Chief Engineer Technical and Development Circle and other offices under his jurisdiction";
- "Telegraph Engineering Divisions and Sub-Divisions including Telecommunications Training Centres," and
- "Telephone Districts and Sub-Divisions of Telephone Districts".

[No. 154/11/78-Disc. II]

P. K. MUKHERJEE, Asstt. Director (General Disc.)

(संचार विभाग) ।

कार्यालय डाक महाभ्यक्त उन्नर प्रेसें वरिमण्डन

लखनऊ, 5 फरवरी, 1979 ।

का० आ० 620.—चूंकि डाक महाभ्यक्त उन्नर प्रेसें का विचार है कि श्री परदेशी प्रमाद पोस्ट मैन नवायगंज, कानपुर के प्रति विभागीय जांच के सम्बन्ध में,—

1. श्रीमती गंगाजली पन्नी श्री गंगा राम सोनकर, 118/351, कौशल-पुरी, कानपुर

2. श्री गंगा राम सोनकर 118/351 कौशल पुरी, कानपुर को साक्षी के रूप में दुलाना आवश्यक है।

प्रतः यद्य विभागीय जांच (साक्षियों की उपस्थिति तथा प्रलेखों की प्रस्तुति लागू करना) नियम, 1972 (1972 का 18) के खण्ड 4 उपखण्ड (1) के अंतर्गत निहित अधिकारी का उपयोग करके डाक महाभ्यक्त उत्तर प्रदेश श्री आर० फ्र० अग्रवाल डाक पाल कानपुर कैन्ट जांच अधिकारी को उक्त नियम के उप खण्ड 5 के अंतर्गत निहित अधिकारी को निम्नलिखित के संबंध में प्रयोग हेतु अधिकृत करते हैं।

1. श्रीमती गंगाजली पन्नी श्री गंगाराम सोनकर 118/351 कौशल-पुरी, कानपुर

2. श्री गंगा राम सोनकर 118/351 कौशलपुरी, कानपुर ।

[सं० फ्र० आई० जी०/एम०१९-५/७७/२]  
रणनीत नाथ दे, डाक महाभ्यक्त उ० प्र०

**(Department of Communication)**  
(Office of the Postmaster-General, U.P. Circle)

Lucknow, the 5th February, 1979

**S.O. 620.**—Whereas the Postmaster General, U.P. is of opinion that for the purpose of the departmental inquiry in relation to Shri Pardeshi Prasad, Postmaster Nawabganj Kanpur, it is necessary to summon as witnesses.

1. Smt. Ganga Jali W/o Shri Ganga Ram Sonkar 118/351 Kaushalpuri Kanpur.

2. Shri Ganga Ram Sonkar, 118/351 Kaushalpuri Kanpur.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 (18 of 1972), the Postmaster General, U. P. hereby authorises Shri R. P. Agrawal P. M. Kanpur Canit. as the inquiring authority to exercise the powers specified in section 5 of the said Act in relation to :—

1. Smt. Ganga Jali W/o Shri Ganga Ram Sonkar 118/351 Kaushalpuri Kanpur.

2. Shri Ganga Ram Sonkar 118/351 Kaushalpuri Kanpur.

[No. VIG/M-19-5/77/2]

R. N. DEY, Postmaster General U.P. Circle, Lucknow

पूर्ति और पूनर्वास संशालण

(पूर्तिवास विभाग)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1979

**का०आ० 621.**—क्रिस्यापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वाग्. मुख्य बन्दोबस्त मायावत के द्वाग्. इम विभाग की अधिसूचना सं० 1(1) विषेष सेल/79-एम०एस०-2 दिनांक 9 जनवरी, 1979 द्वाग्. बन्दोबस्त मायावत के द्वाग्. में नियुक्त विहार मरकार के राज्यक तथा भूमि और पुनर्वासि विभाग के गंयुक्त गवित श्री एम०पी० केशव को निम्न शक्तियां सौंपते हैं :—

(1) उक्त अधिनियम की धारा 23 के अधीन अपीलें सुनाने की शक्तियां।

(2) उक्त अधिनियम की धारा 24 के अधीन पुनर्वासण के मामले में सुनवाई करने की शक्तियां।

(3) उक्त अधिनियम की धारा 28 के अधीन गामलों के हस्तान्तरण करने की शक्तियां।

[सं० 1(1) विषेष सेल/79-एम०एस०-2 (IX)]

भीशम कुमार, मुख्य बन्दोबस्त मायावत

**MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION**  
(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 10th January, 1979

**S.O. 621.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (Act No. 44 of 1954), the Chief Settlement Commissioner hereby delegates to Shri S. P. Keshavi, Joint Secretary to Government of Bihar, Revenue and I&R Department, Government of Bihar, appointed as Settlement Commissioner, vide this Department's Notification No. 1(1)/Spl. Cell/79-SS. II, dated 9th January, 1979 the following powers :—

- (i) Powers to hear appeals under Section 23 of the said Act.
- (ii) Powers to hear revisions under Section 24 of the said Act.
- (iii) Powers to transfer cases under Section 28 of the said Act.

[No. 1(1)/Spl. Cell/79-SS-II. (IX)]

KAUSHAL KUMAR, Chief Settlement Commissioner

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1979

**का०धा० 622—**संविदा श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971 के नियम 3 के साथ पठित संविदा श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम 1970 (1970 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संभवा का०धा० 1890, तारीख 18 मई, 1976 में निम्नलिखित संशोधित करती है, प्रथात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 15 के सामने

“श्री प्रकाश राय, चिक्ली, डाकधर राजनन्द गांव, जिला तुंग, मध्य प्रदेश” शब्दों और अक्षरों के स्थान पर”,

“श्री एस० के० सन्ध्याल, चकील, बोरनाला, भागपुर” शब्द रखे जाएंगे।

[सं० य०-23013/1/78-एल० डॉस०]  
के०धा० गांधी, प्रबन्ध सचिव

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 1st February, 1979

**S.O. 622.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), read with rule 3 of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Central Rules, 1971, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1890 dated the 18th May, 1976, namely :

In the said notification, against Serial No. 15 for the words and letters, “Shri Prakash Roy, Chikli P. O. Rajnandgaon District Durg, Madhya Pradesh”, the words “Shri S. K. Sanyal, Advocate, Bornala, Nagpur” shall be substituted.

[No. U-23013(1)/78-LW]  
K. D. GANDHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1979

**का०धा० 623:**—केन्द्रीय सरकार ने यह ममाधाम हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संभवा का०धा० 2290 तारीख 26 जुलाई, 1978 द्वारा भारत सरकार

टकसाल श्रीपुर, कलकत्ता की उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 7 अगस्त, 1978 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था :

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः प्रबं औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के उपखण्ड (6) के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्दोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 7 फरवरी, 1979 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस० 11017/1/79/सी 1(ए)]

एल० के० नारायणन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st February, 1979

**S.O. 623.**—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2290 dated the 26th July, 1978, the India Government Mint, Alipore, Calcutta, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 7th August, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 7th February, 1979.

[No. S. 11017/1/79/DI(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

ग्रामीण

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1979

**का०धा० 624:**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्रष्टव्यमुक्ती में विनियिष्ट के बारे में जीवन बीमा निगम, त्रिवेन्द्रम हिंदौजन, त्रिवेन्द्रम-695004 के प्रबन्धतान से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाध्यनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेत्वारलम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वैधित करती है।

अनुसूची

क्षा डिवीजनल प्रबन्धक, भारतीय जीवन बीमा निगम, त्रिवेन्द्रम की निम्नलिखित कर्मकारों की 28 फरवरी से 19 मार्च, 1974 तक की मुभ्रतसी अवधि को विशेषाधिकार छुट्टी मासने की कार्यवाही न्यायोन्नित है ?

1. श्री है०आर०रवीन्द्रन नायर.
2. श्री एस० सुब्रामोनियम पोद्दी
3. श्री आर० राधवन पिल्ले
4. श्री एस० चिवाम्बरन
5. श्री एल०आर०परमेश्वरन
6. श्री एस० अच्युतन।

[सं० एल०-17011(3)/78-डी० 4 (ए)]

## ORDER

New Delhi, the 17th January, 1979

**S.O. 624.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation, Trivandrum Division, Trivandrum-695004 and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Selvaratnam shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Trivandrum in treating the suspension period in respect of the following workmen from 28th February to 19th April, 1974 as period spent on privilege leave is justified ?

1. Shri E. R. Ravindran Nair.
2. Shri S. Subramonian Potti.
3. Shri R. Raghavan Pillai.
4. Shri S. Chidambaran.
5. Shri L. R. Parameswaran.
6. Shri S. Ayappan.

[No. L-17011(3)/78-D. IV(A)]

New Delhi, the 3rd February, 1979

**S.O. 625.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bombay Marine Engineering Works Private Limited, Bombay-400010 and their workman which was received by the Central Government on the 2nd February, 1979.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY

Reference No. C.G.I.T.-2/2 of 1977

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bombay Marine Engineering Works Private Limited Bombay-400010.

AND

Their workman Shri A.S. Michael.

## APPEARANCES :

For the employees—Shri K. R. Tripathi, Advocate.  
For the workman—Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 24th January, 1979

## AWARD

1. The Government of India, in the Ministry of Labour acting under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following industrial dis-

pute to this Tribunal for adjudication as per order No. L-31012(2)/77-D IV(A) dated 16-4-1977 :—

"Whether the action of the management of Messrs Bombay Marine Engineering Works Private Limited, B.P.T. Block No. 1, Plot No. 2, Lakribunder, Darukhana, Bombay-400010 in refusing employment to Shri A. S. Michael, Customs Clerk with effect from 2nd August, 1976 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The workman in his statement of claim submits that he joined the service of the employer company on 5-12-1972 as customs clerk. The employer company is engaged in the work of ship repairing in the Docks. The workman is employed in the workshop of the company situated at B.P.T. Block No. 1, Plot No. 2, Quay Street, Lakribunder, Darukhana, Bombay. The nature of work of the workman requires that he should work on weekly off/holidays also. He has to put in extra hours of work as per the oral instructions of the company's officials. For this extra work put in by him the company has not compensated him by payment of overtime wages or grant of compensatory leave. The workman was granted leave on 2-4-1976 and he re-joined duty on 14-6-1976 after the expiry of the leave. The management served notice dated 17-6-1976 on the workman informing him that for any future irregularity whether of time or leave they would not hesitate to take strict disciplinary action. They warned the workman to be regular in attendance and sincere in his work. To this the workman issued a reply on 18-6-1976 pointing out that since he was not being paid for the extra work taken from him in future he would not undertake such extra work. On 27-7-1976 the Works Manager of the Company required the workmen to take some M.S. Plates on Board the vessel "ROSHANA" for effecting some repairs to it. The workman asked the works Manager concerned for shipping bills and also to pay him some money to meet crane charges etc. payable to the Bombay Port Trust. Instead of complying with this request the Works Manager asked the workman to go home saying that his services were no more required by the company. The workman insisted on the Works Manager giving that direction in writing which the former declined. In the absence of any order terminating his services the workman attended the workshop as usual on 28th, 29th and 31st July, 1976 and signed the muster-roll. Though he remained at the workshop from 8 A.M. to 4.30 P.M. on all these days no work was entrusted to him. The Works Manager was repeatedly asking him to go home but he was not giving the said order in writing. On 31-7-1976 at about 3.30 P.M. the Managing Director of the company informed the workman on telephone that he (workman) should go home and if he failed to do so, the required letter would follow a police van that would be sent to pick him up. The workman did not leave the workshop as per the directions of the Managing Director. Instead he lodged a complaint with the Sewri Police. The Police recorded the statement from the Works Manager on 9-9-1976. On 2-8-1976 he sought the assistance of the Transport and Dock Workers' Union to intercede in the matter on his behalf. The Union addressed a letter to the company insisting on its reinstating the workman in their service with full back wages and continuity of service. He was not paid the wages due for July, 1976 on the pay day viz. 3-8-1976 as the same was ordered to be kept in suspense. On 5-8-1976 the workman learnt from the Union officials that the company legal adviser suggested that he should resume work. So on 6-8-1976 he reported himself for duty. The Works Manager refused to permit him to resume duty. On 6-8-1976 the workman sent a registered letter to the company with a copy to the Union informing them he was not permitted by the Works Manager to resume duty as directed by the company's legal adviser. He informed the company that he should be allowed to report for duty at once without any reduction in wages. He also required the company to pay him his wages for July, 1976. The company did not issue any reply to this letter. Thereafter the workman requested the Labour Commissioner (Central) to take up this dispute for conciliation. Efforts at conciliation having failed the Assistant Labour Commissioner (Central) submitted his failure of conciliation report to the Government. On the basis of that report this dispute is referred to this Tribunal for adjudication. The workman prays that the company may be directed to reinstate him in service with full back wages and continuity of service.

3. The employer company filed a written statement questioning the jurisdiction of the Central Government to refer this dispute to this Tribunal for adjudication. According to them the State Government is the appropriate authority competent to take such action. They say that the workman applied for 45 days leave which was duly granted. He again applied for further extension of leave. The company informed him that the said request was rejected and that he should join duty forthwith. Despite this order the workman continued to absent himself till 14-6-1976 on which date he reported himself for duty. This conduct of the workman is opposed to the terms and conditions of his service. Regarding the incident of 27-7-1976 they submit that M. S. Plates were entrusted to the workman to be taken on board the Vessel Roshana after taking the required shipping bill and also letter addressed by the owner of the ship to the Bombay Port Trust authorities. The workman refused to carry out this work unless he was paid Rs. 300/- without specifying the reason for this demand. When this amount was not paid the workman refused to do any work. On 7-8-1976 the management addressed a letter to the Transport and Dock Workers' Union by way of a reply to their letter dated 2-8-1976 requesting the Secretary of the Union to advise the workman to join duty without further loss of time. On 31-7-1976 when the Managing Director of the company called upon the workman to report for duty at Head Office he refused to do so. He also threatened the Managing Director and ship repairing manager with dire consequences. It is further stated that the company requested the workman before the Labour Enforcement Officer (Central) to resume duty immediately. He failed to do so. He also did not care to collect his wages in spite of the advice given by the Labour Enforcement Offices (Central). So the company had to send the amount by cheque to the workman's address. The above conduct of the workman according to them shows that it is a case of abandonment of service and not termination of service by the company. Since the workman himself has voluntarily abandoned the service the company submits that his request for reinstatement with full back wages and continuity of service does not arise. They pray that this reference may be answered according against the workman. On the above pleadings the points that arise for consideration are :—

- (i) Whether this Court has no jurisdiction to entertain this reference ?
- (ii) Whether this is a case of voluntary abandonment of service or termination of service ?
- (iii) Whether the workman is entitled to reinstatement with full back wages and continuity of service ?
- (iv) To what relief ?

Point 1 :

4. Messrs Bombay Marine Engineering Works Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as 'Employer company' or company, is engaged in the business of ship building, ship repairing, Marine, Mechanical and Electrical Engineering, having its head office at Nariman Point, Bombay. It has got a workshop at Quay Street, Lakri Bunder, Darukhana, Bombay. This workshop is situated in area belonging to the Bombay Port Trust. The workman Shri A. S. Michael joined the service of this company on 5-12-1972. This company attends to the repairs of ships calling at the port of Bombay. For this purpose the defective parts of the ship have to be taken out from the ship to the workshop at Darukhana for rectifying the defects. At times they may have to replace the damaged parts of the ship by new ones. To take the defective parts of the engine from out of the docks to the workshop and carry the repaired or the new parts from the workshop to the ship one has to have a Dock entry permit. The workman herein is engaged to look after this work of taking the repaired or new parts to the ships and to get the defective ones from out of the ships passing through the customs barrier and the port trust gates. It is contended on behalf of the company that since their workshop and head office are situated beyond the limits of the docks area the Central Government is not the appropriate Government to refer this dispute to this Tribunal for adjudication. I do not agree. The activity of a firm carrying on repair work on cargo vessels that call at the major port of Bombay should be considered to be work concerning a Major Port. It follows that the Central Government is the appropriate government competent to refer this dispute.

Point 1 held against the company.

Point 2 :

5. In the statement of claim the workman alleges that he has been illegally stopped from work by the company. He prays for reinstatement with full back wages and continuity of service. The company on the other hand contends that the workman has voluntarily abandoned the service and therefore the question of reinstatement does not arise. In order to decide this question the evidence bearing on this point has to be discussed. On 27-7-1976 the Works Manager Shri Jayat directed the workman WW-1 to deliver M. S. Plates on board the Vessel 'Rozana' for effecting necessary repairs to it. The workman asked Shri Jayat to give him the shipping bills and a sum of Rs. 300/- in cash to pay for the crane charges and the B.P.T. gate charges. When Shri Jayat refused to pay the money the workman refused to deliver the M. S. Plates on board that vessel. Thereafter the Works Manager is said to have asked WW-1 to go home, but WW-1 remained in the workshop. After this incident no work was entrusted to WW-1 either on 27-7-1976 or the following dates 28th, 29th and 31st July, 1976. On 30-7-1976 admittedly the workman did not attend the workshop. It is also not disputed that the workman was attending the office in time and remaining there till 4.30 P.M. signing the Muster-roll. WW-1 in this evidence stated that on each of these days the Works Manager was telling him that there was no work for him and that he should go home. Every time the Works Manager asked him to go home, WW-1 was asking him to give that direction in writing which the former was evading. The workman stated that on 1-8-1976 his initials in the Muster-roll for the period 27-7-1976 to 1-8-1976 were scored out. It is also in evidence that on 31-7-1976 Shri Jayat threatened to throw him (WW-1) out of the Factory premises if he did not leave as per his directions. On the same day at 3.30 P.M. the Managing Director Shri Chhabra asked the workman to see him at the Head Office for the purpose of submitting a letter of resignation. The workman replied that the said order should be communicated to him in writing. The Managing Director then told the workman that he would get the communication to that effect along with a Police van. The workman then reported the matter to the Commissioner of Police, Bombay endorsing a copy to the Station House Officer Sewri Police Station. The reason for submitting the Police complaint is given in the report dated 1-8-1976 in the following words :—

"As the earlier warning from the Managing Director Mr. Chhabra meant involving me in some fake case or charges possibly through the Sewri Police Station where the company's officials claim to have good hold and influence, I am reporting this to you lest the Police Officer at Sewri Police Station or some one else act high handedly against me at the wrong or false directions of the Company's officials."

6. On 2-8-1976 the workman sought the assistance of Transport and Dock Workers' Union. The Union addressed a letter to the company on 2-8-1976 calling upon them to reinstate the workmen in their service with full back wages, wherein they have definitely alleged that the action of the Works Manager in terminating the services of the workman was most arbitrary and illegal. To this the company sent a reply dated 7-8-1976 running into two closely typed pages, stating that the conduct of the workman on 27-7-1976 demanding Rs. 300/- cash to deliver the M. S. Plates on board the vessel 'Rozana' was most unjustified in view of the fact that the company was having a running account with the Bombay Port Trust authorities. They also alleged that the conduct of the workman in refusing to meet the Managing Director on 31-7-1976 in response to a telephone call made by him amounted to insubordination. Not only that they alleged that the workman threatened the Managing Director with dire consequences. After narrating the above facts the company asked the Union to judge for itself whether the behaviour of the workman was justified and if not justified they should suggest what action they should take against him for this gross-insubordination. They also stated that the Union should advise the workman to meet Shri M. R. Agrawal, Financial and Administrative Controller personally so that the matter could be discussed more in detail. It is interesting to note that nowhere in this letter has the com-

pany controverted the averment made by the Union in their notice dated 2-8-1976 that the services of the workman were terminated by the Works Manager, nor have they stated that the workman being still in their employ the question of reinstatement could not arise. There is a letter addressed by the workman on 6-8-1976 to the Manager, Darukhana Workshop to the effect that on 5-8-1976 he was informed that company was prepared to take him in service as per the advice of their legal and labour adviser. So he reported himself for duty at 8-30 A.M. on 6-8-1976. Shri Javat Works Manager asked him to leave the premises. Then the workman told him that as per the advice given by the Labour and Legal Adviser of the company he was required to join duty. The works Manager did not permit him to resume duty. There were several witnesses to speak to this conduct of Shri Javat. In this notice the workman informed the company that he was prepared to report for duty soon after receiving a communication from the company directing him to do so. In the mean time he demanded that his arrears of salary should be paid to him. There was no reply sent to this letter. Shri Gupta, Chief Accountant-cum-Administrative Officer of the company examined as EW-1 denies knowledge of receipt of this letter dated 6-8-1976 from the workman. He was confronted with the postal acknowledgement for this letter. The witness could not identify the signature of the person receiving the registered letter under that acknowledgement.

7. Then there is the evidence relating to the proceedings before the Labour Enforcement Officer (C). Before the Labour Enforcement Officer the company filed a statement of their case pleading that they would be prepared to take back the workman in their service. The management asked the workman before the Labour Enforcement Officer to report himself for duty without further delay. The workman told the Labour Enforcement Officer (C) unless the company paid all his dues outstanding on that date and also filed a letter requiring him to report for duty he would not agree to report for duty. He denies the suggestion that before the Labour Enforcement Officer he required the management to file a letter of apology. He admits that though the Labour Enforcement Officer advised him to resume duty he did not do so, the reason for that being his apprehension that the company would force him to resign. Before the Assistant Labour Commissioner (Central) also the management took the same stand as before the Labour Enforcement Officer (C). The Assistant Labour Commissioner (C) suggested a compromise to which the management was agreeable. In fact they signed the Memo. of settlement drafted by the Assistant Labour Commissioner but the workman declined to agree to that settlement.

8. Shri Tripathi for the company strongly urges that the stand taken by the workman before the Labour Enforcement Officer and his refusal to report himself for duty in terms of the offer made by the company establishes their case that it is a case of voluntary abandonment of service on the part of the workman. Shri Anchand for the workman says that the correspondence placed before the Court and the conduct of the company clearly shows that it is a case of termination of service. Admittedly the Works Manager scored out the initials of the workman in the attendance register under dates 27-7-76 to 29-7-76, 31-7-76 and 1-8-1976. Shri Javat then Works Manager who struck off these initials in the muster-roll is not examined before the Court to say why he did so. The workman insists on drawing the inference that this act of the Works Manager proves beyond doubt that he was discharged from service. For the first time before the Court the management says that no notice of this scoring out of the initials of the workman under dates 27-7-1976 to 29-7-1976, 31-7-1976 and 1-8-1976 need be taken and that the management would accept the workman's contention that he was present on those days. There is no evidence to rebut the assertion of the workman that Shri Javat was asking him to leave the workshop and go home from 27-7-1976 to 1-8-1976. The workman says that he had told Shri Javat that unless such an order was given in writing he would not leave the premises. When the Union by their letter dated 2-8-1976 alleged that the company terminated the services of the workmen without any justification this averment is not controverted by the management in their lengthy reply dated 7-8-1976. If the workman's version of termination of service was not true they should have stated the workman was still in their service and he could report for duty. Again when

the workman addressed a notice dated 6-8-1976 saying that when he went for reporting himself for duty on that date as per the advice given by the Labour Union (this advice is said to have been given on the basis of the opinion given by the Legal Adviser Shri Tripathi that the workman should be taken back) he was not permitted by Shri Javat to resume work. No reply is given to controvert this allegation. The person that acknowledged the receipt of this notice on behalf of the company is not examined. Nor is Shri Javat examined to deny the truth of this version of WW-1. The contention of Shri Tripathi that the evidence of the workman in this regard cannot be accepted unless it is corroborated by the other witnesses present in the workshop at that time, does not appear to be reasonable. It is said that Shri Javat is no longer in the service of the company and they could not examine him. That is no justification for not examining Shri Javat. In this connection attention is invited to the notice issued by the workman wherein he has stated that he after collecting some witness from among the responsible employees asked the Works Manager in their presence to allow him to resume duty and that the Works Manager refused to permit him to do so. It is very difficult for the workmen to secure the presence of the witnesses who are still in the service of the company. Failure to issue prompt reply to this notice in my opinion is a circumstance against the management.

9. The relations subsisting between the parties at or about the time WW-1 ceased to be a servant of the company may also be noticed. On 2-4-1976 WW-1 was given leave for 45 days. After expiry of the leave period he did not report himself for duty. Instead he applied for extension of leave for a period of 15 days and thereafter he again applied for extension of leave for another 15 days. He finally reported himself for duty on 14-6-1976. The management served a notice dated 17-6-1976 on the workman informing him that as a special case they were allowing him to resume duty with a warning that for any future irregularity whether of time or leave they would not hesitate to take strict disciplinary action against him. He was warned to be regular in his attendance and sincere in his work. To this the workman sent a reply dated 18-6-1976 complaining that he was made to work on all the 30 days in a month without weekly offs and at times day and night for 2 to 3 days continuously. Thought his working hours were from 8.30 A.M. to 4.30 P.M. there were hardly 5 or 6 days in a month when he was not required to work till 10.30 P.M. without paying overtime wages. He also protested against non-payment of wages for 17 days in May, 1976 and 13 days in June, 1976. He winds up the letter in the following terms:—

"Further, as a prize/price for good work and hardships, I have been issued with a letter No. MRA : SHIP REPAIRS : 264 dated 17-6-76 by the Financial Manager threatening strict disciplinary action against me for any future irregularity, whether of time or leave, indirectly compelling me to observe the working timings strictly. I shall be obeying the above and therefore please note that I will not be putting in any extra work unless I am required to do so in writing only. Similarly, please note I do not desire to do any work which is not in conforming with the rules/regulations/practice as laid down by the Port Trust Authorities/Customs or such other competent authority. Thanking you for your letter by way of an eye opener and awaiting the payment of short wages for May, and June, 76 at the earliest".

In their reply to the Union's notice dated 2-8-1976 the Company has stated that WW-1 was caught being away from his assigned place of work and for working for another concern during the working hours and when called upon to explain his conduct he was rather rude and insulting. On 31-7-76 there was a misunderstanding between the parties. According to WW-1 the Works Manager warned him that if he did not quite the place he would be thrown out. The same day in the afternoon, according to the workman the Managing Director called upon him to submit a letter of resignation and he told him that the said demand should be put in writing. Thereupon the Managing Director told the workman that the required letter would be sent along with a Police Van, which would pick him (WW-1) up from the Workshop. The workman alleges in the Police complaint dated 1-8-1976 that he was afraid that the management would involve him in some false criminal case taking advantage of their influence with the Sewri Police. According to EW-1 Shri Gupta, the Sewri Police went to the workshop to make enquiries on the basis of WW-1's

complaint. On 31-7-1976 he received information about the visit of the Police to the workshop. The visit of the Police must have hurt the feelings of the management. This background of the relationship between the parties by 1-8-1976 also improbabilises the case of the management that they never discharged the workman from their service nor did they mean to do so.

10. Shri Tripathi for the management submits that the conduct of the workman is not resuming duty despite the advice given by the Labour Enforcement Officer clearly proves the case of abandonment of service. Admittedly before the Labour Enforcement Officer (C) the management took the stand that the workman was never discharged from service and that he was welcome to resume duty. In view of this statement the Labour Enforcement Officer (C) advised the workman to resume duty. The workman insisted on the management giving in writing that he could resume duty and also the management paying the arrears of salary before he could resume duty. The Labour Enforcement Officer (C) advised him to resume duty in the first instance and then approach the proper authority regarding the payment of arrears of salary. Even then the workman did not choose to report himself for duty. He says that he had told the Labour Enforcement Officer (C) if he resumed duty as advised there was every danger of the management taking a letter of resignation from him by force. In my view this conduct of the workman does not show that he had abandoned the service. It may show that he was not keen on serving this company after the manner in which he was thrown out of employment.

11. It is further pointed out by Shri Tripathi that the management had at no time prevented the workman from attending the office during the period 27-7-1976 to 1-8-1976. Through out of this period the workman was allowed to go to office and sign the muster-roll. Though no work was entrusted to him he was allowed to sit in the office premises till the closing time of the office. According to the workman the reason for his not reporting himself for duty from 2-8-1976 onwards was the advice given by the Union and not the refusal of the management to permit him to attend duty. But the management has no answer to the workman complaint that on 1-8-1976 the Works Manager scored out his initials from the attendance register from 27-7-1976. In 1978 (1) LLJ 1 S.C. it is held that striking off the name of the worker from the rolls by the management is termination of service. For the first time before this Court the management says that no notice need be taken of the action taken by the Works Manager and in spite of it they have treated the workman as being in their service. I do not agree with this line of reasoning. If a reply to this effect had been given to the notice by the workman on 6-8-1976 alleging that when he reported himself for duty on that date the Works Manager asked him to leave the premises, this version of the management would have been more acceptable.

12. Shri Anchen further submits that if the management wanted to treat the continued absence of the workman from duty as abandonment of service they should issued a notice to him calling upon him to resume duty forthwith failing which his absence would be treated as abandonment of service. No such notice is given. There is some force in this submission. After a careful consideration of the circumstances of the case I hold on point 2 that it was the management that stopped the workman from service with effect from 1-8-1976.

### Point 3:

13. The next question this is to be considered is whether the workman is entitled to reinstatement with continuity of service and back wages. Shri Tripathi for the management submits that they are not willing to take the workman back in their service. The workman on the other hand presses upon the court to pass an order of reinstatement. In the circumstances of the case I do not consider that reinstatement in service will be a satisfactory solution. When the Labour Enforcement Officer (C) repeatedly asked the workman to resume duty on the basis of the offer made by the management the workman refused to take advantage of that. If he was really serious in his prayer for reinstatement he should have accepted the management's offer forthwith and resumed duty. His insistence on the management giving that offer in writing cannot be appreciated. The other reason given by him that he did not resume work lest the management should force him to submit a letter of resignation does not stand to reason. In my view payment of compensation in lieu of reinstatement should meet the ends of justice.

14. Since the action of the management in refusing employment to the workman, is illegal he should be either reinstated in service or sufficient compensation in lieu thereof should be paid. If the management was not satisfied with the service of this workman they should have followed the procedure prescribed before removing him from service. Since they failed to do so the stoppage of the workman herein from view should be a reasonable compensation in lieu of reinstatement.

15. The workman was drawing a consolidated salary of Rs. 390 per month by 2-8-1976. It is not the case of the management that the workman has secured any alternate job. At the rate of Rs. 390 per month the workman would be entitled to a total salary of Rs. 11,700 from 1-8-1976 till the end of January, 1979. This amount and an additional sum of Rs. 1,170 representing another three months wages in my view should be a reasonable compensation in lieu of reinstatement.

Point 3 found accordingly.

### 16. In the result this reference is answered as follows :—

- (1) The action of the management in refusing employment to the workman herein with effect from 2-8-1976 is not justified.
- (2) The workman is awarded compensation amounting to Rs. 12,870 in lieu of reinstatement.

Each party is directed to bear its own costs.

Central Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, No. 2, Bombay.

[No. L-31012(2)/77-D. IV(A)]  
P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer,

### आवेदा

का० आ० ६२६.—मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड की धूसिक कोलियरी डाक घर काली पहाड़ी (बर्देवान) के प्रबन्धालय और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व कोलियरी मजदूर यूनियन (इंटक) आमतसोल करती है, एक शौधोगिक विवाद बिद्यमान है;

श्रीर उक्त प्रबन्धालय, श्रीर कर्मकारों ने शौधोगिक विवाद मध्यियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबाधों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के मध्यस्थम् के लिए निर्वैशित करने का करार कर लिया है और उक्त मध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, भव शौधोगिक विवाद मध्यियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबाधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त मध्यस्थम् करार को, जो उसे 23 जनवरी, 1979 को भिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

### करार

(शौधोगिक विवाद मध्यियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

#### पक्षकारों के नाम

मैसर्स ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, 1. श्री डॉ. एच० साहा, सहायक  
के धूसिक उपर्योग की धूसिक मुख्य कार्यक अधिकारी, श्रीपुरु  
कोलियरी के अधीन न्यू धूसिक षेख, मैसर्स ईस्टर्न कोल फील्ड्स  
यूनिट, डाकघर काली पहाड़ी लिमिटेड, डाकघर श्रीपुरु  
(बर्देवान) के नियोजक का प्रति- (बर्देवान)  
निधित्व करने वाले । 2. श्री प्रवाल गोस्वामी, संयुक्त महा-  
कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले भंडी कोलियरी मजदूर यूनियन  
(इंटक), बसलीन बाजार श्री० री० रोड, आमतसोल ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित भौतिकिक विवाद को श्री ए० एम० गुप्ता, श्रेष्ठीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), कलकत्ता के मध्यस्थम् के लिए निर्वैधित करने का करार किया गया है :—

## 1. विनिविष्ट विवादग्रस्त विषय

“क्या मैसर्स ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की घुसिक कोलियरी की न्यू घुसिक यूनिट, डाकघर काली पहाड़ी (बर्बान) के भूमिगत लोडरों की फरवरी, 1978 से जुलाई 1978 की अवधि के दौरान आने के यूनिट के किसी भूमिगत लोडर को वेय उच्चतम दर के समान लोड और लिफ्ट के मुगाताम की मांग व्यायोचित है? यदि हाँ, तो कर्मकार किस प्रनूतोष के हकदार है?”

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण  
जिसमें अन्तर्भूत स्थापन या उपकरण का नाम और पक्ष भी सम्मिलित है।

- उप-श्रेष्ठीय प्रबन्धक, घुसिक उप-क्लॉक, मैसर्स ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड, डाकघर, काली पहाड़ी (बर्बान)।
- संयुक्त महामंडी, कोलियरी मजदूर पुनियन (इटक) यू० सी०-२७, जी० टी० रोड, बस्तीन बाजार, डाकघर आसनसोल (बर्बान)।

## 3. प्रभावित उपकरण में नियोजित

कर्मकारों की कुल संख्या

500

## 4. विवाद द्वारा प्रभावित या सम्बन्धित प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या

130

मध्यस्थ श्रमायुक्त भारत के राजपत्र में इस करार के प्रकाशन की तारीख से एक सौ बीस दिन (120 दिन) की कालाब्धि या इतने भीर ममत के बीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा।

## पक्षकारों के हस्ताक्षर

₹०/-

₹०/-

प्रवात गोस्वामी

श्री० एच० साहा

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

नियजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

## साक्षी :

1. ₹०/- ए० क० बर्मरी तारीख 1-12-78

2. ₹०/- अपाल्य तारीख 1-12-78

तारीख : आसनसोल

पहसु विसम्बर, 1978

सहायक श्रमायुक्त मासनसोल फाइल संख्या 1(148)/78-वी० ३/६३

[संख्या एल० 19013(3)78-वी० ४ (वी)]  
नव लाल डेस्क अधिकारी

## ORDER

S.O. 626.—Whereas an industrial dispute exists between the management of Ghusick Colliery of Messers Eastern Coalfields Limited, Post, Office Kalipahari, (Burdwan) and their workmen represented by the Colliery Mazdoor Union (INTUC) Asansol;

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement, which was received by the Central Government on 23rd January, 1979

AGREEMENT  
(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947)  
BETWEENNon-<sup>५</sup>th Parties :

Representing the employer of New Ghusick Unit under Ghusick Colliery of Ghusick Sub-Area M/s. Eastern Coalfields Limited, P.O. Kalipahari, (Burdwan)

Representing the workmen : Shri Pravat Goswami, Jr. General Secretary, Colliery Mazdoor Union (INTUC) Bastin Bazar, G. T. Rd., Asansol.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri A. S. Gupta, Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta;

## (1) Specific matters in dispute :

“Whether the demand of the Underground loaders of new Ghusick Unit of Ghusick Colliery, P.O. Kalipahari (Burdwan) of M/s. Eastern Coalfields Ltd., for payment of lead and lift equivalent to the highest rate paid to any underground loader during the period from February, 1978 to July 1978 of the unit of the mine at uniform rate is justified? If so, what relief the workmen are entitled to?”

(2) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

- The Sub-Area Manager, Ghusick Sub-Area, M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Kalipahari (Burdwan)
- The Joint General Secretary, Colliery Mazdoor Union, (INTUC), 27, G.T. Road, Bastin Bazar, P.O. Asansol (Burdwan)

(3) Total no. of workmen employed in the undertaking affected : 500

(4) Estimated no. of workmen affected or likely to be affected : 130

The Arbitrator shall make his award within a period of one hundred and twenty (120) days or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing from the date of publication of this Agreement in the Gazette of the Govt. of India.

Sd/- (Pravat Goswami) Sd/- (D.H. Saha)  
(Representing the workmen) (Representing the employer)  
Witnesses : 1. Sd/- (A.K. Banerjee) Dt. 1-12-78  
2. Sd/- (Illegible) Dt. 1-12-78

Dated : Asansol

The 1st December, 1978

ALC's Asansol file No. 1(148)/78 B3/E3.

[No. L. 19013(3)/79-D. IV(B)]  
NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 7th February, 1979

**S.O. 627.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs V. V. Syed Mohammed Transports and their workmen which was received by the Central Government on the 6th February, 1979.

BEFORE SHRI THIRU K. SELVARTANAM, B.A., B.L.,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 24th day of January, 1979

**Industrial Dispute No. 66 of 1978**

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of M/s. V. V. Syed Mohammed Transports, Madras-1.)

BETWEEN

The workmen represented by :

The General Secretary,

Madras Harbour Workers' Union,

1/73, Bhagat House, Broadway, Madras-600001.

AND

M/s. V. V. Syed Mohammed Transports, No. 8, Second Line Beach, Madras-600001.

**REFERENCE :**

Order No. L. 33011(1)/78-D.IV(A), dated 25-10-1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for hearing upon pursuing the reference and all other material papers on record and both parties being absent, this Tribunal made the following Award :

**AWARD**

This is an Industrial Dispute referred to this Tribunal for adjudication by the Government of India under Section 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Messrs. V. V. Syed Mohammed Transports, Madras-1 and their workmen in the matter of retrenchment compensation to 21 workers.

2. The following is the issue :—

Whether the Madras Harbour Workers Union, Madras, is justified in claiming retrenchment compensation in respect of the following workers from Messrs V. V. Syed Mohammed Transports, Madras for termination of their services by the latter with effect from 16th December, 1977? If so, the amount of relief the workmen concerned are entitled to?

S. No.	Name	Designation
1.	M. Gopal	Mistry
2.	M. Subramani	Mistry
3.	M. Munirathnam	Mazdoor
4.	E. Fasuldin	Mazdoor
5.	A. Doss	Mazdoor
6.	M. Mohan	Mazdoor
7.	M. Eagambaran	Mazdoor
8.	V. Eagambaran	Mazdoor
9.	V. Munuswamy	Mazdoor
10.	V. Arumugam	Mazdoor

1	2	3
11. R. Duraikannu		Mazdoor
12. V. Amavasi		Mazdoor
13. K. Raju		Mazdoor
14. G. Chinnappan		Mazdoor
15. A. Palani		Mazdoor
16. A. Pakkiri		Mazdoor
17. S. Govindaswamy		Mazdoor
18. G. Munuswamy		Mazdoor
19. K. Ulaganathan		Mazdoor
20. K. Sambandan		Mazdoor
21. S. Mayavan		Mazdoor

3. Summons were issued to the parties. Though they served they had not chosen to appear. Several chances were given but both sides were absent.

4. In these circumstances, an Award is passed negativing the claims of the workmen for retrenchment compensation.

Sd/-

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

Dated, this 24th day of January, 1979.

[No. L-33011(1)/78-D. IV(A)]

NAND LAI., Desk Officer

New Delhi, the 3rd February, 1979

**S.O. 628.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrators, in the industrial dispute between the employers in relation to the Hazaribagh Area of Central Coalfields Limited and their workmen represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, which was received by the Central Government on the 20th January, 1979.

**BEFORE THE JOINT ARBITRATORS UNDER SECTION 10-A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947**

**PRESENT :**

1. Shri P. N. S. Pradip,  
Chief Mining Engineer (P&C)  
Central Coalfields Limited,  
Darbhanga House, Ranchi.

2. Shri Damodar Pandey,  
Jt. General Secretary,  
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh,  
P.O. Ramgarh,  
Dist. Hazaribagh.

Joint  
Arbitrators

*In the matter of an industrial dispute under section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947.*

**PARTIES :**

Employers in relation to the Hazaribagh Area of Central Coalfields Limited, P. O. Charhi, Distt. Hazaribagh, Bihar;

AND

Their workmen represented by the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P. O. Ramgarh, Distt. Hazaribagh, Bihar.

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers : Shri N. P. Singh, Personnel Manager, Hazaribagh Area, Central Coalfields Ltd., P. O. Charhi, Distt. Hazaribagh, Bihar.

On behalf of the workmen : Shri Badri Singh, Asstt. Secretary, Central Coalfields Regional Committee, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P. O. Ramgarh, Distt. Hazaribagh, Bihar.

**STATE :** Bihar

**INDUSTRY :** Coal

Ranchi, 9th January, 1979

## AWARD

The employers and their workmen entered into a written agreement under sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), to refer the under-mentioned dispute to the Joint arbitration. Under Sub-section (3) of Section 10A of the I.D. Act, the Central Government was to publish the said agreement in Part II Section 3 Sub-Section (ii) of the Gazette of India in terms of the Labour Ministry's Order No. L-20013/2/78-D.III(A), dated 13-4-1978. The specific matter of dispute is extracted below :-

"Whether the demand for reinstatement of S/Shri Mukhlal Mahto, Security Guard, Sugia Colliery, Birsai Mahto, piece rated worker, Sugia Colliery and Tipan Mahto, Explosive Carrier, Rauta Colliery is justified and if so, to what relief they are entitled?"

The Central Coalfields Limited is a registered Company under the Companies Act, 1956. It is the successor of erstwhile National Coal Development Corporation Limited which had come into existence from 1-10-1956.

For the sake of brevity, the Central Coalfields Limited will be referred to hereinafter as CCL and the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh as the RCMS.

The written statement on behalf of the RCMS was filed before the Arbitrators on 23-6-1978. The written statement on behalf of the employers was filed on 30-6-1978. The RCMS was represented by Shri Badri Singh, Asstt. Secretary, Central Coalfields Regional Committee, RCMS, P. O. Ramgarh, Distt. Hazaribagh. The CCL was represented by Shri N. P. Singh, Personnel Manager, Hazaribagh Area, CCL, P.O. Charhi, Distt. Hazaribagh, Bihar.

Parties were heard on 18-7-1978 and 25-10-1978. The following documents were submitted on behalf of the Management :

- (1) Two Attendance registers marked as Exhibits 1 & 2.
- (2) Certified copy of termination order of Shri Birsai Mahto, Piece-rated Worker, Sugia Colliery marked as Exhibit 3.
- (3) Certified copy of termination order of Mukhlal Mahto, Security Guard, Sugia Colly., marked as Exhibit 4.
- (4) Certified copy of Judicial Magistrate's judgment (G.R. No. 2419/72, T.R. No. 8/75), marked as Exhibit 5.
- (5) Certified copy of the Hon'ble High Court's order in Cr. Rev. No. 168 of 1976 (R), marked as Exhibit 6.

The following documents were submitted by the representative of the workmen :

- (1) Letter No. 4827, dated 26-11-1978 addressed to Shri Tipan Mahto, S/o Shri Panchu Mahto, Vill. Kaitha, P.S. Ramgarh, Distt. Hazaribagh from the Suptd. Central Jail, Hazaribagh, marked as Exhibit 1.
- (2) Letter No. 4828, dated 26-11-1978 addressed to Shri Mukhlal Mahto, S/o Shri Phulman Mahto, Vill. Kaiha, P. S. Ramgarh, Distt. Hazaribagh from the Suptd. Central Jail, Hazaribagh, marked as Exhibit 8.
- (3) Letter No. 4829, dated 26-11-1978 addressed to Shri Birsai Mahto, S/o Shri Chhedi Mahto, Vill. Kaitha, P. S. Ramgarh, Distt. Hazaribagh from the Suptd. Central Jail, Hazaribagh, marked as Exhibit 9.

Parties were heard and the concerned workmen were also examined on the dates of the arbitration proceedings. In brief, the cases are as follows :-

## CASE OF SHRI MUKHLAL MAHTO

Shri Mukhlal Mahto was employed as Security Guard at Sugia Colliery. He remained absent from duty without permission from 14-9-1976 onwards. On 21-12-1976, due to his continued absence, a chargesheet was issued by the Manager of the Colliery asking him to explain the reasons for his long absence from duty without permission and show-cause why his services should not be terminated. No reply was received from him and he continued to remain absent. Therefore, vide letter 7-1-1977, the services of Shri Mukhlal Mahto were terminated.

The RCMS contended that he is a local workman coming from the neighbouring village to attend to his duties. He along with others were involved in a land dispute which belonged to their family and was charged under Section 379/144 IPC. The said land dispute took place on 20-11-1972. He was sentenced to rigorous imprisonment by the Judicial Magistrate, Hind Class, Hazaribagh, vide judgment dated 20-6-1975. Shri Mukhlal Mahto filed an appeal, vide Cr. Rev. No. 168 of 1976 (R) before the Hon'ble High Court of Judicature at Patna for grant of leave to appeal to the Supreme Court, but the same was refused by the Hon'ble Judge, Justice B. P. Jha. Therefore, Shri Mukhlal Mahto was lodged in the Central Jail, Hazaribagh w.e.f. 28-8-76 to undergo rigorous imprisonment for 8 months. He was released on 28-2-1977. Shri Mukhlal Mahto had requested to some of his relatives to inform the management about his absence but none from his side informed the management. After his release from the jail custody, he reported for duty to the Manager, Sugia Colliery but was not allowed since his services had already been terminated by the Management as stated above.

## CASE OF SHRI BIRSAI MAHTO

Shri Birsai Mahto was employed as a piece rated worker at Sugia Colliery. He remained absent from duties without any permission from 1-7-1976. Since he was absent for more than 10 days, a letter was issued to him terminating his services w.e.f. 1-7-1977.

The RCMS contended that this workman also is a local man coming from the neighbouring village to attend to his duties. He was also involved in the same land dispute details of which have already been given above, and was sentenced to rigorous imprisonment of the same term. He was taken into custody and lodged in Hazaribagh Central Jail on 28-8-1976 and was released after undergoing imprisonment on 10-3-1977.

## CASE OF SHRI TIPAN MAHTO

Shri Tipan Mahto was employed as Explosive Carrier at Rauta Colliery. He had applied for leave of absence from 28-8-1976 to 31-8-1976 and the leave was sanctioned. He did not report for duties after the expiry of his sanctioned leave on 1-9-1976. On 8-9-1976 he had applied for extension of leave for an indefinite period on grounds of sickness without enclosing the medical certificate. The leave was not granted by the Manager. He, therefore, remained absent beyond the period of granted leave and failed to report for duties even after 10 days of expiry of sanctioned leave. It was contended on behalf of the Management that since the absence of Shri Tipan Mahto had exceeded more than 10 days he had lost his lien on appointment. No document was, however, produced on behalf of the Management in this respect.

The RCMS contended that the case of Shri Tipan Mahto is also the same as he was also involved in the same dispute and sentenced to undergo rigorous imprisonment for 8 months along with other two concerned workmen. He was lodged in Hazaribagh Central Jail on 28-6-1976 and was released on 28-2-1977 after undergoing imprisonment.

We have gone through the various documentary evidences produced on behalf of the Management and have found that the provisions of the Standing Orders as applicable to the unit have not been followed in dispensing with the services of the concerned workmen. Only in the case of Shri Mukhlal Mahto, chargesheet was issued but not delivered and in other two cases no chargesheets were issued. There were also lapses on the part of the concerned workmen as they did not inform the Management about their absence having been lodged in the Central Jail, Hazaribagh after being convicted under Section 379/144 IPC, vide judgment dated 20-6-1975 in case No. G.R. No. 2419/72 T.R. No. 8/75.

Taking all the aspects of the matter, we direct that the concerned workmen, namely, S/Shri Mukhlal Mahto, Security Guard Birsai Mahto, Piece rated Workers and Tipan Mahto, Explosive Carrier be given fresh appointment as piece rated workers in any of the Colliery of Hazaribagh Area within a week from the date of this Award. They will not be entitled

to any arrear wages for the period of their idleness. Their earlier services with the Company will not be taken into account for any purpose.

The Parties to the dispute have mutually agreed to the extension of time for arbitration vide annexure to this Award.

(P. N. S. PRADIP)  
Chief Mining Engineer (P&C)  
& Arbitrator

(DAMODAR PANDEY)  
Jt. General Secretary,  
RCMS & Arbitrator.

#### ANNEXURE TO AWARD

BEFORE THE JOINT ARBITRATORS OF S/SHRI P. N. S. PRADIP, CHIEF MINING ENGINEER (P&C), CCL, RANCHI AND DAMODAR PANDEY, JT. GENERAL SECRETARY : RCMS, P. O. RAMGARH, UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

#### PARTIES :

Employers in relation to the Hazaribagh area of Central Coalfields Limited P. O. Charhi, Dist. Hazaribagh, Bihar.

#### AND

Their workmen represented by the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, P. O. Ramgarh, Dist. Hazaribagh, Bihar.

Reference is invited to last para of the Ministry of Labour's Order No. L-20013/2/75-D. III(A) dated 13-4-1978 stating therein that "the arbitrators shall make their award within a period of one month from the date of the arbitration agreement or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned the reference to arbitrators shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration."

In view of the above, as the Hon'ble Arbitrators have not been able to consider the matter to give their award due to their pre-occupations, we, therefore, request them to kindly apply their mind to the above case and give their award at their earliest latest by 28th February, 1979.

Submitted.

(A. P. SINHA)

(BADRI SINGH)

Representing the Hazaribagh Area of Central Coalfields Limited.

Representing the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

Dated : 5-4-1978

[No. L-20013/2/78-D.III CA]  
S. H. S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 3rd February, 1979

S.O. 629.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Rajkot and their workman Shri J. N. Doshi, Typist over termination of his services in the Bhaktinagar Branch, which was received by the Central Government on 18-1-79.

[No. L-12012/138/75-D.II.A]

BEFORE SHRI R. C. ISRANI, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD

Reference (LTC) No. 7 of 1978

Adjudication

BETWEEN

The Central Bank of India, Rajkot.

#### AND

The Workmen employed under it.

In the matter of terminating the services of Shri J. N. Doshi, Typist.

#### APPEARANCES :

Shri M. B. Shah, Advocate—for the Bank.  
Shri M. K. Paul, advocate—for the Workmen.

#### AWARD

This is a reference made by the Govt. of India Vide the Govt. of India, Ministry of Labour's Order No. L. 12012/138/75-D.II.A., dated the 20th November, 1975, under the provisions of Section 7A, read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (hereinafter to be referred to as 'the Act') in respect of an industrial dispute which has arisen between the parties, viz., the Central Bank of India, (hereinafter to be referred to as 'the bank'), and the Workmen employed under it. The reference was at first made to the Industrial Tribunal consisting of Shri M. U. Shah, but thereafter vide the Govt. of India, Ministry of Labour's Notification No. 5-11025(7)/77-D-IV(B), dated 27-8-1977, the reference has been transferred to this Tribunal.

2. The industrial dispute, as it appears from the schedule attached to the original order, under which this reference has been made, relates to the demand which is as under :—

"Whether the action of the management of the Central Bank of India in terminating the services of Shri J. N. Doshi, Typist in Bhaktinagar Branch of the said Bank after the working hours on the 31st May, 1974 is justified. If not, to what relief is the said workman entitled to?"

3. In support of the demand, Shri J. N. Doshi, who is the concerned workman in this reference and who will hereinafter be referred to as 'the workman', has filed the statement of claim (Ex. 3), dated 9-3-1976. The facts leading to the making of this reference as they appear from the said statement of claim, as well as from the documentary evidence on record, briefly stated, are as under :—

4. The bank in its Rajkot division required the services of typists and clerks. As such, the authorities of the bank put an advertisement in the Gujarati daily paper of Rajkot, by name, 'Phuldhap', inviting applications from candidates for those posts. This had happened somewhere in the end of 1972, or early in the month of January, 1973. When the said advertisement had appeared in that paper, the workman was serving as typist in the Ground Water Division of the Govt. of Gujarat. He was at that time a permanent employee under the Government. Even before joining the service under the Govt. of Gujarat, the workman had served in the Bank of Baroda, as well as in the State Bank of Saurashtra, in leave vacancies. The workman made an application for the post of a typist to the bank on 16-1-1973 in answer to the said advertisement which had appeared in that paper. So many other persons had also applied for that post and on behalf of the Bank, written, typing and oral tests were held. Some of those tests were held on 28-1-1973 at which the workman was called. He appeared along with other candidates and it may be pointed out that ultimately he was selected and his name was included at serial No. 4 in the final list for typists (Ex. 7). Thereafter, the workman was given a written offer through the letter, dated 23-8-1973, by the bank, [Ex. 19(4)]. This order was made to him obviously in answer to his own application, dated 16-1-1973, and the said letter of offer contained certain conditions on which the said offer was made to him to join service under the bank as a typist. It was pointed out to him through this letter of offer that the vacancy on which he was to be appointed, if the offer was accepted by him, was a permanent vacancy. It was also pointed out to him that the said vacancy was in the Jagnath Plot branch of the bank at Rajkot. Para (3) of that letter of offer is very important, and it is to this effect :

"As the offer is made for a permanent vacancy, on your failure to report at the aforementioned Office on or before the date specified above, you will be treated as having no interest in the post offered and your

name will be struck off from the waiting list deterring you from future appointment which please note. No presentation will be entertained on this score."

It is pertinent to note that this letter of offer, [Ex. 19(4)], which was sent to the workman, did not contain any endorsement below the signature of the superintendent of the bank, who had signed that letter. However, on the record of this reference, there is also a copy of that letter of offer, produced by the bank at Ex. 15, which bears an endorsement said to have been made by the office of the superintendent of the bank, while forwarding a copy of that letter to Jagannath Plot Branch, (Rajkot). The said endorsement is to the following effect :

"He may be appointed on probation for six months as sanctioned by Zonal Office, Ahmedabad vide their letter No. ZID : STAFF. 526 dated 7-8-73, please let us have his full particulars, photograph, two references, medical certificate of his physical fitness and copy of the Memo. duly accepted and signed by him as soon as he is so appointed."

5. After the workman received this letter of offer, [Ex. 19(4)], dated 23-8-1973, he showed his willingness to accept the appointment on the terms indicated in that letter. Consequently, the bank issued the order of his appointment in the form of a memo, dated 30th August, 1973. Through this memo, he was informed that he was taken up as a typist on probation for 6 months, and even the remuneration which he would draw by way of his salary, dearness allowance and other allowances, was also mentioned in that memo. Again the para (2) of this memo, (Ex. 8), dated 30th August, 1973, is also important, which is to the following effect :

"Notwithstanding anything contained in this letter his services are liable to be terminated in the sole discretion of the Bank even before the expiry of the probationary period without assigning any reasons but with one month's notice or on payment of a month's pay and allowance in lieu of notice."

The workman accepted all these conditions and he actually took charge of his appointment as a typist under the bank on 30th August, 1973.

6. It appears that after the Workman joined his new service with effect from 30th August, 1973, and started doing work, the authorities of the bank were not satisfied with his performance as a typist. He served at Jagannath Plot Branch of the bank at Rajkot for two months only and thereafter he was transferred to Bhaktinagar industrial estate branch of the bank at Rajkot. It may be pointed out that while he was at Jagannath Plot branch of the bank for those two months, no intimation was given to him in any manner regarding dissatisfaction on the part of the bank authorities about his performance as a typist. However, as soon as he reached the other branch, viz., the Bhaktinagar branch of the bank, the process started of intimating to him that his performance was not satisfactory. The first memo, which was given to him, is at Ex. 9, dated 29-11-1973. It was issued by the agent of that branch of the bank to the workman. It would be important to reproduce the wordings of that memo, which are as under :—

"Mr. J. N. Doshi is hereby informed that since his transfer to this Branch, inspite of our pointing out, we have not found his work to our expectations. Moreover, he is not taking his duties seriously so much so that he commits mistakes often. Even his typing work is not found satisfactory as it is inaccurate and full of mistakes. In view of this, we are constrained to inform him that if he fails to improve his working by the 1st of January, 1974, we may be compelled to take any further action that may be advised."

7. Again, on 23-2-1974 he was given the second memo, (Ex. 10), in respect of the unsatisfactory character of his performance as a typist working in that branch of the bank. The said memo (Ex. 10) was couched in the following language :

"We are constrained to inform Mr. J. N. Doshi that we do not find his work satisfactory so much so that inspite of giving necessary instructions and guidance, he is committing mistakes repeatedly. Moreover, his typing is also full of mistakes and shabby and accordingly, we are referring the matter to our Divi-

sional Office and his confirmation to the present post will solely rest on their instructions being received."

8. Since the period of probation of 6 months of the workman was to expire on 28th February, 1974, the agent of the said branch gave him the memo, (Ex. 11), dated 26th February, 1974, only 2 days before the expiry of the period of his probation. Even through this memo, he was informed that his work was not satisfactory and ordinarily his services would stand terminated on the expiry of his probationary period on 28th February, 1974. However, he was informed that the bank authorities were giving him one more opportunity to improve and come up to the expectation of the bank by extending his probationary period for one more month, i.e., upto 31st March, 1974. As such, through this memo, (Ex. 11), dated 26th February, 1974, the period of his probation was extended upto 31st March, 1974.

9. Before the expiry of his extended period of probation, the agent of the said branch of the bank gave him further memo, (Ex. 12), dated 28th March, 1974, again, only 3 days prior to the date on which the extended period of his probation was to expire on 31st March, 1974. Even through this memo, a complaint was made that inspite of the warnings given to him and the opportunities offered to him, he had neither learnt up to date typing work, nor had come up to the expectations of the bank. He was informed that a last chance was again being given to him by further extending the period of his probation for 2 months, i.e. upto 31st May, 1974. He was, however, warned that if he failed to accomplish and equip himself as a typist during that period, he would automatically cease to be in the employment of the bank from that date, i.e., 31st May, 1974. It appears that even during this further extended period of his probation, the workman could not give satisfaction to the authorities of the bank and, therefore, through the memo, (Ex. 13), dated 14th May, 1974, he was informed that he had failed to show any improvement so far in his typing work and that his services as a typist would stand terminated as on 31st May, 1974. This memo, appears to have been treated by the authorities of the bank as being a 15 days' notice to the workman for the termination of his services with effect from 31st May, 1974. Ultimately, vide the memo, (Ex. 14), dated 31st May, 1974, the services of the workman were actually terminated with effect from that date and thereafter he was no more in the service of the bank.

10. It is the contention of the workman, as well as the union representing him, that this impugned order in the nature of a memo, (Ex. 14), dated 31st May, 1974, terminating the services of the workman, is absolutely illegal and void. According to the union, the workman was admittedly appointed on a permanent vacancy and, therefore, he was from the beginning a permanent employee. The union has contended that even the letter of offer, [Ex. 19(4)], dated 23rd August, 1973, does not make any reference that his proposed appointment would be on probation. The endorsement below a copy of that letter of offer (Ex. 15) was not conveyed to the workman. It is, therefore, urged on behalf of the union that since the workman was a permanent employee appointed on a permanent vacancy, his services could not be terminated, unless he was given 3 months' notice as contemplated, or on payment of three months' pay and allowances in lieu of notice, as envisaged under clause (1) of para (52) of what is popularly known to be the Shastri Award in respect of the bank employees.

11. It is also the contention of the union that even if the workman is treated only as a probationer, then too in accordance with the above mentioned provision in the said Shastri Award, his services could be terminated legally only after giving him one month's notice, or on payment of a month's pay and allowances in lieu of that notice. In addition to these contentions, it is also the vehement contention of the union, as well as the workman, that in the instant case the termination of the services of the workman from the bank amounts to a punishment on account of his unsatisfactory performance as a typist and, therefore, the impugned order, (Ex. 14), dated 31st May, 1974, removing him from the service of the bank, would be a punitive order and, therefore, no such order could have been legally passed without giving either a charge sheet, or a show-cause notice to the workman and also after giving him an opportunity of being heard in the matter. It is, therefore, urged that because no such procedure was followed by the authorities of the bank, the said order may be declared to be absolutely illegal. Since the authorities were not in a mood to reconsider their action, the union had moved the Government of India in the Labour Department

and ultimately the industrial dispute raised by the union, was referred for adjudication to the Industrial Tribunal (Central) for its adjudication.

12. On behalf of the bank, the written statement (Ex. 4) has been filed on 4-6-1976. Through this written statement, the facts leading to the selection and appointment of the workman as a typist under the bank, have not been denied or disputed. It is also admitted that he had secured the fourth rank in the selection list from amongst the candidates who had offered themselves for being appointed as typists under the bank. The defence of the bank appears to be that since the appointment of the workman under the bank was only as a probationer, it automatically came to an end on the expiry of the said period of probation and, therefore, there can be no question of either inflicting any punishment upon him, or for that matter of giving him any opportunity of being heard. According to the bank, the order, or the memo. (Ex. 14), dated 31st May, 1974, terminating his services, can be described as an order of discharge simpliciter without any stigma and, therefore, also it was not necessary for the bank to either give any chargesheet, or show-cause notice to the workman in that connection, or to hold any domestic enquiry against him in that connection. It is vehemently denied by the bank authorities that the workman was permanent employee of the bank. However, the bank has not been able to deny that he was appointed on a vacancy which was undoubtedly a permanent vacancy. In view of these contentions, it is urged by the bank that the present reference be rejected as the demand covered by it, cannot be legally granted.

13. When this reference was taken up for consideration, the union and the workman were represented by the learned advocate, Shri M.K. Paul, and the bank was represented by the learned advocate, Shri M.B. Shah. On behalf of the union, the workman himself has entered into the witness box and his evidence has been recorded at Ex. 20. Thereafter, the union closed its case, vide the purshis Ex. 20A, dt. 26-10-1977. On behalf of the bank, one Shri M. M. Raval has been examined at Ex. 22 and thereafter even the bank closed its case vide the purshis Ex. 24, dated 7-7-1978.

14. After hearing the learned advocates of the parties and after perusing the mass of documentary evidence which has been produced by the parties jointly, I am of the opinion that the impugned order, Ex. 14, dated 31-5-1974, passed by the authorities of the bank, terminating the services of the workman, cannot be upheld, as the same is undoubtedly an illegal order and, therefore, ineffective. It is an admitted position that the workman was appointed in a permanent vacancy. This becomes clear from the letter of offer [Ex. 19 (4)], dated 23-8-1973, addressed by the superintendent of the bank to the workman. In its very first para at clause (3), while referring to the nature of the vacancy, it has been stated that the vacancy was permanent. However, it is very difficult to agree with the contentions of the workman that his appointment was also permanent. There can be an officiating appointment on a permanent vacancy, or there can be the appointment as a probationer in a permanent vacancy. The permanency of a vacancy in all cases would have nothing to do with the permanency of the appointment. Ex. 19 (4) was only a letter of offer, but the letter of appointment is Ex. 8, dated 30th August, 1973. This letter, (Ex. 8) very clearly shows that he was appointed as a typist on probation for 6 months on a salary of Rs. 190 per month, plus the other allowance which are also mentioned in that letter. It is thus fully established that the workman was appointed on probation in the first instance for a period of 6 months through the memo. (Ex. 8), dated 30th August, 1973. This period of probation was to expire on 28th February, 1974, but before it actually expired, the said period was extended for one month, vide the memo (Ex. 11), dated 26-2-1974. As such, the period of his probation was extended upto 31-3-1974. Again, before the expiry of that extended period of probation, it was further extended for two months upto 31-5-1974, vide the memo. (Ex. 12), dated 28-3-1974. It appears that by this time the bank had decided not to further extend the period of his probation but to terminate his services on the expiry of that extended period of his probation on 31-5-1974. It is, therefore, that the memo. (Ex. 13) dt. 14-5-1974, was given to him, intimating to him that his services would be terminated with effect from 31-5-1974 and that no further extension of his period of probation would be given. It is thus fully established that the workman was working as a probationer and

even the bank authorities had treated him as a probationer. If that is so, it will have to be seen as to how the services of a probationer under the bank, can be legally terminated? In this connection, a reference is invited to clause (1) of para (522) of the Shastri Award, which is to the following effect:—

"In cases not involving disciplinary action for misconduct and subject to clause (6) below, the employment of a permanent employee may be terminated by three months' notice or on payment of three months' pay and allowances in lieu of notice. The services of a probationer may be terminated by one month's notice or on payment of a month's pay and allowances in lieu of notice."

In this case, therefore, even if the workman was a probationer as contended by the bank itself, then too, before his services could be terminated even as a probationer, one month's notice should have been given to him, or pay for one month in lieu of that notice, should have been given to him. In the instant case, admittedly, he was given only 15 days notice through the memo. Ex. 13, dt. 14th May, 1974, informing him that his services will be terminated with effect from 31-5-1974, on which date actually his services were terminated. It is thus fully established that in terminating the services of the workman with effect from 31-5-1974, the bank had violated the mandatory provisions of clause (1) of para (522) of Shastri Award, which admittedly governs the employees of the bank and in this case even the workman is covered by the said provisions. In view of this position, there would be no difficulty in declaring that the order, Ex. 14, dated 31st May, 1974, terminating the services of the workman under the bank, is absolutely illegal and, therefore, unenforceable at law.

15. I have already quoted the provisions of clause (1) of para (522) of the Shastri Award and it is clear that the said provision would apply, if the action is not taken for any misconduct. In the instant case, it appears from the documentary evidence on the record of this reference that, in fact, the action was taken against the workman of removing him from the service of the bank not in the ordinary course, but it was taken by way of disciplinary action against him, as his work as a typist was not found to be satisfactory. I have already reproduced the four memos; (Ex. 9), dated 29-11-1973; Ex. 11, dated 26-2-1974; Ex. 12, dated 28-3-1974 and Ex. 13, dated 14-5-1974. From these four memos, it becomes quite clear that the bank authorities were not satisfied with the performance of the workman as a typist. According to the bank, he was absolutely incompetent and his work was unsatisfactory. The position of law is now well established that the allegations regarding unsatisfactory work of an employee, or a workman, would also amount to a misconduct, calling for the adoption of the procedure which is required to be followed before taking any action against a workman guilty of such a misconduct. In this connection, a reference is invited to a decision of the Supreme Court of India (reported in A. I. R., 1960, Supreme Court on p. 689), in the case of the State of Bihar v. Gopi Kishore Prasad. The relevant observations are in para (6), on page (692), and they are as under:—

"(6) It would thus appear that in the instant case, though the respondent was only a probationer, he was discharged from service really because the Government had, on enquiry, come to the conclusion, rightly or wrongly, that he was unsuitable for the post he held on probation. This was clearly by way of punishment and, therefore, he was entitled to the protection of Art. 311 (2) of the Constitution. It was urged on behalf of the appellant that the respondent, being a mere probationer, could be discharged without any enquiry into his conduct being made and his discharge could not mean any punishment to him, because he had no right to a post. It is true that, if the Government came to the conclusion that the respondent was not a fit and proper person to hold a post in the public service of the State, it could discharge him without holding any enquiry into his alleged misconduct. If the Government proceeded against him in that direct way, without casting any aspersions on his honesty or competence, his discharge would not, in law, have the effect of a removal from service by way of punishment and he would, therefore, have no grievance to ventilate in any court. Instead of taking that easy course, the

Government chose the more difficult one of starting proceedings against him and of branding him as a dishonest and an incompetent officer. He had the right, in those circumstances, to insist upon the protection of Art. 311 (2) of the Constitution. That protection not having been given to him, he had the right to seek his redress in court. It must, therefore, be held that the respondent had been wrongly deprived of the protection afforded by Art. 311 (2) of the Constitution. His removal from the service, therefore, was not in accordance with the requirements of the Constitution."

Again, in the case of The Management of Utkal Machinery Ltd., v., Workman, Santi Putnaik [reported in A. I. R., 1966, S.C. at page (1051)], the Supreme Court of India was considering a similar question as to whether unsatisfactory work can be treated as misconduct. The relevant observations of the Supreme Court are on page (1052) and (1053), in para (6), and they are as under :—

".....In the absence of any Standing Order the unsatisfactory work of an employee may be treated as misconduct and when the respondent was discharged according to the management for unsatisfactory work it should be taken that her discharge was tantamount to punishment for an alleged misconduct. If this conclusion is correct the management was not justified in discharging the respondent from service without holding a proper enquiry....."

From these two decisions of the highest judicial tribunal in the country, it becomes clear that the allegations regarding unsatisfactory work of an employee, or the workman, would always amount to a misconduct. If that is so, the mere cleverness of the employer by passing a simple order of discharge, or termination of services, cannot be treated as an order of discharge simpliciter, when, in fact, it is a punitive order inflicted upon the defaulting employee, or workman, because of the alleged misconduct arising out of his inefficiency or unsatisfactory performance of his duties.

16. In the instant case, the above mentioned four memos, bear an eloquent testimony that the authorities of the bank were not at all satisfied with the performance of the workman as a typist and they never treated him to be a fit person to occupy that position. If that is so, the said feeling, or conviction, on the part of the employer did amount to a feeling that they held the workman to be guilty of misconduct of inefficiency in respect of the post on which he was appointed. If that is so, it was duty of the bank to have given such a charge-sheet, or show-cause notice, to the workman and after obtaining his explanation thereto, they should have also held a domestic enquiry during which a sufficient opportunity should have been given to him to defend himself. Thereafter, if the said misconduct had been established against him, the bank could have taken the necessary action against him. It may be pointed out at this stage that out of 500 candidates who had appeared at those tests, the workman had secured fourth number and he had successfully given those tests, which also included a test for typing. If the bank had given him an opportunity of explaining his position, he could have perhaps successfully done so. It is the allegation of the workman that after he was transferred to Bhaktinagar branch, the authorities of the bank for ulterior motives had started a tirade against him, because it is his allegation that one Shri M.M. Raval, who was the office superintendent, was interested in some other candidate, one Shri Trivedi, with whose sister the son of Shri Raval had later on married and whose name was 6th in the selection list. Without going into the merits of the said allegation of victimisation of the workman, it would suffice to rest with the position that in view of the allegations made through the above mentioned four memos, the bank was undoubtedly taking a punitive action against the workman and ultimately the said action was taken by terminating his services. Throughout those four memos, no other ground is suggested as to why the workman was not made permanent, or as to why his services required to be terminated.

17. In order to examine the real nature of an order of termination of services, it would always be necessary to properly scrutinise that order and even to X-ray it, as has been directed by the Supreme Court of India in the case between L. Michael and another and M/S. Johnson Pumps India Ltd., [reported in 1975 (I) L.J.J., at page 262]. The Supreme Court has given guidance and laid down the principles for scrutini-

zing such orders which ostensibly appear to be only innocent orders of discharge simpliciter, but in reality appear to be punitive orders passed for inflicting the punishment upon the defaulting workmen. The relevant observations of the Supreme Court are in para (18) on page (268), and they are as under :—

".....The law is simply this : The Tribunal has the power and, indeed, the duty to X-ray the order and discover its true nature, if the object and effect, if the attendant circumstances and the ulterior purpose is to dismiss the employee because he is an evil to be eliminated. But if the management, to cover up the inability to establish by an enquiry illegitimately but ingeniously passes an innocent-looking order of terminating simpliciter, such action is bad and liable to be set aside....."

This decision of the Supreme Court of India has been followed by the High Court of Gujarat in the case of Gujarat Bank Workers' Union and Another, v. Jamnagar District Co-operative Bank Ltd. and Another, [reported in XIX Gujarat Law Reporter, at page (142)]. The relevant observations are in para (14) on page (157), and they are as under :—

".....It is the cumulative effect of all these attendant circumstances which had to be considered for X-raying this order and the conclusion is inescapable that on these facts no reasonable man can hold this order to be a bona fide order of discharge simpliciter. It was wholly a penal order visiting this employee with evil consequences terminating his confirmed job, stigmatising him and in flagrant violation of the provisions of the Standing Orders and when examined in the light of the entire background, such an arbitrary order could never be upheld in industrial adjudication."

From this entire discussion, it will appear that the impugned order, (Ex. 14), in the nature of a memo, dated 31-5-1974, passed by the bank authorities, terminating the services of the workman, can be legitimately declared to be illegal on two grounds : In the first place, it has been passed in violation of the mandatory provisions of clause (1) of para (522) of the Shastri Award by not giving one month's notice, or one month's pay and allowances in lieu of that notice to the workman, before terminating his services with effect from 31-5-1974. The other ground is that the said order, (Ex. 14), dated 31-5-1974, is undoubtedly a punitive order which was passed by the authorities of the bank against the workman on account of the allegation that his work was not satisfactory and that he had not come up to the expectations of the bank in performance of his duties as a typist. The said order cannot be described as an order of discharge simpliciter. If that is so, the said order being punitive, the authorities of the bank should have given him a show-cause notice, or a charge-sheet, and thereafter an opportunity to explain his position. After his explanation, if the bank was not satisfied, a regular domestic enquiry should have been held against him, during which also a reasonable opportunity should have been given to the workman to defend himself. After such enquiry and after following the procedure prescribed in that connection in Section III, paras (520) and (521) of the Shastri Award, the bank should have taken the appropriate action against the workman.

18 (i) For the reasons discussed above, it is hereby declared that the action of the management of the Central Bank of India in terminating the services of Shri J.N. Doshi, a typist in the Bhaktinagar branch of the bank, after the working hours on 31st May, 1974, is absolutely unjustified and illegal. As such, the order in the nature of memo, (Ex. 14), dated 31-5-1974, terminating his services with effect from 31-5-1974, is hereby directed to be set aside.

(ii) It is further directed that the said workman, Shri J.N. Doshi, be reinstated in his original position on which he was working under the bank on 31st May, 1974, the date on which his services were illegally terminated.

(iii) It is further directed that the said workman shall be paid his full back wages, minus the amount which he earned during the period of his unemployment under the bank, by serving H. J. Steel Company, Rajkot, as a time-keeper, for a period of about 4 months, receiving a monthly remuneration of Rs 250. The workman, vide his deposition, (Ex. 20), has deposed that even though he tried to secure the alternative employment but excepting the employment referred to

above, he could not secure any other employment, even though he had gone to Bombay also to secure the same.

(iv) The arrears of back wages be paid to the workman by the bank within a period of three months on the publication of this award in the Gazette of India.

(v) The first party to bear its own cost and also to pay the costs of the second party, which are quantified at Rs. 300 (Rupees three hundred only).

Ahmedabad, 4th January, 1979.

R. C. ISRANI, Presiding Officer  
[No. L-12012/138/75-D.II.A]

New Delhi, the 5th February, 1979

**S.O. 630.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workman over termination of services of Shri G. R. Mane, which was received by the Central Government on 27-1-1979.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR

#### COURT NO. 1, BOMBAY

Reference No. CGIT-3 of 1978

Employers in relation to Union Bank of India, Bombay  
AND  
Their Workman.

#### APPEARANCES :

For the Employers—Mr. F. D. Damania, Advocate.

For the Workman—Mr. M. S. Udhesi, Advocate.

Industry : Banking  
State : Maharashtra

Bombay, dated the 3rd January, 1979

#### AWARD

In exercise of the powers conferred by section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, the Central Government has referred the following dispute for adjudication.

"Whether the action of the management of Union Bank of India in considering the case of Shri G. R. Mane as the case of voluntary abandonment from service and thus removing his name from the muster roll and refusing him to allow to resume duties is justifiable? If not, to what relief Shri G. R. Mane is entitled?"

1. Shri G. R. Mane joined the service of the Employer on the 20th March, 1973 as a Peon and was duly confirmed. At the time of his appointment he gave his address which was of Koliwada, where his father resided. He was married on the 4th March, 1975 and thereafter he shifted with his wife to Chunabathi. This information was duly given to the Bank, which is the workman's Employer. Since he became sick he became absent from work from 11th September, 1976. He was examined by the Bank's doctor who on 15-9-1976 diagnosed a case of pain in abdomen and by his certificate dated 15-9-1976 (Ext. E. 3) recommended leave for three days from 15-9-1976. The workman was again examined by the Bank's doctor on 20-9-1976. He was advised to take X-ray of his chest and was recommended seven days' leave from 18-9-1976. (vide Ext. 3A).

2. The case of the workman Shri Mane is that after 25th September, he changed the treatment and began taking treatment of Dr. Medora who resides at Koliwada. After some days of sickness he came to stay with his wife and child to his parents' residence at Koliwada. When he became allright, he went to resume his duties and saw the Personnel Officer Mr. Joshi on 12th November, 1976 at 10.30 a.m. and requested him to inform him as to where he should resume his duties. He went to him because before proceeding on leave he had been transferred to the South Zone

for a temporary period of one month only. Mr. Joshi informed him that as he had remained absent for two months he will not be kept in service and pay order would be given to him. The workman showed him the medical certificate dated 11th November, 1976 granted by Dr. Medora, but to no effect. The same day at 3 p.m. again he met him along with a letter meant for the Staff Superintendent, but Mr. Joshi refused to accept the same and did not allow him to resume duties. Pursuant to a message sent to him by Mr. Joshi he met him again and on that day Mr. Joshi gave him a memo Ext. W. 3 dated 12th November, 1976 which stated that he had been informed by the memorandum dated 25th October, 1976 to report for duty on or before 10th November, 1976 and since Mr. Mane did not report for duty, and he was informed that if he failed to report it will be presumed that he was no longer interested in the service and that his name would be struck off from the muster roll, accordingly it became clear that Mr. Mane was no longer interested in the service of the Bank and had abandoned it of his own accord and hence his name was struck off from the muster-roll with effect from 12th November, 1976. On receipt of this memo the workman's father, who is personally known to Mr. L. S. Mistry, the present General Manager of the bank, approached Mr. Mistry at his residence. As advised by Mr. Mistry, the workman met the Personnel Manager Mr. Unwalla, who directed him to see Mr. Joshi and when he saw Mr. Joshi again, he took a letter of regret duly signed by him and the medical certificate granted to him by Shri Medora, and was asked to come on the following day. When he went to him the following day he was asked to come again; in this way, the matter was put off from day to day. Thereafter he met the General Secretary of the employees' Union Mr. R. S. Wadke who also approached the management but to no effect. Thereafter a letter was addressed to the Manager Personnel that if nothing would be done legal steps would be taken. Ultimately, the matter was taken in the Conciliation proceeding and on submission of the failure report the present reference has been made. The contention of the workman is that the termination of his service is wrongful, illegal, null and void and unjustified for non-compliance with the mandatory provisions of section 25(F) and 25(N) of the Industrial Disputes Act and that there was never an intention on his part to abandon the service. The punishment inflicted is also said to be excessive and that it was never an abandonment of his service on his part.

3. The Bank has submitted a statement of claim wherein it is contended that in the circumstances of the case the Employer was justified in treating the workman as having abandoned the service. It was incumbent on the workman before proceeding on leave to leave with the competent authority his address while on leave or to inform the Employer of any change in the address previously furnished. In the present case the workman did not report back on the expiry of his leave or within a reasonable time from the expiry of his leave and despite service of registered notices on him and as such the Employer had no other alternative but to draw the only inference possible. On the above ground, it is contended that the action of the Employer was fully justified.

4. In order to justify the action taken, my attention has been drawn to the service record Ext. E. 10 and the different memos Ext. E. 4, E. 5 and F. 6 that had been issued to the workman asking him to resume duties and intimating him the consequence that will follow in the event of his not joining. Ext. E. 10 shows that in 1975 Shri Mane had taken 52 days' Privilege leave, 47 days' sick leave and 7 days' extraordinary leave thus giving a total of 106 days on 17 occasions. In 1976 he had taken 31 days' privilege leave, 20 days' sick leave, 44 days' extraordinary leave and 85 days' unauthorised leave making a total of 180 days on 13 occasions. It is contended for the Bank that on such a record of absence from duty, if the workman remained absent without giving any information the only inference that could be drawn was that he was no longer interested in the Bank's service. In this connection reference was also made to the fact immediately before proceeding on leave Shri Mane had taken a loan of Rs. 750.

5. For the workman reference was made to paragraphs 13.17, 13.29 and 13.34 of the first Bipartite Settlement and

it was argued that he could take privilege leave up to 107 days, sick leave up to 106 days and extraordinary leave up to 57 days. In Ext. E. 10 there is no mention of casual leave account. Judged in this light no inference of the kind can be drawn as was sought to be stressed on behalf of the Bank on the basis of Ext. E. 10.

6. Ext. E. 4 is a memorandum dated 5th October, 1970 over the signature of Mr. Joshi on behalf of the Superintendent saying that Mr. Mane was expected to report for duties on 27th September which he failed to do. He was asked to report forthwith and if he still continued to remain absent on account of his sickness, he must once again present himself before the Bank's medical officer. It was sent by his Chunabathi address under a registered cover with acknowledgement due. It was posted on 11-10-1976 and was returned on 2-11-1976 with a note that the addressee left. Ext. E. 5 is another memorandum dated 25th October, 1976, over the signature of Mr. Joshi for the Superintendent saying that till that date Mr. Mane had not reported for duty nor presented himself for medical examination before the Bank's medical officer. As such the management was constrained to inform that he was remaining absent without proper justification. He was further informed that he must report for duties on or before 10th November, 1976 failing which it will be presumed that he was no longer interested in the service and thereupon his name will be struck off from the muster roll of the Bank. This memo was also sent under a registered cover with acknowledgement due. It was registered on 27th October, 1976 and was returned undelivered on 9th November, 1976 with the postal remark 'addressee not found and left at Kurla'. Ext. E. 6 is the third memorandum dated 12th November, 1976 over the signature of Shri U. Y. Kazi the Superintendent saying that since Mr. Mane had failed to report for duties it would be presumed that he was no longer interested in the service and that he has abandoned it of his own accord. Accordingly his name was struck off from the muster roll with effect from 12th November, 1976. It was also sent under a registered cover with acknowledgement due on 13-11-1976. It was returned undelivered on 29-11-1976. All these letters were sent by Chunabathi address. It is common ground that Mr. Mane fell sick and allegedly changed his residence from Chunabathi to Koliwada, he did not give the necessary information to the Bank. As such it was argued for the Bank that if after issuance of three registered memos and there being default on the part of the workman to remain completely silent, the Bank was perfectly justified in treating the case as abandonment of service and that in ordinary course the workman should have given necessary information to the Bank about his continued absence or also of the change of his address. There are, however, circumstances to lend credence to the workman's case that he did really go from Chunabathi to Koliwada at the relevant time. Firstly, all the three registered envelopes were returned unserved with the postal remark that 'the addressee had left the place'. Clear evidence of Mr. Joshi is that Ext. E. 4 and 5 were returned to the Bank under the postal remark 'not found and left for Kurla' which means Koliwada. It does not seem probable that the employee will not respond if he had an inkling of the three registered letters from the Bank. There is the evidence that Dr. Medora resides in Koliwada and therefore, it was likely that Shri Mane could go to his parent's place at Koliwada so that he could be nearer to the Doctor. Therefore, if the evidence of the workman is judged in the light of the above circumstances, I feel satisfied that he did really go to Koliwada and was not at Chunabathi and hence ignorant of the three memos sent to him. It is important to note that when Ext. E. 5 had been returned unserved with a note that the 'addressee had left for Kurla' there was no justification for the Bank to send another registered letter Ext. E. 6 on 12th November, 1976 by the Chunabathi address. Had this memo been sent by Kurla (Koliwada address), the action taken by the Bank would not have come in for any comment, but the persistent action on the part of the Bank in sending both Exts. E. 5 and E. 6 by Chunabathi address does not seem justified. The fact that the workman had taken a loan of Rs. 750/- is a pointer more of his case that he needed money for his treatment rather than that he decamped with the Bank's money. It is also significant that Rs. 300/- is claimed to be due to the work-

man from the Bank on account of ex gratia payment of bonus for 1976.

7. It was vehemently argued that Shri Mane cannot be believed that during his sickness he had shifted to his father's place since he has been contradicted in this Court by the father himself. The father is W.W. 2, Ramachandra Natha Mane. What he has said is that after his son shifted to Kurla and till he was removed from the Bank he was through out staying separately and was not staying with him but used to come occasionally to visit him. "For five or six months prior to his name being struck off by the Bank, I had not seen him as he was staying far away." The workman was confronted with the above evidence of his father. To this his reply was that it was because his father was seventy-one years of age he did not remember things correctly. In order to show that the father has a failing memory, my attention was invited to his evidence where he has said that his son got married six or seven years back whereas, he was in fact, married only three years back i.e. in 1975. In the circumstances, I do not feel inclined to view the evidence of the father as contradicting the son on the point.

8. According to the Bank intention to abandon the post is deducible from the failure on the part of the workman to inform the Bank about the change of his address from Chunabathi to Koliwada and his previous record of having taken leave on a number of occasions. I have already commented upon the question of leave. It does not justify the Bank's inference. As against this, the Bank should have taken into consideration the fact that he was sick for which two certificates of the Bank's medical officer were already in possession of the Bank. The Bank's doctor had advised to take X-ray of the chest which fact also was known to the Bank. The Bank's doctor did not certify in his second certificate that the workman was fit for resuming duty. The workman had taken a loan of Rs. 750/-. The postal endorsement on the registered letters indicated that he had left Kurla (Koliwada) which was his permanent address given in his letter of appointment. In the circumstance, the Bank cannot be said to be justified in drawing the inference that the intention of the workman was to abandon the service.

9. Some argument was advanced on behalf of the workman to show that the medical certificate granted by Dr. Medora was given over to Mr. Joshi on the 26th November, 1976. This has been denied by Mr. Joshi, E.W. 1 in order to show that the workman's version is correct, reference was made to certain petitions and the rejoinder dated 13th June, 1978 and the Court's order dated 12-7-1978 asking the Bank to produce the medical certificate, said to have been given to Mr. Joshi. Firstly the Bank replied that it was not relevant and later, they denied that it had been handed over to Mr. Joshi. It has been argued that non-production of this medical certificate on the part of the Bank is due to the fact that the certificate might have contained something to show that Shri Mane was not in a fit condition to resume duties till he actually offered to resume duties. No copy of the certificate given to Mr. Joshi has been produced nor any indication given as to what actually there was in it to assist the case of the workman. Be that as it may, nothing turns on the non-production of this medical certificate.

10. It was next argued that the question whether the Bank's order is justified or not also raises the question whether it was legal or not. I agree with this submission. In order to show that the order of termination passed was not legal, two grounds have been urged. They are :

- Non-compliance with the provisions of section 25(F) and 25(N) of the Industrial Disputes Act and
- Incompetency of Shri U. Y. Kazi to issue the termination order.

11. The fact that the order states that the name of the workman was removed from the muster roll must be held to be a case of termination. It is common ground that retrenchment compensation and one month's notice pay in lieu of such notice under section 25(F) or three months'

notice or wages in lieu thereof under section 25(N) has not been paid. In the circumstance, the termination order must be held to be in violation of these provisions and cannot be sustained (vide State Bank of India vs. Shri N. Sundaramoney vide 1976 I LII—478).

12. The termination order is over the signature of the Superintendent Shri U. Y. Kazi. Evidence of Shri Joshi is that an order of termination passed by him or by Mr. U. Y. Kazi is subject to confirmation by an authority not below the rank of Assistant General Manager. This also finds support from Ex. W. 21. There is nothing to show that the order of termination had been confirmed by the Assistant General Manager. Therefore, from this point of view the termination order cannot be allowed to stand.

13. I was referred to the provisions of the first Bipartite Settlement according to which absence without leave or over staying sanction of leave without sufficient grounds is only a minor misconduct and an employee found guilty of minor misconduct may be warned or censured or have an adverse remark entered against him or have his increment stopped for a period not longer than six months. Judged in this light also the termination of service is not warranted.

14. It is in evidence of the workman that since his termination of service he is not employed anywhere; sometimes he does the work of painting. For the last three to four months he has been doing this work and gets an amount of Rs. 30/- to Rs. 40/-. He has a wife and a 2-1/2 year old daughter to support. This shows that he has been practically unemployed during this period.

15. In view of my findings recorded above my Award is that the action of the Management in considering the case of Shri Mane as a case of abandonment from service and thus removing his name from the muster roll and refusing him to allow to resume duties is not justifiable and that he is entitled to be reinstated with back wages.

J. NARAIN, Presiding Officer

[No. L-12012/89/77-D. II. A]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

New Delhi, the 7th February, 1979

**S.O. 631.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th January, 1979.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc., LL.M. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(25)/1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur and their workman, Shri S. O. Gupta, Resident of Tirodi, P.O. Tirodi, District Balaghat (M.P.).

APPEARANCES:

For Workman—Shri S. O. Gupta, Workman concerned.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Manganese Ore. DISTRICT Balaghat (M.P.).

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour, vide its Order No. I-27012/77-D.

III B, dated 6th May, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute:—

“Whether the action of the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur, in compelling Sri S.O. Gupta, ex-employee of Tirodi Mines, Balaghat (M.P.) to retire from service with effect from 1-9-1976 is justified? If not to what relief the workman is entitled?”

2. It is not disputed that Shri S. O. Gupta was an old employee of O. P. Syndicate Pvt. Ltd. Contractor with effect from 1-1-1969. When that contractor of that firm was terminated Shri Gupta was absorbed as a regular employee of the mine by the owner since 1-6-1971. He was the General Secretary of Rashtriya Manganese Kamgar Sangh hereinafter called the Union. In that capacity he entered into a conciliation settlement with the management on 26-7-1971 made effective from 1-1-1971. According to the specific terms of the settlement:—

- (i) the age of retirement of the employees was fixed as 60 years;
- (ii) the declaration of age made by the employee in the Provident Fund Register was agreed to be taken as final; and
- (iii) the settlement was to ensure for a period of three years.

In the Provident Fund Register the age of Shri S. O. Gupta was recorded as 54 years on 7-12-1969. Hence he completed 60 years of age on 7-12-1975. The management therefore retired him with effect from 1-9-1976. Shri Gupta had, before his retirement submitted two applications for the correction of his date of birth. They were supported by the School Leaving Certificate which mentioned 20-2-1921 as his date of birth. If that was to be taken as the correct date then Shri S. O. Gupta would attain the age of 60 years on 20-2-1981.

3. Management's case is that the settlement dated 26-7-1971 was binding upon Shri Gupta and the entry about the age made by him in his own hand in the Provident Fund Register shall be deemed to be final. He had no right to get it corrected. The retirement was thus proper as it was effected after he had crossed the age of 60 years. The settlement was never set aside. Shri Gupta could not approve and reprobate by accepting the settlement to be in force for the purpose of age of superannuation being 60 years and say at the same time that the same settlement was not binding so far as the finality of the declaration about age made in the P.F. Register is concerned. He accepted all retirement benefits hence he is estopped from challenging its validity. He is further estopped from challenging the correctness of the entry about age which he himself made in the P.F. Register.

4. The case of Shri S. O. Gupta workman is that the settlement of 1971 was set aside by a notice dated 8-3-1973 with effect from 1-1-1974 and was substituted by the settlements dated 7-8-1975 and 2-6-1976 which omitted to make any mention about the condition of finality of entry in the P.F. Register. The settlement of 1971 enured only for 3 years as per terms contained in it. The management itself adopted the Gratuity Act on the expiry of those 3 years. It invited proof of age from the workmen generally and it was in response to that move of the management that Shri Gupta moved the second application for the correction of his date of birth, which he supported by the School Leaving Certificate. The question of estoppel did not arise even when he withdrew his gratuity etc. It is alleged that he was made to retire much before he attained the age of 60 years hence he should be deemed to have continued in service with all incidental money benefits till he attains that age on 20-2-1981.

5. The settlement dated 26-7-1971 has been placed on the record. It is Ex. W/1. All the three conditions mentioned in para 2 of this award do find place in the settlement. Though the settlement contains the last clause that it shall remain in operation for a period of three years from 1st January, 1971 yet the settled position of law is that it continues to remain in force till it had been terminated by a valid notice under Section 19(2) of the Indus-

trial Disputes Act. Mysore High Court in Mysore Vegetable Oil Products Ltd. Vs. Their workmen (1965-II-LLJ 8,10) relying upon the view of the Calcutta High Court expressed in National Carbon Company (India) Ltd Vs. M. N. Gan (1958-I-LLJ 472) held that when there is an agreement about the period for which the settlement is to remain in force, it continues to remain in force even after the expiry of that period by virtue of the law till it is terminated by a valid notice under Sec. 19(2) of the Industrial Disputes Act.

6. Learned Counsel for the management has filed a copy of the notice dated 8-3-1973 issued by M.P. Manganeese Mazdoor Sangh, Bulaghat, terminating the settlement. Notice requires the total revision of all the terms of the settlement. This notice finds mention in the letter dated 23rd/26th November, 1973 (Ex.W/2) issued by the Chairman and Managing Director to the President of M.P. Manganeese Mazdoor Sangh, Bulaghat. The management clearly admitted in that letter that the Union had terminated the agreement with effect from 1-1-1974 by a notice dated 8th March, 1973. According to this letter the management itself terminated the agreement in exercise of the power reserved by the Company vide Clause 6(xiii) of the settlement. With the specifically stated result that those workers who retire from the service of the Company on or after 1st January, 1974 will be paid their gratuity strictly in accordance with the provisions of the Payment of Gratuity Act, 1972 and not according to the settlement of 1971. Thus it is obvious that both the parties had agreed to terminate the settlement of 1971 and it lost its force with effect from 1-1-1974. Shri Gupta was made to retire only in the year 1976 which was the post termination period. Neither Shri Gupta nor the management can therefore claim shelter under the terms of settlement of 1971.

7. The other two settlements of 1975 and 1976 have no bearing on the subject and are therefore irrelevant. The result is that after the termination of the settlement of 1971 the case of retirement of Shri Gupta would be governed by the provisions of Gratuity Act.

8. According to Section 2(r) of the Payment of Gratuity Act the superannuation in relation to an employee means—

- (i) the attainment by an employee of such age as is fixed in the contract or conditions of service as the age on the attaining of which the employee shall vacate the employment; and
- (ii) in any other case the attainment by the employee of the age of 58 years.

In the present case after the termination of the settlement of 1971 there remained no agreement about the age of superannuation. The case would therefore fall in the residuary clause i.e. Clause no. (ii) of Section 2(r) and age of superannuation in the case of Mr. Gupta would be the date on which he attains the age of 58 years.

9. Now the question is as to when will he attain the age of superannuation of 58 years. It is proved that in the P.F. Register he himself made an entry giving all particulars and in that entry on 7-12-1969 he mentioned his age as 54 years. As the settlement, which laid down a condition that the declarations so made in the P.F. Register shall be final, stood terminated on 1-1-1974 therefore it was open to Mr. Gupta to apply for the correction of the age which he had so declared in the P.F. Register. The writing of the age as 54 years by itself goes to show that he was writing it approximately. 7-12-1969 on which date he made that entry was admittedly not his date of birth. Thus on that date he wrote down what he believed to be true by approximation. He has given an explanation that he did not care to be very precise in that respect because he expected that generally, as was the practice, he would be allowed to continue even beyond 60 years of age by the Company. But when he found that the Company was meticulous in ordering his retirement and is not inclined to avail of his services even after he had attained the so called age of 60 years, he searched for the true date of birth and obtained the School Transfer Certificate from Goverdhan Das Primary School, Tumsar where he had studied and passed Class II. This School Leaving Certificate is Ex. W/6. It has been proved by Shri Gupta himself. He has stated on oath that he was studying in this School in the year 1929-30 and the certificate related to him. It did not relate to any other person. In view of this statement the minor difference in the name carries no weight. The certificate mentions the name as Surjilal S/o Oma Sao while the name of Shri Gupta as mentioned

in the P.F. Register is Suraj Lal S/o Oma Sao. The father's name tallies along with the other particulars and therefore I am of the view that the certificate can be accepted as a piece of evidence showing the true date of birth of Shri Gupta inspite of the fact that it mentions his name Surjilal instead of Suraj Lal. It is quite possible that in love and affection the name Suraj Lal might have been misspelled as Surji Lal. The difference is neither alarming nor material and there is no rebuttal to this evidence. The certificate specifically mentions 20th February 1921 as the date of birth. There was no reason for the management to discard this evidence and amend the date of birth accordingly when he had applied well in time. He has stated on oath that he again applied when the management itself invited proof of age from the employees and along with that application he had submitted this School Leave Certificate. I am inclined to believe it as against the approximate age given by Shri Gupta in his own handwriting in the Register and there is no estoppel against amending the age once declared specially when the application for amendment is moved much before the other side acts upon such declaration.

10. Once Shri Gupta was made to retire it was normal for him to draw the gratuity etc. and the mere fact of withdrawing the gratuity amount will not be sufficient to create estoppel against him in view of the above circumstances.

11. As the certificate Ex. W/6 mentions the date of birth as 20th February 1921 the date of superannuation after attaining the age of 58 years would be 20th February, 1979. Shri Gupta was therefore wrongfully made to retire on 1-9-1976. The management is therefore directed to reinstate him in service and to retire him not before the date of 20th February, 1979. His wages and other emoluments shall be paid to him for the period from 1-9-1976 till the date of reinstatement or retirement on 20th February, 1979. The gratuity and other retirement benefits shall be determined afresh on the basis of the last pay drawn by him on 20th February, 1979 and the difference between the amounts already paid in that behalf and the amounts which are so found due shall also be paid to him on his retirement on the said date of 20th February, 1979. The management shall further pay Rs. 50 as costs to Shri S. O. Gupta.

Dated : 17-1-1979.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-27012/6/77-D. III. B]

A. K. ROY, Under Secy.

New Delhi, the 7th February, 1979

**S.O. 632.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the B.C.G. Vaccine Laboratory, Madras and their workmen which was received by the Central Government on the 6th February, 1979.

BEFORE THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.I.,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)  
Wednesday, the 24th day of January, 1979

**Industrial Dispute No. 28 of 1978**

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of B.C.G. Vaccine Laboratory Madras.)

**BETWEEN**

Kumari R. Vasantha.

No. 12, Babu Rajendra Prasad Street  
West Mambalam, Madras-600 033.

**AND**

The Director,  
B.C.G. Vaccine Laboratory,  
Guindy, Madras-600 032.

## REFERENCE

Order No. L-42012(19)77-D.II (B), dated 25-5-1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 8th day of January, 1979 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal N.G.R. Prasad and K. Chandru for Thiruvalargal Row and Reddy and R. Rajaram, Advocates for the worker and of Thiru P.B. Krishnamurthy, Central Government Pleader appearing for the Management and this dispute having stood over till this day or consideration, this Tribunal made the following.

## AWARD

This is an industrial dispute referred to this Tribunal for adjudication under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy and their workman in the matter of the termination of the services of Kumari R. Vasanth, Glassware Cleaner.

(2) The following is the reference :

"Whether the action of the Management of the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras in terminating the services of Kumari R. Vasanth, Glassware Cleaner, with effect from 17-3-1976, is justified? If not, to what relief is Kumari R. Vasanth entitled?"

(3) A claim statement was filed by the Union, wherein they state as follows : The Petitioner with the qualification S.S.L.C. comes from a poor family. On seeing an advertisement in the paper inviting applications, she applied for the post. By an order dated 14-10-1970, she was appointed as a Laboratory Attendant with effect from 3-10-1970. The period of probation was six months. Few days before the completion of probation period, the Respondent terminated the services by an order dated 31-3-1971 for want of vacancy. The reason stated by the Management was that because of reduction in the number of temporary posts Laboratory Asst. with effect from 1-3-71, one P. Paramasivam who was functioning as Laboratory Assistant had to be reverted as Laboratory Attendant and consequently the petitioner had to be ousted. The termination of the services of the Petitioner was brought to the notice of the Regional Labour Commissioner (Central) and on the intervention of the Assistant Labour Commissioner (Central) the Management revoked their order dated 31-3-1971. On 24-5-1971, the Respondent informed her that since the post of temporary Lab. Attendant ceased to exist by virtue of the order of the Director General of Health Services for the year 1971-72, the petitioner was appointed in the post of Glassware Cleaner with effect from 1-5-1971 in the scale of pay of Rs. 70-1-80-EB-1-85 plus usual allowances. The appointment was stated to be temporary. After the petitioner had worked continuously for a period of 5 years suddenly the Respondent once again by an order dated 7-3-1976 terminated her services from that date. The Petitioner made representations against this to the Respondent. The Respondent orally informed her that they had terminated her services because by order of the Government of India removed her from service. She made representation by her letter dated 15-12-1976 to the Secretary, Department of Personnel and Administrative Reforms, Prime Minister's Secretariat, New Delhi and she was informed by the letter dated 28-4-1977 that her services were terminated as the Ministry of Labour did not agree to the relaxation of the conditions of recruitment through the Employment Exchanges. The reason is untenable because when she was appointed as Glassware Cleaner as per the Management's order dated 24-5-1971 she was already working as Laboratory Attendant in the Management's Institution. As she was already employed she could not possible have registered her name in the Employment Exchange. After 5 years of service, it was not fair on the part of the Management to terminate her services. Since the termination was illegal, unreasonable, the Honourable Tribunal might pass an Award for reinstatement with back wages.

(4) A counter statement was filed by the Management, wherein they contend as follows : The Management called for application by advertisement in newspaper for the post of Laboratory Attendant. It is also equally true that when

the services were terminated on 31-3-1971, she had not completed the probation of six months. It is also true that on the intervention of the Assistant Labour Commissioner (Central) the Respondent revoked the order dated 31-3-71. The Respondent filed an application on 3-4-1971 for permission to retrench the Petitioner from service with immediate effect before the concerned authority. The Management issued an order on 2-4-1971 revoking order dated 31-3-1971 due to fact that lesser posts were sanctioned by the Health Ministry, the petitioner's post was abolished. On representation of the Petitioner she was appointed in the lower post of Glassware Cleaner temporarily with effect from 1-5-1971. The Petitioner's services were terminated as the Glassware Cleaner from 17-3-1976 as she was appointed temporarily. The Management had every right to terminate the services. The ground for termination of services was that she had not registered with the Employment Exchange. The reason for not having registered is not tenable for the Central Government temporary employees. They can register in the Employment Exchange while in service. Therefore, she is not entitled to any relief.

(5) On the side of the Management, Exs. M-1 to M-16 were filed. On the side of the worker Exs. W-1 to W-11 were filed. The admitted facts are : She was appointed as Laboratory Assistant by an order dated 14-10-1970 in the scale of pay of Rs. 80-1-85-2-95-EB-3-110 with usual allowances with effect from 3-10-1970 and her services were terminated by an order dated 31-3-1971 even before the period of probation of six months for want of vacancy. As there was no vacancy in the post she was appointed in the lower category, namely, Glassware Cleaner with effect from 1-5-1971 by the letter dated 24-5-1971 and her services were terminated from the post of Glassware Cleaner on 17-3-1976. It is also admitted a fact that she was originally recruited on her application in pursuance of advertisement for the post of Laboratory Assistant. The reason for terminating the services is that she has not registered her name with the Employment Exchange.

(6) It must be remembered that she had applied in pursuance of an advertisement and she continued her service as Glassware Cleaner for a period of 5 years. I fail to see that when she continued her service why she should register her name in the Employment Exchange. It is not the case of the Management that she was retrenched from service for want of vacancy. Her services were terminated on 17-3-1976 as per Ex. W-6. Ex. W-1 list will show that on 18-3-1976 they have appointed one Thiru N. Balaraman as Glassware Cleaner. When there was a vacancy existing there is no need to terminate her service on 17-3-1976 and appoint another man in her place on 18-3-1976. Subsequently also they have appointed one Thiru A. Padmanabhan for the same post on 9-8-1976. They could have absorbed her in that vacancy. That will show that the Management was bent upon ousting her and they invented the ground to oust her that she had not registered her name with the Employment Exchange. Therefore, the conduct of the Management in terminating her services cannot be said to be bona fide. It appears that she comes from a very poor family and the authorities could have sympathetically considered her case and allowed her to continue. Therefore it is a fit case for reinstatement of the Petitioner.

(7) It is agreed by the learned counsel for the Management that the rules made by the Central Government for recruitment would make it obligatory that the persons should have registered with Employment Exchange and candidates should be selected from the list recommended by the Employment Exchange. First of all, this will not apply to the present case, for, she was inducted into the service in response to the advertisement by the Management. She was almost in continuous service eversince 1971. Even assuming the rules made by the Government is applicable that it will not override the provisions of the Industrial Disputes Act, in view of the continuous service eversince 1971. Even assuming the rules Labour Reports—page 379. Wherein, it has been observed as follows :—

"Framing of rules by the Government for its servants functioning in a public utility service as post and telegraph, telephones or railways will not in any manner entrench on the fields occupied by the Industrial Disputes Act which is a special legislation dealing with settlement of industrial disputes."

Therefore, my finding is that the termination was unreasonable and unjust. Therefore she is to be reinstated.

(8) The learned counsel appearing for the worker would contend that she should be paid full wages from the date of termination of her services to the date of reinstatement. In the circumstances of the case I feel it is suffice she is given half wages for 3 months with continuity of service.

(9) In the result an Award is passed reinstating her within one month from the date of publication of the Award with half wages for 3 months and with continuity of service.

Dated this 24th day of January, 1979.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For worker

W.W.1—Kumari R. Vasantha.

For Management : Nil.

DOCUMENTS MARKED

For worker

Ex. W-1—List of employees who are appointed in the year 1976, 1977 and 1978.

Ex. W-2/14-10-70—Appointment order of W.W. 1 (copy).

Ex. W-3/31-3-71—Order of termination issued to W.W.1 (copy).

Ex. W-4/2-4-71—Order revoking the termination order issued to W.W.1.

Ex. W-5/24-5-71—Office order appointing W.W.1 as Glassware Cleaner. (copy).

Ex. W-6/17-3-76—Office order terminating the services of W.W.1. (copy).

Ex. W-7/19-3-76—Certificate issued by the Management. (copy).

Ex. W-8/15-12-76—Representation of W.W.1 to the Secretary, Department of Personnel and Administrative Reforms, New Delhi. (copy).

Ex. W-9/12-1-77—Letter from the Government of India forwarding Ex. W-8 to the Management. (copy).

Ex. W-10/28-4-77—Reply letter from the Government of India to Ex. W-8.

Ex. W-11/25-5-78—Copy of adjudication order issued to the Industrial Tribunal, Madras.

For Management

Ex. M-1—Publication made in the News Papers by the Management calling for applications for appointment.

Ex. M-2/14-10-70—Original of Ex. W-2.

Ex. M-3/31-3-71—Original of Ex. W-3.

Ex. M-4/1-4-71—Telegram from the Assistant Labour Commissioner, Madras to the Management.

Ex. M-5/2-4-71—Copy of Ex. W-4.

Ex. M-6/3-4-71—Petition under section 33(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 filed by the Management before the Regional Labour Commissioner (Central) Madras.

Ex. M-7/21-4-71—Letter from the Management to the Regional Labour Commissioner (Central), Madras, clarifying the term "Industry".

Ex. M-8/24-5-71—Original of Ex. W-5.

Ex. M-9/29-7-71—Letter from the Union to the Management enclosing staff grievances.

Ex. M-10/24-9-71—Memorandum of settlement u/s 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management and B.C.G. Vaccine Laboratory Employees' Union, Madras-32.

Ex. M-11/17-3-76—Original of Ex. W-6.

Ex. M-12/27-2-76—Memo issued to W.W.1 giving advance intimation for her termination.

Ex. M-13—Note of the Directorate General of Health Services regarding appointment of W.W.1 and Thiru M. Thirunavukkaracu. (copy).

Ex. M-14/30-1-74—Letter from the Management to the Director General of Health Services, New Delhi regarding regularisation of appointments.

Ex. M-15—Letter from the Directorate General of Health Services, New Delhi to the Management regarding appointment of W.W.1 and others.

Ex. M-16/18-2-76—Letter from the Management to the Director General of Health Services, New Delhi regarding Declaration of the Management as Industrial or non-Industrial establishment. (copy).

K. SELVARATNAM, Presiding Officer,

Note.—Parties are directed to take return of their documents within six months from the date of the Award.

[No. L-42012(19)/77-D. II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1979

का० आ० 633:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की आरा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मित्तम्बर, 1978 से मैसर्स पंजाब मेज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, 1004, सेक्टर 36सी०, चंडीगढ़, जिसके प्रत्यागत उपस्थिति गोड़, संबद्ध स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं. एस. 35019(267)/78-पी० एफ. II (ii)]

New Delhi, the 7th February, 1979

S.O. 633.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1978 the establishment known as Messrs Punjab Maize Products Limited, 1004, Sector 36-C, Chandigarh including its branch at Uppli Road, Sangrur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/267/78-PF. II(ii)]

का० आ० 634:—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थी गुरु बस्तालय, बैरकपुर रोड, रेलवे गेट, बरगत, 24-परगना, पश्चिमी बगाल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

यह अधिनियम की आरा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिनियम 30 जून, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35017(5)/78-पी० एफ. II

**S.O. 634.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Guru Bastraya, Barrackpore Road, Railway Gate, Barasat, 24-Parganas, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1978.

[No. S. 35017(5)/79-PF. II]

**का० आ० 635.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैप्पा ईफ्यूक्चरिंग एक्स (प्रा०) निः० ई० टी० रोड, पनीहाटी, 24-परगाना, पश्चिमी बंगाल, नामक स्थापन से मस्बद्द नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1978 को प्रवृत्त हुई समर्पी जाएगी।

[म० एम० 35017(6)/79-प० एफ० II]

**S.O. 635.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sampa Manufacturing Works (Private) Limited, B.T. Road, Panihati, 24-Parganas, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1978.

[No. S. 35019(6)/79-PF. II]

**का० आ० 636.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रिट एण्ड प्लिमिटेडी, 17, कॉलिन लेन, कलकत्ता-16 नामक स्थापन से मस्बद्द नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समर्पी जाएगी।

[म० एम० 35017(4)/79-प० एफ० II (i)]

**S.O. 636.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Print and Publicity, 17, Collin Lane, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1977.

[No. S. 35017(4)/79-PF. II(ii)]

**का० आ० 637.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रधान परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, सबद्ध विषय में आवश्यक जांच उक्त के पाण्डात् 1 अगस्त, 1977 से मैसर्स प्रिट एण्ड प्लिमिटेडी, 17, कॉलिन लेन, कलकत्ता-16, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए अधिनियम लागू करती है।

[म० एम० 35017(4)/79-प० एफ० II(ii)]

**S.O. 637.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1977 the establishment known as Messrs Print and Publicity, 17, Collin Lane, Calcutta-16, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(4)/79-PF. II(ii)]

**का० आ० 638.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्कॉम टैक्स स्टाफ कॉटेन, मात्र मंदिर, जादोजी रोड, मुम्बई-7, नामक स्थापन से मस्बद्द नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समर्पी जाएगी।

[म० एम० 35018(113)/78-प० एफ० II]

**S.O. 638.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Income-tax Staff Canteen, Matru Mandir, Jaojee Dadajee Road, Bombay-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35018/113/78-PF. II]

**का० आ० 639.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हॉटेल मिनर्वी, नवधग निवास, मिनर्वा सिनेमा के भास्ते, लर्मिगटन रोड, मुम्बई-7, नामक स्थापन से मस्बद्द नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समर्पी जाएगी।

[म० एम० 35018(112)/78-प० एफ० II]

**S.O. 639.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Minerva, Navyug Nivas, Opposite Minerva Cinema, Lamington Road, Bombay-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1977.

[No. S. 35018/112/78-PF. II]

**का० आ० 640.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पार्टिंगरी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन निं० पार्टिंगरी-१, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक शोर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एस० 35019 (123)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 640.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pondicherry Industrial Promotion Development and Investment Corporation Limited, Pondicherry-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1977.

[No. S. 35019/123/78-PF. II]

**का० आ० 641.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिनेस फूड प्रोडक्ट्स, खाक्कड मार्केट, दफतरी रोड, मलाद (पूर्व) मुम्बई-६४, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक शोर कर्मचारियों की बहुसंख्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एस० 35018 (III)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 641.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jigness Food Products, Khakhar Market, Daftary Road, Malad (East), Bombay-64, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1978.

[No. S. 35018/111/78-PF. II]

**का० आ० 642.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हेजिनियर्स एल्पेपी लिं०, प्रेशर डाई कास्टिंग यूनिट, पुन्नप्परा याम, अम्बलापुरा, तालुक, एल्पेपी जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक शोर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अतः, प्रब्र, उक्त अधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह अधिसूचना 30 निम्नांक, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35019 (262)/78-पी० एफ० II(i)]

**S.O. 642.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Engineers Alleppey Limited, Pressure Die Casting Unit, Punnappura Village, Ambalapuha Taluk, Alleppey District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1978.

[No. S. 35019/262/78-PF. II(i)]

**का०आ० 643.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक ज्ञान करने के पालात् 30 निम्नांक, 1978 में मैसर्स हेजिनियर्स एल्पेपी लिमिटेड, प्रेशर डाई कास्टिंग यूनिट, पुन्नप्परा याम, अम्बलापुरा, तालुक, एल्पेपी जिला, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगनां के लिए विनियिट करनी है।

[स० एस० 35019 (262)/78-पी० एफ० II (ii)]

**S.O. 643.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1978 the establishment known as Messrs. Engineers Alleppey Limited, Pressure Die Casting Unit, Punnappura Village, Ambalapuhas Tquluk, Alleppey District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/262/78-PF. II(ii)]

**का० आ० 644.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक ज्ञान

करने के पश्चात् 1 अगस्त, 1978 से मैसर्स इण्डस्ट्रियल फ्युल कम्पनी, कतरास रोड, धनबाद, नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनियोग करनी है।

[म० एम० 35019( 273) / 78-पी० एफ० II (ii)]

**S.O. 644.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1978 the establishment known as Messrs Industrial Fuel Company, Katras Road, Dhanbad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/273/78-PF. II(ii)]

**का० आ० 645.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजा टावर्स (प्रा०) लि०, बी-102, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मित्तम्बर, 1971 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019(1) / 79-पी० एफ० II (i)]

**S.O. 645.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raja Towers (Private) Limited, B-102, Greater Kailash-I New Delhi-48, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019/1/79-PF. II(i)]

**का० आ० 646.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डस्ट्रियल फ्युल कम्पनी, कतरास रोड, धनबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019( 273) / 78-पी० एफ० II (i)]

**S.O. 646.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Industrial Fuel Company, Katras Road, Dhanbad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force to the said establishment.

[No. S. 35019/273/78-PF. II(i)]

**का० आ० 647.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डस्ट्रीज, 24, फॉर्ट इण्डस्ट्रियल एस्टेट, इन्दौर-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019 (271) / 78-पी० एफ० II]

**S.O. 647.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijay Industries, 24, Fort Industrial Estate, Indore-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1977

[No. S. 35019/271/78-PF. II]

**का० आ० 648.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हवाई किला इण्डस्ट्रीज, चंद्र नगर, गुर्जरांव (हरियाणा), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मित्तम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019 (266) / 78-पी० एफ० II]

**S.O. 648.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hawa Kila Industries, Chander Nagar, Gurgaon (Haryana) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S. 35019/266/78-PF. II]

का० आ० 649.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स पंजाब मेज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, 1004, सेक्टर 36-सी, चंडीगढ़, जिसके अन्तर्गत उपग्रीष्ट रोड, संग्रुर, स्थित उमस्की गांडा भी है, नामक स्थापन से मध्यवर्द्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1978 को प्रदत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० ए० ३५०१९(२६७)/७८ पी०प० II(i)]

**S.O. 649.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Punjab Maize Products Limited, 1004, Sector-36-C, Chandigarh including its branch at Uppli Road, Sangrur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S. 35019/267/78-PF. II(i)]

का० आ० 650.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स एस० बी० इण्टरप्राइजेज, 26, प्रसन्न कुमार टैगोर स्ट्रीट, कलकत्ता-6, नामक स्थापन से मध्यवर्द्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[मं० ए० ३५०१९(३)/७८-पी०प०(II)]

हंस राज छावड़ा, उप सचिव

**S.O. 650.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. S. B. Enterprises 26, Prasanna Kumar Tagore Street, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1978

[No. S. 35017/3/79-PF. II]

HANSRAJ CHHABRA, Dy. Secy.

### संशोधनपत्र

नं० द्वि० दिल्ली, 14 फरवरी, 1979

का० आ० 651.—भारत के दिनांक 9 फरवरी, 1979 के राजपत्र (असाधारण) भाग 2 खण्ड 3(2) के पृष्ठ संख्या 151 पर प्रकाशित अधिसूचना संख्या का० आ० 81(अ) की नीचे से तीसरी पंक्ति में “नियतन या पुनरीक्षण” शब्दों के लिए “नियतन और पुनरीक्षण” शब्द पढ़ें।

[सं. वी.-24032/1/79-म. बोर्ड]

### CORRIGENDA

New Delhi, the 14th February, 1979

**S.O. 651.**—In the notification No. S.O. 81(E) dated the 9th February, 1979 published in the Gazette of India Extra-ordinary Part II Section 3(ii) dated the 9th February, 1979, at page 151,—

in the third line from bottom for “fixing or revising” read “fixing and revising”.

[No. V-24032/1/79-WB]

### संशोधनपत्र

का० आ० 652.—भारत के दिनांक 9 फरवरी, 1979 के राजपत्र (असाधारण) भाग 2, खण्ड 3(2) के पृष्ठ संख्या 152 पर प्रकाशित अधिसूचना संख्या का० आ० 82(अ) की उपर से पांचवीं पंक्ति में “नियतन या पुनरीक्षण” शब्दों के लिए “नियतन और पुनरीक्षण” शब्द पढ़ें।

[सं. वी.-24032/1/79-म. बोर्ड]

अशोक नारायण, उप सचिव

**S.O. 652.**—In the notification No. S.O. 82(E) dated the 9th February, 1979 published in the Gazette of India Extra-ordinary Part II Section 3(ii) dated the 9th February, 1979, at page 152,—

in the second line from the bottom for “fixing or revising” read “fixing and revising”.

[No. V-24032/1/79-WB]

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

